THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 49 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.4 2083 बुधवार, 20 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

नक्सलवाद का पूरी तरह खात्मा हुआ, कांग्रेस सरकार ने अभियान में नहीं किया सहयोग : शाह

बस्तर, 19 मई (एजेंसियां)। बस्तर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 के बाद पहली बार बस्तर का दौरा किया। उन्होंने यहां केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक में भाग लिया। इस दौरान बस्तर के लोगों में उत्साह और भविष्य के प्रति विश्वास दिखाई दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर अब पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो चुका है। यह सभी के लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि कई गैर-भाजपा सरकारों ने नक्सल मुक्त अभियान का समर्थन किया। हालांकि, छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने इस अभियान में सहयोग नहीं किया। 13 दिसंबर 2023 को भाजपा सरकार बनने के बाद बचे हुए नक्सलियों को निशाना बनाया गया।

'रेबीज से बीमार कुत्तों को मारने के आदेश'

सुप्रीम कोर्ट ने दी अनुमति

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी से जुड़े 7 नवंबर 2025 के अपने आदेश में बदलाव और उसे वापस लेने की मांग वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) द्वारा आवारा जानवरों को लेकर जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं भी खारिज कर दीं। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई की। अदालत ने शैक्षणिक संस्थानों, बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशनों, खेल परिसरों, अस्पतालों आदि जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के अपने पूर्व के निर्देशों को बदलने से इनकार कर दिया और कुत्तों को नसबंदी के बाद वापस पुरानी जगहों पर छोड़ने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। डॉग लवर्स ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि आवारा कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाने का आदेश बहुत कठोर है और इससे कुत्तों के अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की ओर से लंबे समय तक ठोस प्रयास नहीं किए गए। अदालत ने टिप्पणी की कि एनिमल बर्थ कंट्रोल व्यवस्था ठीक से लागू नहीं की गई है और इसके लिए फंडिंग भी अपर्याप्त और असमान है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार में यह भी शामिल है कि लोग कुत्तों के हमलों और खतरे के डर के बिना स्वतंत्र रूप से जीवन जी सकें।

गंभीर रूप से बीमार कुत्तों को मारने के निर्देश :

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश देते हुए रेबीज और गंभीर रूप से बीमार कुत्तों को, जो इंसानी जीवन के लिए खतरनाक हैं, उन्हें मारने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि वह जमीनी हकीकत से आंखें नहीं मूंद सकती, जहां बच्चे, यात्री और बुजुर्ग लगातार डॉग बाइट की घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए मिलजुलकर प्रयास करते हुए जरूरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करें। अदालत ने कहा, पशु जन्म नियंत्रण नियमों और अन्य लागू वैधानिक प्रोटोकॉल के अनुसार लाइलाज बीमारी से ग्रस्त, रेबीज से संक्रमित और किसी भी तरह से मानव जीवन के लिए खतरनाक कुत्तों को मारने के उपाय अधिकारी कर सकते हैं।

अदालत ने डॉग फीडर्स की भी जिम्मेदारी तय करने का निर्देश दिया

पीठ ने ये भी कहा कि अब आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले लोगों यानी डॉग फीडर्स और डॉग लवर्स की जिम्मेदारी भी तय होगी। अगर कोई कुत्ता किसी व्यक्ति को काटता है, तो ऐसे मामलों में जिम्मेदारी सिर्फ प्रशासन की ही नहीं बल्कि उन लोगों की भी मानी जाएगी जो कुत्तों की देखभाल या फीडिंग में शामिल हैं। आवारा कुत्तों के नियंत्रण से जुड़े मामले पर बीते साल काफी हंगामा हुआ था। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने दिल्ली नगर निगम को निर्देश दिया था कि सभी आवारा कुत्तों को आश्रय स्थल में रखा जाए।

अदालत के इस आदेश के खिलाफ पशु अधिकारी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन भी किए। विरोध प्रदर्शन के बाद अदालत ने आदेश में बदलाव करते हुए आवारा कुत्तों के वैक्सीनेशन, स्टर्लाइजेशन और उन्हें एनिमल बर्थ कंट्रोल के नियमों के तहत छोड़ने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किए जाने के कारण समस्या और गंभीर होती जा रही है।

अदालत ने दिए अहम निर्देश...

- राज्य भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को लागू करने के लिए उपाय करें।
- हर जिले में कम से कम एक पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने के निर्देश।
- राज्यों में रेबीज रोधी टीकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश।
- कुत्तों से सुरक्षा करने के निर्देशों को लागू करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अपने कर्तव्य के निर्वहन के लिए कोई एफआईआर दर्ज नहीं होनी चाहिए।
- अधिकारी मानव जीवन के खतरे को कम करने के लिए कानूनी रूप से अनुमति प्राप्त उपाय कर सकते हैं, जिनमें रेबीज और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त कुत्तों को मारने का निर्देश भी शामिल है।
- निर्देशों की निगरानी के लिए उच्च न्यायालयों को स्वतः संज्ञान लेकर मामले दर्ज करने होंगे।
- राजमार्गों से आवारा पशुओं से सुरक्षित करने के निर्देश।

नॉर्वे में बोले पीएम मोदी

भारत और नॉर्डिक संबंधों में स्वर्णिम युग का आगाज

ओस्लो, 19 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे के ओस्लो में आयोजित तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस समिट में शामिल होकर उन्होंने टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, रक्षा, सतत विकास और व्यापार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत और नॉर्डिक देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया। सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग चार गुना बढ़ा है।

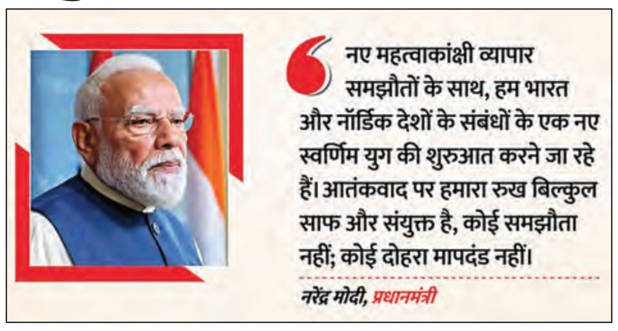

हमारा रुख साफ, कोई समझौता नहीं, कोई दोहरा मापदंड नहीं :

ओस्लो में तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मुद्दों पर भारत और नॉर्डिक देशों के साझा और स्पष्ट दृष्टिकोण को सामने रखा। उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक तनाव और संघर्ष के दौर में भारत और नॉर्डिक देश मिलकर एक 'नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था' पर जोर देते रहेंगे। यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, दोनों पक्ष जल्द से जल्द युद्धविराम और शांति प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारा रुख बिल्कुल साफ और संयुक्त है, 'नो कॉम्प्रोमाइज, नो डबल स्टैंडर्ड्स' यानी कोई समझौता नहीं, कोई दोहरा मापदंड नहीं। पीएम मोदी ने शोध, नवाचार और प्रतिभा को दोनों पक्षों के बीच साझेदारी का एक बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने घोषणा की कि इस रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए दोनों पक्ष मिलकर अपने विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं और स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के बीच संबंधों को नया विस्तार देंगे। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत और नॉर्डिक देश आर्कटिक और ध्रुवीय शोध के क्षेत्र में अपने सहयोग को और गहरा करेंगे, जिससे जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों को समझने में मदद मिलेगी।

बंगाल में जहां दोबारा चुनाव, वहां टीएमसी कैंडिडेट पीछे हटा

फालता में 24 को वोटिंग, भाजपा सिंबल पर टेप चिपका मिलने पर चुनाव रद्द हुआ था

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर दोबारा वोटिंग से दो दिन पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। जहांगीर ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की।

बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज यानी 29 अप्रैल को फालता में वोटिंग हुई थी। इस दौरान कुछ बूथ पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप चिपका मिला। कई अन्य बूथों पर भी ईवीएम में गड़बड़ी की खबरें आईं। इसके बाद चुनाव आयोग ने 21 मई को दोबारा वोटिंग के आदेश दिए। रिजल्ट 24 मई को आएगा। चुनाव से हटने का ऐलान करते हुए टीएमसी नेता जहांगीर ने कहा- मैं फालता का बेटा हूं और चाहता हूं कि यहां शांति बनी रहे और यह तरक्की करे। सीएम शुवेंदु यहां के लिए स्पेशल पैकेज दे रहे हैं, इसीलिए मैं चुनाव से खुद को अलग कर रहा हूं।

पश्चिम बंगाल के सीएम शुवेंदु अधिकारी ने जहांगीर के फैसले पर कहा- उनके पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं था, क्योंकि उन्हें कोई पोलिंग एजेंट तक नहीं मिलेगा। इसलिए उन्होंने चुनाव से भागने का फैसला किया।

तमिलनाडु में दो-भाषा नीति जारी रहेगी

टीवीके सरकार ने कहा-किसी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे

चेन्नई, 19 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की सरकार ने राज्य की लंबे समय से चली आ रही दो-भाषा नीति को जारी रखने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री राजमोहन ने साफ कहा कि मौजूदा सरकार के दौरान इस नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पहली समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में राजमोहन ने कहा कि राज्य के स्कूलों में तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा प्रणाली जारी रहेगी। उन्होंने इसे तमिलनाडु और टीवीके सरकार की मूल विचारधारा बताया। स्कूल शिक्षा मंत्री राजमोहन ने कहा, अंग्रेजी पर्याप्त है और टीवीके किसी भी तरह के अप्रत्यक्ष दबाव के आगे नहीं झुकेगी। पार्टी के सिद्धांतों और विचारधारा पर कोई समझौता नहीं होगा। राजमोहन ने कहा कि तमिल राज्य के भीतर संवाद की मुख्य भाषा बनी रहेगी, जबकि बाहरी दुनिया और वैश्विक अवसरों से जुड़ने का माध्यम अंग्रेजी भाषा होगी। उन्होंने कहा, दो-भाषा नीति टीवीके की घोषित विचारधारा है। मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब केंद्र सरकार पीएम एसएचआरआई योजना समेत विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए तीन-भाषा फॉर्मूला लागू करने पर जोर दे रही है।

प्रदर्शनकारी युवाओं को सीजेआई की नसीहत

'इससे उनका करियर बर्बाद हो सकता है'

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सीजेआई सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर देश के युवाओं को लेकर टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि किसी को भी धमकी नहीं देनी चाहिए और ना ही कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है लेकिन आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करना उचित नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की।

एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस दावे पर प्रतिक्रिया दी कि सड़कों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं और इससे उनका करियर बर्बाद हो सकता है। सीजेआई ने कहा, उन्हें धमकी नहीं देनी चाहिए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। कानून के तहत जो अनुमति है, वह किया जा सकता है। लेकिन सड़कों पर आकर आम लोगों के लिए परेशानी पैदा नहीं

करनी चाहिए। पिछले हफ्ते ही सीजेआई सूर्यकांत ने बेरोजगार युवाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में तल्ख टिप्पणी की थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा मीडिया, सोशल मीडिया यूजर्स, आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता कॉकरोच की तरह बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

सीजेआई ने आगे कहा कि कॉकरोच की तरह कुछ युवा ऐसे हैं जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं और वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। सीजेआई सूर्यकांत की इस टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया। जिसके बाद सीजेआई ने इस मुद्दे पर अपनी सफाई भी पेश की। मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं के बारे में अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि मीडिया के एक वर्ग ने इसे गलत तरीके से पेश किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि किसी हवाई अड्डे का नाम क्या होना चाहिए, यह तय करना न्यायालय का काम नहीं है और इस तरह के मामलों में दखल देना नीति निर्माण के क्षेत्र में हस्तक्षेप करने जैसा होगा।

मामले की सुनवाई भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने की। याचिका 'प्रकाशझोट सामाजिक संस्था' की ओर से दायर की गई थी जिसमें महाराष्ट्र सरकार के उस प्रस्ताव पर केंद्र को समयबद्ध फैसला लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इसके तहत नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'लोकनेता डी बी पाटिल नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा' रखने का प्रस्ताव है।

राष्ट्रपति पुतिन सितंबर में भारत आएंगे

ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे, 10 महीने में दूसरा दौरा; मोदी भी इस साल रूस जाएंगे

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे।

पीएम मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 2025 का दौरा इसलिए भी खास माना गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था। इससे पहले वह आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली आए थे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर 2025 को भारत पहुंचे थे। उसी दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पालम हवाई अड्डे से एक ही टोयोटा एसयूवी में पीएम आवास के लिए रवाना हुए थे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर 2025 को भारत पहुंचे थे। उसी दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पालम हवाई अड्डे से एक ही टोयोटा एसयूवी में पीएम आवास के लिए रवाना हुए थे। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हो चुके हैं।

आईएसआई की ड्रोन के जरिए भारत में नकली नोट भेजने की साजिश, भारतीय एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। एजेंसियों की जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की आईएसआई और उसके मददगार भारत में बड़े पैमाने पर नकली नोट फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे ज्यादा चिंता के इलाके त्रिपुरा-बांग्लादेश बॉर्डर और पंजाब हैं। बांग्लादेश बॉर्डर पर नकली नोट भारत में पहुंचाने के लिए कूरियर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि पंजाब में ड्रोन के जरिए यह खतरा तेजी से बढ़ रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि नकली भारतीय नोटों को लेकर आईएसआई ने दो तरफा रणनीति अपनाई है। एक तरफ उसका मकसद भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना है, और दूसरी तरफ वह पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों के लिए फंड जुटाना चाहती है।

इस समस्या से निपटने में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) सबसे आगे काम कर रही है। एनआईए बॉर्डर पर इस खतरे को रोकने के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के अंदर भी कई मामलों की जांच कर रही है। राज्य में उसका मुख्य फोकस मालदा पर है, जहां नकली नोट छापने वाली कई यूनिट्स सामने आई हैं।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि आगे चलकर आईएसआई नकली नोट भेजने के लिए ड्रोन का ज्यादा इस्तेमाल कर सकती है। अभी तक ड्रोन के जरिए नकली नोट गिराने की लगभग सभी कोशिश नाकाम की गई हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि अभी लापरवाही बरतने का समय नहीं है, क्योंकि ये कोशिश सिर्फ 'ड्राई रन' यानी ट्रायल हो सकती हैं। ये लोग सुरक्षा व्यवस्था को समझने और उसकी कमजोरियां जानने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक जो नकली नोट पकड़े गए हैं, उनकी मात्रा कम रही है। अधिकारी ने कहा कि जैसे ही ये लोग सुरक्षा तंत्र को चकमा देने में सफल हो जाएंगे, वे ड्रोन के जरिए बड़ी मात्रा में नकली नोट भेजने की कोशिश करेंगे।

स्पाइसजेट को सुप्रीम कोर्ट से झटका

144 करोड़ जमा करने के लिए समय बढ़ाने से इनकार

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्पाइसजेट एयरलाइन को निर्देश दिया कि वह 144 करोड़ जमा करने के लिए समय बढ़ाने की अपनी मांग लेकर दिल्ली हाई कोर्ट जाए। यह मामला मीडिया दिग्गज कलानिधि मारन और काल एयरवेज के साथ चल रहे कानूनी विवाद से जुड़ा है।

कोर्ट ने क्या कहा :

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने स्पाइसजेट की दलीलों पर सुनवाई की। एयरलाइन की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण एयरलाइन के कामकाज और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने सरकार के 5,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज (बेलआउट प्रोग्राम) का हवाला देते हुए पैसे जमा करने के लिए तीन महीने का समय मांगा। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि हजारों कर्मचारियों के भविष्य को देखते हुए सार्वजनिक हित को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट जाने की सलाह दी :

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने समय देने से इनकार कर दिया और एयरलाइन को हाई कोर्ट जाने की सलाह दी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि मई में घोषित सरकारी योजना या पश्चिम एशिया संकट को समय बढ़ाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि एयरलाइन की खराब वित्तीय स्थिति कोई नई बात नहीं है और इस पर पहले भी विचार किया जा चुका है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने 4 मई को स्पाइसजेट और इसके प्रमोटर अजय सिंह की समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था और तुरंत 144.51 करोड़ जमा करने का आदेश दिया था। जनवरी में कोर्ट ने एयरलाइन को 194 करोड़ की देनदारी के बदले 144 करोड़ जमा करने के लिए छह हफ्ते का समय दिया था।

जस्टिस यशवंत वर्मा केस

जांच कमेटी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी रिपोर्ट, संसद सत्र में होगी पेश

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रही कमेटी ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। यह रिपोर्ट सोमवार को पेश की गई। लोकसभा सचिवालय ने बताया कि इस रिपोर्ट को जल्द ही संसद के दोनों सदनों के सामने रखा जाएगा। उम्मीद है कि जुलाई के तीसरे हफ्ते में शुरू होने वाले मानसून सत्र में इसे पेश किया जा सकता है।

क्या है मामला :

यह पूरा मामला 14 मार्च 2025 की रात का है। उस समय जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर आग लगने की घटना के दौरान, आग बुझाने पहुंचे कर्मचारियों को वहां एक स्टोर रूम में भारी मात्रा में जली हुई नकदी मिली थी। उस समय वह दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे। बाद में उन्हें उनके मूल हाई कोर्ट, यानी इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया था। इस घटना के बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने एक आंतरिक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने अपनी जांच में पाया कि जिस स्टोर रूम में पैसा छिपाया गया था, उस पर जस्टिस वर्मा का मौन नियंत्रण था। इसके बाद जुलाई 2025 में 200 से ज्यादा सांसदों ने उन्हें पद से हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। नियमों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज को केवल संसद ही हटा सकती है। इसके लिए जज जांच अधिनियम, 1968 के तहत प्रक्रिया अपनानी पड़ती है। इसी आधार पर लोकसभा अध्यक्ष ने 12 अगस्त 2025 को तीन सदस्यों वाली एक जांच कमेटी बनाई थी। संसद से हटाए जाने की संभावना को देखते हुए जस्टिस वर्मा ने हाल ही में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज के पद से इस्तीफा दे दिया है। जानकारों का कहना है कि इस्तीफे के बाद उन्हें पद से हटाने की कार्यवाही का अब कोई खास मतलब नहीं रह गया है।

संतरे के बागों के लिए पानी की भारी किल्लत

अमरावती, 19 मई (एजेंसियां)। रायलसीमा क्षेत्र में फलों के बागों वाले किसानों को पानी के परिवहन का आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। पानी के परिवहन की इस लागत के मामले को हम मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि किसानों को न्याय मिले। कृषि मंत्री अच्चन नायडू ने यह आश्वासन दिया। अनंतपुर जिले में 37 हज़ार हेक्टेयर में मीठे संतरे के बाग हैं और 2,260 हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा है। इस समस्या को स्वीकार करते हुए, उन्होंने मीडिया से बात की।

विशेष रूप से तीन गांवों में 875 हेक्टेयर क्षेत्र में पानी की भारी कमी के कारण, किसानों को भारी खर्च का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान पानी लाने और अपने बागों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम उनकी मदद के लिए कदम उठा रहे हैं।

पवन कल्याण ने सड़क कार्यों पर

नज़र रखने के लिए पब्लिक डैशबोर्ड का आदेश दिया, 'ग्रीन शॉप' पहल के विस्तार पर ज़ोर दिया

अमरावती, 19 मई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पंचायत राज विभाग द्वारा किए जा रहे सड़क कार्यों और विकास गतिविधियों की निगरानी के लिए एक पब्लिक डैशबोर्ड शुरू करें, ताकि ज़्यादा पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। अपने कैंप ऑफिस में पंचायत राज और पंचायत राज इंजीनियरिंग विभागों के कामकाज की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को पूरे राज्य में सड़क निर्माण की प्रगति, विकास कार्यों और सड़कों की स्थिति के बारे में रियल-टाइम जानकारी मिलनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत राज विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 'स्वर्ण पंचायत' पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी ऑनलाइन कर संग्रह लागू किया था और ग्राम पंचायतों में राजस्व सृजन को और मज़बूत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। पवन कल्याण ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पहलों की

भी समीक्षा की और कहा कि स्वच्छ रथ कार्यक्रम को जनता से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस पहल के तहत, लोग स्वेच्छा से सूखा कचरा सौंपते हैं और बदले में ज़रूरी चीज़ें लेते हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्रीन शॉप की अवधारणा का विस्तार करें, जिसे वर्तमान में तिरुपति ज़िले में प्रायोगिक आधार पर लागू किया जा रहा है,

और इसे पूरे आंध्र प्रदेश में फैलाएं, साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता के बारे में व्यापक जन जागरूकता पैदा करें। अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि अप्रैल में स्वच्छ रथ वाहनों के माध्यम से लगभग 18.86 लाख किलोग्राम कचरा एकत्र किया गया था और एकत्र किए गए कचरे का अनुमानित मूल्य लगभग 3 करोड़ रुपये था। बुनियादी ढांचा कार्यों में गुणवत्ता पर ज़ोर देते हुए, पवन कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी सड़क परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें और मानकों को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से ज़मीनी निरीक्षण करें।

विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों को देखकर

उनकी पार्टी के नेता ही हंस रहे हैं: सोमिर रेड्डी

अमरावती, 19 मई (एजेंसियां)। राज्य में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर वाईसीपी नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किए। टीडीपी के विधायक और पूर्व मंत्री सोमिर रेड्डी चंद्रमोहन रेड्डी ने इस पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह बात सभी को पता है कि उनकी पार्टी ने इन विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा नहीं लिया। सोमवार को आपने जो विरोध प्रदर्शन किए, उन्हें देखिए। आपकी पार्टी के नेता ही उन पर व्यंग्यात्मक ढंग से हंस रहे हैं।

यह बात मंगलवार को राजधानी अमरावती में बोलते हुए सोमिर रेड्डी चंद्रमोहन रेड्डी ने याद दिलाया कि पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें तो जगन सरकार के कार्यकाल के दौरान ही बढ़ी थीं।अब आप क्यों चिंतित हैं?

उन्होंने वाईसीपी नेताओं से सीधे-सीधे यह सवाल पूछा। क्या आपकी पार्टी के नेता वाईएस जगन रेड्डी बढ़ी हुई कीमतों को लेकर सचमुच चिंतित हैं? इस मौके पर वाईसीपी नेताओं के रवैये पर सोमिर रेड्डी ने तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि टीडीपी सरकार का कार्यकाल दो साल का था। उस समय, क्या हमने पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में कोई नई बढ़ोतरी की थी? उन्होंने वाईसीपी नेताओं से यह सवाल पूछा।

उन्होंने कहा कि वाईसीपी नेताओं को असली तथ्यों की जानकारी न होते हुए भी सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने में शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा, क्या आप जानना चाहते हैं कि लोग बढ़ी हुई कीमतों को लेकर सचमुच चिंतित हैं या नहीं? इस मौके पर टीडीपी के पॉलिटिकल ब्यूरो सदस्य सोमिर रेड्डी चंद्रमोहन रेड्डी ने वाईसीपी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि असल में वाईसीपी में एक राजनीतिक दल होने की योग्यता ही नहीं है, इसलिए वे इस तरह की बेतुकी हरकतें कर रहे हैं।

अधिकारियों ने नकली शराब मामले में अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया

विजयवाड़ा, 19 मई (एजेंसियां)। नकली शराब मामले से जुड़ी अंतिम चार्जशीट मंगलवार को अदालत में पेश की गई। कुल 1,300 पन्नों वाली इस चार्जशीट में 25 लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा, आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में 89 लोगों को गवाह के तौर पर शामिल किया गया है।

इस मामले में मुख्य आरोपी के तौर पर एआई 1 जनार्दन राव का नाम सामने आया है, जो नकली शराब बनाने और उसकी सप्लाई करने में शामिल था। इस जगह को एक संगठित गिरोह के अड्डे के तौर पर पहचाना गया है। वाईसीपी नेता और पूर्व मंत्री जोगी रमेश के सहयोग से, उसने यह मिलावटी शराब तैयार की थी। चार्जशीट में इस पूरी स्थिति को स्पष्ट किया गया है।

साथ ही, इसमें यह भी बताया गया है कि जोगी रमेश ने जनार्दन राव के साथ मिलकर नकली शराब बनाकर मुनाफा कमाया। इस मामले की जांच के तहत, विभिन्न स्रोतों से वित्तीय लेन-देन से जुड़े सबूत और जानकारी इकट्ठा की गई है। ये सभी दस्तावेज़ अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं।

ग्रीनफ़ील्ड बंदरगाहों पर काम में तेज़ी लाएं

अमरावती, 19 मई (एजेंसियां)। तीन ग्रीनफ़ील्ड बंदरगाहों का निर्माण इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा और वहाँ ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करा दिया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग के मंत्री बीसी। जनार्दन रेड्डी ने यह निर्देश दिया। सचिवालय में, मंत्री ने ग्रीनफ़ील्ड बंदरगाहों के संबंध में सरकार के विशेष मुख्य सचिव कृष्णबाबू और अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने ग्रीनफ़ील्ड बंदरगाहों का निर्माण तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के मामले पर संज्ञान लिया है।

अधिकारियों को बंदरगाहों और मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों (फिशिंग हार्बर) के निर्माण कार्यों में तेज़ी लानी चाहिए और उन्हें समय पर पूरा करना चाहिए। मूलपेट बंदरगाह से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को सुलझाया जाए और इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना से जुड़े कार्यों को पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मूलपेट गाँव के पुनर्वास कार्य पूरे हो चुके हैं और ड्रेजिंग का काम भी पूरा कर लिया गया है; ऐसे में इस बंदरगाह का निर्माण एक साल के भीतर पूरा किया जा सकता है। मछलीपट्टनम ग्रीनफ़ील्ड बंदरगाह से जुड़े ब्रेकवाटर और ड्रेजिंग के कार्यों में और अधिक तेज़ी लाई जानी चाहिए। रामायण ग्रीनफ़ील्ड बंदरगाह में ड्रेजिंग और पुनर्वास से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।

तंबाकू किसानों के लिए कम कीमतें और ज़्यादा रिजेक्शन बड़ी चिंता

ओंगोल, 19 मई (एजेंसियां)। दक्षिणी क्षेत्रों एसबीएस और एसएलएस, दोनों के तंबाकू किसान, सभी 11 ऑक्शन प्लेटफॉर्म पर चल रही तंबाकू की नीलामी में तंबाकू एक्सपोर्टर्स और खरीदारों द्वारा पेश किए गए ऑक्शन प्लेटफॉर्म पर लाए गए तंबाकू के गट्ठरों की कम कीमतों और ज़्यादा रिजेक्शन को लेकर चिंतित हैं। इस संबंध में, जॉइंट टोबैको फार्मर्स एसोसिएशन ने ओंगोल के एनजी रंगा भवन में एक बैठक की। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए गए कि तंबाकू बोर्ड के साथ-साथ राज्य के जन नेताओं पर भी दबाव बनाया जाए। तंबाकू किसान 1 जून को तंबाकू बोर्ड के कॉर्पोरेट ऑफिस पर एक बड़ा धरना देने जा रहे हैं, और किसानों के प्रतिनिधि कम कीमतों के संकट का सौहार्दपूर्ण समाधान पाने के लिए रायबारम के नाम से तंबाकू बोर्ड के अधिकारियों से मिलेंगे। 1 जून के रायबारम कार्यक्रम की तैयारी के तौर पर, तंबाकू किसान 25 मई को सभी तंबाकू ऑक्शन प्लेटफॉर्म पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, तंबाकू बोर्ड ने 2025-2026 फसल सीज़न के लिए लगभग 88.88 मिलियन किलोग्राम तंबाकू की पैदावार की अनुमति दी है। अब, बोर्ड के अधिकारियों को लगभग 147 मिलियन किलोग्राम उत्पादन की उम्मीद है।

गुल रोड पर बस पलटने से मचा कोहराम, कंडक्टर की मौत

25 यात्री घायल; राहत-बचाव कार्य जारी

जम्मू, 19 मई (एजेंसियां)। रामबन जिले के गुल रोड पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ जिसमें एक बस पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 25 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे उसमें सवार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उधमपुर के पनारा निवासी कुलदीप सिंह के पुत्र आशु सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। आशु सिंह बस में कंडक्टर के रूप में कार्यरत थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, यातायात पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में हादसे का कारण वाहन का नियंत्रण खोना बताया जा रहा है, हालांकि विस्तृत जांच जारी है।

सीएम नायडू 'मत्स्यकारुला सेवालो

योजना के तहत मछुआरों को 262 करोड़ बांटेंगे

नेल्लोर, 19 मई (एजेंसियां)। लगातार दूसरे साल 'मत्स्यकारुला सेवालो' योजना के तहत मछुआरों को आर्थिक मदद बांटने की तैयारी पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू नेल्लोर ज़िले के कावली मंडल के तुम्मलपेंटा गांव में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में 1,30,796 परिवारों को 262 करोड़ जारी करेंगे। हर परिवार को 20,000 सीधे उनके बैंक खाते में जमा किए जाएंगे। इससे उन्हें 15 अप्रैल से 14 जून तक 61 दिनों के मछली पकड़ने पर लगे बैन के दौरान गुज़ारा करने में मदद मिलेगी।

इस दौरान समुद्र में मछलियों के प्रजनन का समय होता है। एनडीए गठबंधन सरकार ने यह योजना हर साल लगने वाले बैन के दौरान राहत देने के लिए शुरू की थी। यह योजना तटीय आंध्र प्रदेश के मछुआरा समुदायों के लिए जल्द ही जीवनरेखा बन गई है। पिछले साल 1,21,433 परिवारों को 243 करोड़ का फ़ायदा मिला था, जबकि इस साल इसका दायरा बढ़कर लगभग 1ए31 लाख परिवारों तक पहुंच गया है। सिर्फ़ दो सालों में, सरकार ने बैन के मौसम के दौरान मछुआरों को 505 करोड़ बांटे हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछली सरकार ने हर परिवार को सिर्फ़ 10,000 दिए थे, जिससे कई परिवार मुश्किल में पड़ गए थे। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, मौजूदा सरकार ने इस मदद को दोगुना करके 20,000 कर दिया है।

इससे कमज़ोर वर्गों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और मज़बूत हुई है। लाभार्थियों की संख्या और मदद की राशि, दोनों में हुई बढ़ोतरी से यह साफ़ ज़ाहिर होता है कि सरकार मछुआरा समुदाय के साथ मज़बूती से खड़ी है। सरकार ने समुद्र में जान गंवाने वाले मछुआरों के परिवारों को समय पर मुआवज़ा मिलना भी सुनिश्चित किया है। साल 2024-25 में, 3.15 करोड़ के 63 दावों का निपटारा किया गया, जिसके बाद 2025-26 में 5.65 करोड़ के 113 लंबित दावों का निपटारा किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी का निधन, प्रदेश में शोक की लहर

देहरादून, 19 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी का आज निधन हो गया है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। उनके आवास पर लगातार पिछले कई दिनों राजनेताओं और परिजनों के आने का सिलसिला जारी था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ राजनेता मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनरल खंडूड़ी ने भारतीय सेना में रहते हुए राष्ट्र सेवा, अनुशासन एवं समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। सार्वजनिक जीवन में भी उन्होंने उत्तराखंड के विकास, सुशासन, पारदर्शिता और ईमानदार कार्यशैली की मजबूत पहचान बनाई।

तिरुपति में हाथियों के झुंड से दहशत

तिरुपति, 19 मई (एजेंसियां)। तिरुपति और चित्तूर ज़िलों के कुछ हिस्सों में जंगली हाथियों की आवाजाही से दहशत फैल गई। जंगल वाले इलाकों में भीषण गर्मी के चलते भोजन और पानी की तलाश में हाथियों के झुंड सड़कों और खेतों में भटकते हुए आ गए थे। तिरुपति ज़िले के चंद्रगिरी मंडल में भाकरापेटा घाट रोड पर करीब एक घंटे तक ट्रैफिक पूरी तरह से रुक गया, क्योंकि हाथियों के एक झुंड ने सड़क को घेर लिया था। जब तक जानवर सड़क पर रहे, वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियाँ रोक दीं, जिससे घाट सेक्शन के दोनों ओर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। स्थानीय नेताओं से सूचना मिलने के बाद, चंद्रगिरी के विधायक पुलिवर्थी नानी ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया और उनसे अगले कुछ दिनों तक यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घाट रोड पर रात की गश्त बढ़ाने को कहा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि मरीज़ों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए एम्बुलेंस को वैकल्पिक रास्तों से भेजा जाए।

बाद में वन और पुलिस कर्मियों ने मिलकर हाथियों के झुंड को जंगल के इलाके में खदेड़ दिया और आवाजाही बहाल कर दी। इस बीच,

उसी रात चित्तूर ज़िले के पुलिचेरला मंडल के कल्लरू और रामकुप्पम मंडल के नानीन्याला गाँव से खेतों में हाथियों के घुसने की अलग-अलग घटनाएँ सामने आईं। कल्लरू में, कथित तौर पर एक अकेले हाथी ने 10 एकड़ से ज़्यादा फ़सलों को नुकसान पहुँचाया, जिसमें धान और आम के बागान शामिल थे। वन अधिकारियों ने बताया कि एपी-तमिलनाडु सीमा के पास नारायणपुरम तांडा के नज़दीकी गाँवों में भी हाथियों के झुंड भोजन और पानी की तलाश में घूम रहे थे।

कथित तौर पर, दो नर हाथियों ने दोनों राज्यों के जंगलों के बीच से गुज़रते हुए फ़सलों को नुकसान पहुँचाया। तिरुपति और चित्तूर वन डिवीजनों के ज़िला वन अधिकारियों (डीएफओ) ने हाथियों की आवाजाही पर नज़र रखने और जानवरों को वापस जंगल के इलाकों में खदेड़ने के लिए अतिरिक्त वन कर्मचारियों और ट्रैकर्स को तैनात किया।

आंध्र प्रदेश क्लीन एनर्जी में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश पर नज़र रखे हुए हैं: नारा लोकेश

अमरावती, 19 मई (एजेंसियां)। एचआरकडी और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने कहा है कि आंध्र प्रदेश खुद को उभरती हुई वैश्विक परमाणु अर्थव्यवस्था में एक भरोसेमंद, लंबे समय के पार्टनर के तौर पर स्थापित कर रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि एआई से चलने वाली बिजली की बढ़ती मांग और औद्योगिक डीकार्बोनाइज़ेशन वैश्विक ऊर्जा रणनीतियों को नया रूप दे रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित 'भारत में अमेरिकी कार्यकारी परमाणु मिशन' शिखर सम्मेलन में बोलते हुए जिसे परमाणु ऊर्जा संस्थान (एनईआई) और यूएस-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) ने मिलकर आयोजित किया था लोकेश ने कहा कि आंध्र प्रदेश को परमाणु निर्माण, इंजीनियरिंग इकोसिस्टम, औद्योगिक सप्लाई चेन, उन्नत ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर और अगली पीढ़ी की क्लीन टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप में बड़े अवसर दिख रहे हैं। इस कार्यक्रम में अमेरिका के परमाणु उद्योग के वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता और रणनीतिक हितधारक एक साथ आए। यूएसआईएसपीएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर निवेदिता मेहरा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया, जबकि नीट की प्रेसिडेंट और सीईओ मारिया कोर्स्निक ने शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

"वैश्विक ऊर्जा प्रणालियाँ एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुज़र रही हैं, जिसे एआई कंप्यूटिंग में बढ़ोतरी, औद्योगिक विद्युतीकरण, ऊर्जा सुरक्षा की चिंताओं और डीकार्बोनाइज़ेशन की प्रतिबद्धताओं से बढ़ावा मिल रहा है। लोकेश ने दोहराया कि एक एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति का लक्ष्य रिन्यूएबल एनर्जी, स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर, निर्माण इकोसिस्टम और ग्रिड के आधुनिकीकरण में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल करना है।

लोकेश ने कहा कि छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआरएस और अगली पीढ़ी के रिएक्टर सिस्टम जैसी उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियाँ बिजली उत्पादन से कहीं आगे के अवसर पैदा कर रही हैं—खासकर मॉड्यूलर निर्माण, सटीक इंजीनियरिंग, वितरित सप्लाई चेन और औद्योगिक स्तर पर तैनाती के इकोसिस्टम में। लोकेश ने कहा कि एक ही समय में औद्योगिक गलियारे, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्लस्टर, रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर और बड़े पैमाने पर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है।

ऋषिकेश में हादसा, उज्जैन एक्सप्रेस के 3 डिब्बे पटरी से उतरे, मचा हड़कंप

ऋषिकेश, 19 मई (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर ऋषिकेश से सामने आ रही है। यहां योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन के पास खंड गांव इलाके में एक हादसा हो गया। दरअसल, यहां उज्जैन एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना करीब 9:30 बजे की बताई जा रही है। गनीमत रही कि दुर्घटना के समय ट्रेन में कोई भी यात्री सवार नहीं था। बता दें कि बीते दिनों लगातार ट्रेन हादसों के मामले सामने आ रहे हैं। सोमवार को सासाराम में एक ट्रेन में आग लग गई।

इससे पहले रविवार को भी एमपी में राजधानी एक्सप्रेस में आग लग गई थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि नियमित रखरखाव के दौरान ट्रेन के ब्रेक फेल हो गए थे, जिससे यह हादसा हुआ। वहीं पूरी ट्रेन की आवाजाही को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी ढाई घंटे तक घटनास्थल पर नहीं पहुंचे।

5.28 करोड़ रुपये के बैंक लोन धोखाधड़ी के आरोप में एक गिरफ़्तार

विजयवाड़ा, 19 मई (एजेंसियां)। विजयवाड़ा साइबर क्राइम पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया। उस पर आरोप है कि उसने फ़र्ज़ी और 'म्यूल अकाउंट' (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले खाते) के ज़रिए बैंकों से 5.28 करोड़ रुपये के लोन लिए और बाद में लोन चुकाने में डिफ़ॉल्ट कर दिया। आरोपी के पास से पुलिस ने लगभग 7 करोड़ रुपये के 34 प्रॉपर्टी के दस्तावेज़, एक कार, एक मोटरसाइकिल, 122 ग्राम सोना, 927 ग्राम चाँदी, नौ एटीएम कार्ड और 11,500 रुपये नकद ज़ब्त किए।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, साइबर क्राइम डीसीपी कृष्णा प्रसन्ना ने बताया कि आरोपी नीलम पवन कुमार, जो कृष्णा ज़िले के गुडुरु गाँव का रहने वाला है और विजयवाड़ा में रहता है, ने 2019 से विजयवाड़ा में एक्सिस बैंक की अलग-अलग शाखाओं में 26 बचत बैंक खाते खोले थे।इन खातों का इस्तेमाल करके, आरोपी ने कथित तौर पर बैंक से लोन और क्रेडिट कार्ड की सुविधाएँ लीं और बाद में पैसे चुकाने में डिफ़ॉल्ट कर दिया और फ़रार हो गया। एक शिकायत के बाद, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 340(2) और 318(2) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000-2008 की धारा 66-डी के तहत एक मामला दर्ज किया गया। विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया और ज़ब्त की गई कीमती चीज़ें और दस्तावेज़ बरामद किए।

जाँच के दौरान, पुलिस ने पाया कि आरोपी पहले 'ई-सेवा' क्षेत्र में काम करता था, और कथित तौर पर अपने कंप्यूटर ज्ञान का इस्तेमाल करके लोन लेने के लिए फ़र्ज़ी सैलरी स्लिप, आईडी कार्ड और अन्य जाली दस्तावेज़ बनाए थे। डीसीपी ने कहा, आरोपी ने एक्सिस बैंक की गुनाडाला शाखा में नौ फ़र्ज़ी खातों के ज़रिए 1.76 करोड़ रुपये, एलुरु रोड शाखा में 10 खातों के ज़रिए 1.32 करोड़ रुपये और मुख्य शाखा में सात खातों के ज़रिए 2.20 करोड़ रुपये हासिल किए हैं।

एंबुलेंस पेड़ से टकराई, धू-धू कर जली और जिंदा जला चालक

बालाघाट, 19 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के परसवाड़ा थाना अंतर्गत आज 19 मई की सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। यहां एक अनियंत्रित प्राइवेट एंबुलेंस सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गई और उसमें भीषण आग लग गई। इस भीषण हादसे में एंबुलेंस के चालक की मौके पर ही जिंदा जलने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह लगभग 4 बजे ग्राम कनई के पास कनई-खर्रा रोड पर हुआ। नागपुर की एक प्राइवेट एंबुलेंस मरीज को छोड़कर वापस लौट रही थी, तभी अचानक गाड़ी बेकाबू होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस पलट गई और उसमें देखते ही देखते भीषण आग लग गई।

महिलाएं मुफ़्त बस किराए की ज़ोरदार वकालत करती हैं

आप महीने में कितने पैसे बचा रहे हैं? क्या आपको पता है?

अमरावती, 19 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार ने 'सुपर सिक्स' योजनाओं के तहत किए गए वादों को पूरा कर दिया है। 15 अगस्त से आरटीसी बसों में महिलाओं को मुफ़्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है। हम जानते हैं कि 'महिला शक्ति' योजना शुरू की गई है। पिछले नौ महीनों में महिलाओं ने मुफ़्त बस किराए के लिए ज़ोरदार माँग की थी। यह पाया गया कि 'स्त्री शक्ति' योजना के तहत 67 करोड़ यात्राएँ की गईं। उन्होंने 'ज़ीरो फ़ेयर' (मुफ़्त) टिकट जारी करना शुरू कर दिया।

सरकार ने इसके लिए 2,350 करोड़ रुपये का ख़र्च उठाया है। 'स्त्री शक्ति' योजना के ज़रिए, हर परिवार हर महीने 2,500 रुपये तक बचा सकता है। ऐसा कहा जा रहा है। अनुमान है कि इसी साल में 25 हज़ार रुपये तक की बचत होगी। पहले आरटीसी बसों में यात्रियों की संख्या (ऑक्यूपेंसी) 68 से 69 प्रतिशत थी।। अभी यह बढ़कर 92 प्रतिशत तक पहुँच गई है। 'स्त्री शक्ति' योजना के ज़रिए, महिलाओं को आरटीसी बसों में मुफ़्त यात्रा करने का अवसर मिला। पहले, निजी वाहनों में यात्रा करने वाले लोगों के लिए आरटीसी के समानांतर मुफ़्त बस सेवा शुरू की गई थी। अब ये बसें चल रही हैं।

इसके कारण, सड़क दुर्घटनाओं में महिलाओं की मौत की संख्या में भी 39 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार दिव्यांग लोगों को भी आरटीसी बसों में मुफ़्त यात्रा करने का अवसर दे रही है। इस साल मार्च महीने में 'दिव्यांग शक्ति' योजना शुरू की गई थी। अब तक 25 लाख लाभार्थियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। सरकार आरटीसी में पुरानी बसों की जगह नई बसें भी ला रही है। केंद्र सरकार के सहयोग से 1,450 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। नई बसों के आने से आरटीसी में एक नई जान आ गई है। इन नई इलेक्ट्रिक बसों के लिए कुल 338 बस स्टेशनों पर बुनियादी ढाँचा तैयार किया जाएगा।

इस उद्देश्य के लिए 38 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू भी अक्सर आरटीसी सेवाओं की निगरानी और समीक्षा करते रहते हैं। राज्य सरकार यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर आरटीसी के संबंध में उचित कार्रवाई कर रही है।

स्वाति मालीवाल मानहानि केस में सुनवाई आप विधायक डॉ अमनदीप अरोडा हुई पेश

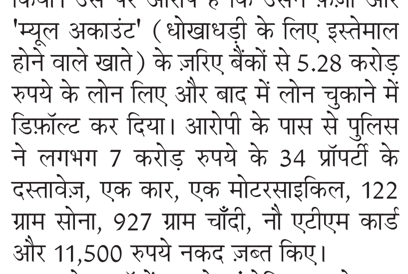

मोगा, 19 मई (एजेंसियां)। मोगा में आप विधायक डॉ। अमनदीप कौर अरोड़ा द्वारा राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के खिलाफ दायर मानहानि मामले में आज अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान विधायक डॉ अमनदीप कौर अरोड़ा जेएमआईसी आशिमा शर्मा की अदालत में पेश हुईं और अपने पक्ष से जुड़े तथ्य अदालत के सामने रखे। हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने पंजाब के आप विधायकों को लेकर कथित तौर पर "भेड़-बकरी" जैसी टिप्पणी की थी। इसी बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद मोगा से विधायक डॉ। अमनदीप कौर अरोड़ा ने उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया।

अदालत में पेशी के बाद मीडिया से बातचीत में विधायक डॉ। अमनदीप कौर अरोड़ा ने कहा कि जनता द्वारा चुने गए विधायकों के खिलाफ इस तरह की अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी किसी भी हालत में स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि यह केवल विधायकों का ही नहीं, बल्कि उन लोगों का भी अपमान है जिन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से अपने प्रतिनिधियों को चुना है।

इंदिराम्मा हाउसिंग का दूसरा चरण नई पेंशन 2 जून से : विवेक

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम और खान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि तेलंगाना सरकार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की परिकल्पना से प्रेरित होकर गरीबों को "इंदिराम्मा हाउस" उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार इंदिरा गांधी के "गरीबी हटाओ" नारे को सही मायने में साकार कर रही है। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 3,500 इंदिराम्मा आवास स्वीकृत किए गए हैं और स्पष्ट किया कि ये आवास केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही आवंटित किए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि इंदिराम्मा घरों के दूसरे चरण का वितरण 2 जून से शुरू होगा। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि कांग्रेस सरकार गरीब परिवारों के घर के सपने को साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने दो बेडरूम वाले घरों के नाम पर लोगों को गुमराह किया था, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार के तहत पात्र लाभार्थियों को घर मिल रहे हैं। संगारेड्डी जिले के पटानचेरू मंडल के भानूर गांव में लगभग 8 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण और कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद वे बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी ने कहा कि सभी पात्र परिवारों को राशन कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जिससे वे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कई जरूरतमंद लोग सरकारी पेंशन का इंतजार कर रहे हैं और घोषणा की कि 2 जून से नई पेंशन स्वीकृत की जाएंगी। मंत्री जी ने यह भी आश्वासन दिया कि पटानचेरू क्षेत्र की कुछ संकरी सड़कों को चौड़ा करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सड़क एवं भवन विभाग के सचिव से इस संबंध में चर्चा की जाएगी और सड़क विस्तार कार्य शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। इंदिरा गांधी के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मेदक लोकसभा सांसद के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान मेदक जिले में विशाखा फैक्ट्री की स्थापना हुई थी। उन्होंने आगे कहा कि उनकी पहल के कारण इस क्षेत्र में कई केंद्रीय सरकारी संस्थानों की स्थापना हुई। मंत्री ने काका वेंकटस्वामी और टी. अंजैया जैसे दिग्गज नेताओं की सेवाओं को भी याद किया, जिन्होंने उस दौरान आईएनटीयूसी में सक्रिय रूप से काम किया था। इस अवसर पर डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने पूर्व मुख्यमंत्री टी. अंजैया के चित्र का अनावरण किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। मंत्री ने 8.30 करोड़ रुपये के आवंटन से शुरू की जा रही पटानचेरू से भानूर गांव तक की बीटी सड़क निर्माण परियोजना की आधारशिला भी रखी।

तेलंगाना में 5 दिन का रेड अलर्ट, तापमान 44 डिग्री के पार जाने की आशंका

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने मंगलवार को तेलंगाना के लिए पांच दिनों का गंभीर रेड अलर्ट जारी किया है।

विभाग ने चेतावनी दी है कि कई जिलों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच सकता है। आईएमडी के अनुसार, आदिलाबाद, जगितियाल, कामारेड्डी, करीमनगर, कोमाराम भीम, मंचेरियल, नलगोंडा, निर्मल, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, राजन्ना सिरसिला और सूर्यापेट जैसे जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जिसके चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी, खम्मम और वारंगल सहित अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने कहा है कि अगले तीन दिनों में तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी का असर और बढ़ेगा।

जीएचएमसी चुनावों को लेकर बीजेपी की अहम बैठक

> रामचंदर राव ने कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) क्षेत्र के मंडल अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक बरकतपुरा स्थित पार्टी शहर कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा भी उपस्थित रहीं।

बैठक में आगामी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, एकजुटता और बूथ स्तर पर मजबूत संगठनात्मक तैयारी के साथ काम करने का आह्वान किया। एन. रामचंदर राव ने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के बाद वार्डों की संख्या 300 तक बढ़ चुकी है और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह संख्या 350 तक भी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा को संभावित रूप से सितंबर-अक्टूबर में होने वाले चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। उन्होंने 2020 के जीएचएमसी चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने उस समय भारत राष्ट्र समिति और अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन जैसे मजबूत दलों के मुकाबले 48 सीटें जीतकर दमदार उपस्थिति दर्ज कराई थी। बैठक में उन्होंने कहा कि जीएचएमसी क्षेत्र में भाजपा की मौजूदा संसदीय स्थिति मजबूत है और आने वाले चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन और बेहतर होगा।

उन्होंने दावा किया कि जीएचएमसी चुनावों में भाजपा की जीत तेलंगाना में पार्टी सरकार बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। रामचंदर राव ने स्पष्ट किया कि टिकट केवल उन्हीं कार्यकर्ताओं को दिए जाएंगे जो जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं और जनता से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि गुटबाजी और आंतरिक मतभेद बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे तथा उम्मीदवार चयन में सर्वे, जनता की स्वीकार्यता और जीतने की क्षमता प्रमुख आधार होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व लगातार चुनावों की निगरानी कर रहा है और हर वार्ड में बूथ समितियों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल में संगठनात्मक मजबूती के आधार पर भाजपा की सफलता का उदाहरण देते हुए तेलंगाना में भी उसी तरह के अनुशासन की आवश्यकता बताई। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तेलंगाना में हुई जनसभा को जनता का व्यापक समर्थन मिला है, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है। बैठक के दौरान उन्होंने राजनीतिक रूप से यह भी दावा किया कि भारत राष्ट्र समिति का प्रभाव अब जनता के बीच घट रहा है और कई नेता भाजपा के संपर्क में हैं।

'प्रतिभा पुरस्कारालु-2026' में सरकारी स्कूलों के मेधावी छात्रों का सम्मान

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 500 छात्रों और 500 प्रधानाध्यापकों को किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्कूलों के छात्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'प्रतिभा पुरस्कारालु-2026' समारोह का भव्य आयोजन मंगलवार को रवींद्र भारती में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आई फाउंडेशन के अध्यक्ष सुथारापु रविंदर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। समारोह में तेलंगाना के विभिन्न सरकारी स्कूलों के उन 500 छात्रों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं में 600 में से 560 से अधिक अंक प्राप्त किए। इसके साथ ही छात्रों को सफलता की राह दिखाने वाले 500 प्रधानाध्यापकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एम. कोदंडराम, सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी, तेलंगाना विठल तथा तेलंगाना राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण के सदस्य वर्रे वेंकटेश्वरलु उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की प्रतिभा और मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

दो जून को भव्य रूप से मनाया जाएगा तेलंगाना स्थापना दिवस

परेड ग्राउंड और गन पार्क में तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर 2 जून को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह को भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में राज्य सरकार के विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने मंगलवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बताया गया कि राज्य स्थापना दिवस समारोह का मुख्य आयोजन परेड ग्राउंड में किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गन पार्क जाकर तेलंगाना अमरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जिसके बाद वे परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में भाग लेंगे। विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग से एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर आपसी समन्वय के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने पुलिस विभाग को वीआईपी मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने तथा ट्रैफिक रूट मैप तैयार कर यातायात बाधित न होने देने के निर्देश दिए। आर एंड बी विभाग को वाटरप्रूफ शामियाने और बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

वहीं संबंधित अधिकारियों को समारोह स्थल और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने तथा पेयजल सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सांस्कृतिक विभाग को उत्सव का माहौल बनाने के लिए कलाकारों की प्रस्तुतियां आयोजित करने को कहा गया।

विद्युत विभाग को निरंतर बिजली आपूर्ति, जनरेटर व्यवस्था तथा चारमीनार, विधानसभा, सचिवालय, प्रजाभवन और अन्य सरकारी भवनों को रोशनी से सजाने के निर्देश दिए गए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को समारोह का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों को 25 मई से परेड ग्राउंड में संयुक्त रिहर्सल शुरू करने के आदेश दिए गए। बैठक में विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल, गृह विभाग की प्रमुख सचिव शिखा गोयल, सचिव रघुनंदन राव, डीजीपी (लॉ एंड ऑर्डर) महेश भगवत, एडीजी इंटेलिजेंस विजय कुमार, टीजी जेनको सीएमडी हरीश, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी, जलमंडली एमडी अशोक रेड्डी समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला की चाकू मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के गांधीनगर थाना क्षेत्र के कवाडिगुडा इलाके में एक आवासीय भवन में महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना मंगलवार को सामने आई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान श्वेता के रूप में हुई है। बताया गया कि रत्नादीप बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर किसी अज्ञात हमलावर ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और सुराग टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से सबूत जुटाए। जांच अधिकारी इमारत और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रहे हैं, ताकि आरोपी का पता लगाया जा सके और हत्या के कारणों का पता चल सके।

शादी के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फर्जी मैट्रिमोनियल प्रोफाइल बनाकर महिलाओं से लाखों की धोखाधड़ी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे आदतन साइबर ठग को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी मैट्रिमोनियल प्रोफाइल बनाकर महिलाओं से ठगी करता था। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान मंडा वेंकट निवासी (उंड्राजावरम, पश्चिम गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश) के रूप में हुई है।

आरोपी विभिन्न मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म जैसे पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर खुद को अमीर और स्थापित व्यक्ति के रूप में पेश करता था। वह महिलाओं को व्हाट्सएप कॉल, इंस्टाग्राम चैट और भावनात्मक बातचीत के जरिए विश्वास में लेता था और फिर बैंक डिटेल, ओटीपी और क्रेडिट कार्ड जानकारी लेकर पैसे ट्रांसफर करवा लेता था। ठगी की गई राशि का उपयोग ऑनलाइन बेटिंग और गोवा के कैसिनो में किया जाता था। जांच में सामने आया कि आरोपी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में लगभग 20 आपराधिक मामलों में शामिल है। साइबर क्राइम पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। टी. साई मनोहर ने कहा कि नागरिकों को ऑनलाइन मैट्रिमोनियल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनजान व्यक्तियों से सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी प्रकार की बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

गृह मंत्रालय भारत सरकार
सत्यमेव जयते
भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

हमारी जनगणना हमारा विकास

जनगणना 2027 का पहला चरण
मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना

जनगणना: गोपनीयता की गारंटी
आपकी जानकारी, पूरी तरह सुरक्षित
- जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत पूरी गोपनीयता
- सुरक्षित सर्वर पर एन्क्रिप्टेड डेटा
- रिपोर्ट में सिर्फ कुल आंकड़े प्रकाशित होते हैं
- नाम-पता किसी को नहीं दिया जाता
- टैक्स, पुलिस या जांच में उपयोग नहीं

जनगणना 2027
भरोसा भी, भागीदारी भी
- सही जानकारी दें
- निडर होकर दें
- देश के विकास में साथ दें

निश्चिंत रहें
आपकी जानकारी
- सुरक्षित रहेगी
- गोपनीय रहेगी
- सिर्फ राष्ट्र-निर्माण के काम आयेगी

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी
करें जनगणना में भागीदारी
टोल फ्री - 1855
CensusIndia2027
CBC 19108/13/0091/2627

* बैठक *

उम्र 90 वर्ष
स्वर्गवास 02.05.2026
स्व. श्रीमती नौजीबाई गेहलोत
धर्मपत्नी : स्व. श्री पेमारामजी गेहलोत (मरुधर में मुकनपुरा)
बैठक : बुधवार दि. 20-5-2026 प्रातः 10 बजे 3 बजे तक श्री भगवती पेन्ट्स नं. 109, प्लॉट नं.बी-30/ए, एच नं. 6-30ए, विहारीका कालोनी, मेडिपल्ली, घटकेसर मंडल, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी, तेलंगाना - 500098
* शोकाकुल *
पुत्र-पुत्रवधु : लखाराम-मुली बाई, तिलोकराम-भंवरी बाई, अचलाराम-अणसीबाई कनाराम-सुकिया बाई, मांगीलाल-गोदावरी बाई, खिमाराम-ककुबाई, वेनाराम विमला बाई,
पौत्र-पौत्र वधु : रमेशकुमार-रेखा, दिनेशकुमार-वंदना, प्रकाश-भाग्या,
पौत्र : भेराराम, प्रवीण, कमलेश, हरीश, मोहित, जयेश, डिलेश,
पड़पौत्र-पड़पौत्री: लोकेश, भावेश, अर्जुन, कुशाल, नितिका,
बेटी-जंवाई : ताराबाई-ढगलारामजी, गंवरी बाई मांगीलालजी, गेरी बाई-वोरारामजी, सुखिया बाई हकारामजी,
पौत्री-पौत्री जंवाई : मंजू देवी-सोहनलालजी देवली, रेखा देवी-गणेशजी जानुंदा, गीता देवी-राकेशजी गादाणा,सीता देवी-सोहनलालजी जोजावर, संतोष देवी-जगदीशजी जानुंदा एवं समस्त गेहलोत परिवार
:*: प्रतिष्ठान :*:
भगवती पेन्ट्स मेडपल्ली, हैदराबाद / मो. : 9676486057
लक्ष्मी इलेक्ट्रीकल, पेन्ट्स, सेनिटरी जोडिमेट्ला, हैदराबाद / मो. : 9989492668
AAIMAA ADS

राजा बहादुर वेंकटरामा रेड्डी तेलंगाना पुलिस अकादमी, हैदराबाद के संयुक्त निदेशक, डी. मुरलीधर ने आज लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की।

एमएमटीएस विस्तार और एयरपोर्ट रेल कनेक्टिविटी की मांग तेज

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निजी वाहनों का कम उपयोग करने की अपील के बाद हैदराबाद में उपनगरीय रेल नेटवर्क को मजबूत करने की मांग तेज हो गई है। यात्रियों ने शहर में एमएमटीएस सेवाओं के विस्तार और बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की जरूरत बताई है। उपनगरीय ट्रेन यात्री संघ के सदस्यों का कहना है कि हैदराबाद मेट्रो, टीएसआरटीसी बसों और एमएमटीएस नेटवर्क को बेहतर तरीके से जोड़ने से सड़क पर भीड़ और ईंधन की खपत कम की जा सकती है। यात्रियों ने खासतौर पर सुबह और शाम के व्यस्त समय में एमएमटीएस ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग की है।

लड़कियों को डार्लिंग कहने वाले गुरु जी के खुले राज पेपर लीक भी करा दिए

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की लखनऊ यूनवर्सिटी से गिरफ्तार असिस्टेंट प्रोफेसर को लेकर कई छात्राओं ने बड़े खुलासे किए हैं। यूनिवर्सिटी की इंटरनल कंप्लेन कमिटी ने एग्जक्यूटिव काउंसिल की बैठक में अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में जूलॉजी डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ पेपर लीक और बीएससी की छात्रा के साथ उत्पीड़न के आरोपों की पुष्टि की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक पूरे प्रकरण की जांच के दौरान डिपार्टमेंट की कई छात्राओं ने सामने आकर कैमरे पर अपने बयान दर्ज कराए और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए। रिपोर्ट के मुताबिक कमिटी की हिस्सा रहे लखनऊ यूनिवर्सिटी के एक सीनियर प्रोफेसर ने बताया कि जांच में यह सामने आया कि शिकायतकर्ता अकेली पीड़िता नहीं थी। छात्राओं के बयानों से यह साफ है कि आरोपी एकेडमिक बेनिफिट का लालच देकर छात्राओं का शोषण करता था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी सहायक प्रोफेसर उसे देर रात को फोन करता था।

नोएडा की तरह बिहार में खड़ी हो रही व्यवस्था

सहयोग शिविर में सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को चेताया

सोनपुर, 19 मई (एजेंसियां)। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की समस्या के समाधान के लिए आज (मंगलवार) से सहयोग शिविर की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सोनपुर प्रखंड के डुमरी बुजुर्ग पहुंचे जहां उन्होंने जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए सहयोग शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर सम्राट चौधरी ने कहा कि सहयोग शिविर का मकसद है कि लोगों को न्याय मिल सके, अपने घर में न्याय मिल सके, हर पंचायत में यह शिविर लगेगा। स्पष्ट किया कि सरकार 30 दिनों में जनता की समस्या का निष्पादन करेगी।

उन्होंने कहा, 11 तारीख को मैंने सहयोगी शिविर का पोर्टल लॉन्च किया था। एक नंबर-1100 भी जारी किया था। सहयोग शिविर को लेकर सीएम ने कहा कि हम लोगों ने तय कर दिया है कि आवेदन की मॉनिटरिंग हमारे कार्यालय से होगी। आवेदन के 10 दिन बाद हम पदाधिकारी को हम लोग पहला नोटिस

देंगे। 25 दिन बाद भी नोटिस भेजा जाएगा। 30 दिन में अगर आपकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो 31वें दिन वे (पदाधिकारी) स्वतः निलंबित हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भी चेताया। कहा, कुछ ऑफिसर भी हमारे चिंतित हैं, उनका मानना है कि कुछ न्यायालय का मामला होता है,

कुछ जमीन का मामला होता है, लेकिन आपको आदेश करना है, क्योंकि 30 दिन में आप ऑर्डर नहीं देंगे तो वैसे पदाधिकारी पर सरकार कार्रवाई करेगी। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। कोई आदेश नहीं कर रहा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई तो होगी। हमारा दायित्व है कि लोग जिस भी समस्या से ग्रसित हैं उसको समाप्त करना है।सभा को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा, सोनपुर में आपके यहां एयरपोर्ट बन रहा है, टाउनशिप बन रहा है, अब तो बाबा हरिहरनाथ के नाम पर एक नया टाउनशिप बनाने का काम बिहार की सरकार करने जा रही है। बाबा हरिहरनाथ का ही आशीर्वाद है कि इस इलाके को समृद्ध करना है। जिसकी भी जमीन टाउनशिप में जाएगी अगर उसके यहां बेटी की शादी है, घर में विपदा-आपदा आती है तो आप जिलाधिकारी को आवेदन देंगे चार गुना पैसा आपके खाते में पहुंचाया जाएगा।

सीएम ने आगे कहा, चाहे दिघवारा का पुल हो, सोनपुर का नया पुल हो, जेपी सेतु हो, महात्मा गांधी सेतु हो, उसके बगल में एक पुल बन रहा है, अगले माह हम लोग कच्ची दरगाह से राघोपुर के पुल को चालू करने जा रहे हैं। जिस तरह पटना में मरीन ड्राइव बना है सोनपुर में भी गंगा अंबिका पथ बनाने का काम हमारी सरकार करेगी। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह आप दिल्ली में नोएडा को देखते हैं वैसी ही व्यवस्था बिहार में खड़ी हो रही है। आपकी समृद्धि से ही बिहार आगे बढ़ेगा।

अब तो इंडस्ट्री लाना है। नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी ने गांव-गांव तक बिजली और सड़क पहुंचाई। अब आगे हम लोगों को दायित्व है कि जो लोग भी बिहार के बाहर नौकरी करने जाते हैं उनके लिए फैक्ट्री और रोजगार की व्यवस्था बिहार की धरती पर करें।

27 लाख की लूट का मास्टरमाइंड पुलिस एनकाउंटर में घायल

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के जोल बीघा में मोटरसाइकिल से आए पांच अपराधियों ने हथियार के बल पर सीएमएस सिक्योरिटी वैन को आगे से घेरकर 27 लाख रुपये लूट लिए थे। इस मामले में मंगलवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में एक अपराधी घायल हो गया, जबकि उसके अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामला गोपालपुर थाना क्षेत्र के उदयिनी गांव का बताया जा रहा है। घायल अपराधी को इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से अपराधियों की मोटरसाइकिल और गोली के कई खोखे बरामद किए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए। घटनास्थल पर वरीय आरक्षी अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी से नहीं वसूला जा सकता अधिक भुगतानः हाई कोर्ट

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक गलत इंक्रीमेंट के कारण सेवानिवृत्ति उपरांत 68,619 रुपये की कटौती आदेश को अवैध करार देते हुए रद कर दिया है और काटी गई राशि छह प्रतिशत ब्याज सहित आठ सप्ताह में याची को वापस करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा, यह कटौती सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह केस के फैसले का उल्लंघन है, जिसमें कहा गया है कि विभागीय गलती से अधिक भुगतान की वसूली रिटायर कर्मचारी से नहीं की जा सकती।

यह आदेश न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता ने देवरिया निवासी सेवानिवृत्त वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी प्रभाकर पंडित की याचिका पर उनके अधिवक्ता राधेकृष्ण पांडेय को सुन कर दिया है। सरकारी वकील का कहना था कि याची की सहमति से अधिक भुगतान की वसूली की गई है। अनुचित लाभ का उसे अधिकार नहीं है। याची के अधिवक्ता का तर्क था कि अधिक भुगतान में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। विभाग अपनी गलती के लिए उसे दंडित नहीं कर सकता।

अधिक भुगतान होने का निर्धारण उसके सेवानिवृत्त होने के बाद किया गया था। इसे चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने नियमानुसार याची के प्रत्यावेदन को तय करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद उसकी अर्जी निरस्त कर दी गई, जिसे फिर चुनौती दी गई। कोर्ट ने सेवानिवृत्त कर्मचारी से अधिक भुगतान की वसूली को गलत माना।

जंगल में मिला युवती का शव, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक महिला का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि एक अज्ञात महिला का शव मिला है। सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य इकट्ठा किए और शव को मोर्चरी में रखवा दिया। काफी प्रयास के बाद भी शव की शिनाख्त नहीं की जा सकी।

हालांकि एक महिला ने मृतका की पहचान अपनी पुत्री के रूप में की। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गंगा में इफ्तार पार्टी करने वाले 6 और युवकों को मिली जमानत

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वाराणसी में पवित्र गंगा नदी में इफ्तार के दौरान मांस खाने के बाद हड्डियां व कचरा नदी में फेंकने वाले छह अन्य आरोपितों दानिश सैफी, नूर इस्लाम, आमिर कैफ़ी, महफूज आलम, मोहम्मद अहमद एवं मोहम्मद अव्वल की भी जमानत मंजूर कर ली है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ल ने दिया है। इससे पहले 15 मई को इसी पीठ ने पांच और न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की पीठ ने तीन आरोपितों की जमानत मंजूर की थी। कोर्ट ने कहा था कि आरोपितों ने अपने कृत्यों के लिए माफी मांगी है।

न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ल की पीठ ने यह भी कहा था कि गंगा सिर्फ हिंदुओं की ही नहीं बल्कि पूरे देश की आस्था की प्रतीक हैं। कोर्ट ने कहा, आरोपितों के हलफनामे के पैरा 14 में किए गए कथन दर्शाते हैं कि वे अपने कृत्यों के लिए खेद व्यक्त कर रहे हैं और उनके परिवारों को भी समाज को हुई पीड़ा पर खेद है।

अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी की इस आशंका पर कि इफ्तार पार्टी का आयोजन, वीडियो का अपलोड होना और धार्मिक विद्वेष पैदा करने के लिए उसका इस्तेमाल बड़ी साजिश का हिस्सा है, कोर्ट ने कहा कि आरोपितों को जेल में आगे हिरासत में रखे बिना भी जांच जारी रह सकती है।

पति के दिमाग पर चढ़ी खूनी सनक! पत्नी और 3 बच्चों की कर दी हत्या

दरभंगा, 19 मई (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा जिले में मामूली बात पर एक युवक ने तीन बच्चों और पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटनापतोर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले चंदनपट्टी गांव की है। यहां पारिवारिक कलह एवं विवाद हिंसक रूप धारण करते हुए एक पति ने पत्नी सहित तीन बच्चों की हत्या कर दी। वहीं, उसने खुद को भी घायल कर लिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया,

जबकि तीन बच्चों एवं पत्नी के हत्यारे पिता और पति को हिरासत में लेते हुए इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल के दालकोला जिला अंतर्गत कुंडी थाना क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय फूल कुमारी दास, उसके सात वर्षीय पुत्र हृदय दास, छह वर्षीय पुत्री संध्या दास और पांच वर्षीय सोन दास के रूप में हुई है।

लापता युवती की हत्या का सनसनीखेज खुलासा

मेरठ, 19 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के टीपीनगर थाना क्षेत्र से लापता हुई एक युवती की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वारदात के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अविनाश पांडे ने मंगलवार को इस पूरे मामले की विस्तृत जानकारी साझा की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अविनाश पांडे ने बताया कि 16 मई को किरोट गांव निवासी युवती के पिता ने टीपीनगर थाने में बेटी के गुमशुदा होने की सूचना दी थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। 17 मई को युवती का शव रोहटा थाना क्षेत्र के ग्राम उपसिया के जंगल से बरामद हुआ। मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने कल्याणपुर गांव निवासी अंकुश कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की।

नीट पेपर लीकः पप्पू यादव ने केंद्र से कर दी 2 बड़ी मांग

'सभी सरकारी परीक्षाओं से इंटरव्यू को पूरी तरह समाप्त कर देना चाहिए'

पूर्णिया, 19 मई (एजेंसियां)। नीट (यूजी) पेपर लीक मामले पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने केंद्र सरकार से दो बड़ी मांग की है। मंगलवार (19 मई, 2026) को उन्होंने पूर्णिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने पेपर लीक मामले को धरती का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। साथ ही इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सांसद पप्पू यादव का कहना है कि नीट जैसी परीक्षाओं के कारण गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के प्रतिभावान बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

उनकी पहली मांग है कि मेडिकल कॉलेजों में दाखिला सीधे 12वीं (इंटरमीडिएट) के अंकों और रैंकिंग के आधार पर होना चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। दूसरी मांग ये है कि देश में नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में होने वाले इंटरव्यू भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुके हैं। इंटरव्यू में जाति, धर्म और पैसे के आधार पर पक्षपात होता है, जिससे गरीब और बिना पैरवी वाले बच्चे पीछे छूट जाते हैं, इसलिए सभी सरकारी परीक्षाओं से इंटरव्यू को पूरी तरह समाप्त कर देना चाहिए। नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। इस पर पप्पू यादव ने कहा कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो सरकार उसे दबाने और रफा-दफा करने के लिए सीबीआई को सौंप देती है। इतिहास गवाह है कि कई बार सीबीआई जांच हुई लेकिन किसी बड़े दोषी को कड़ी सजा नहीं मिल पाई है।

सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि इस पूरे शिक्षा माफिया के खेल में सत्ताधारी दल के कई बड़े नेता और रसूखदार लोग शामिल हैं, जिन्हें बचाने के लिए जांच की दिशा को भटकाया जा रहा है। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की भी मांग की है। आगे पप्पू यादव ने कहा कि इस धांधली और मानसिक तनाव के कारण अब तक चार मासूम छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने इसे सीधे तौर पर 'हत्या' बताते हुए मांग की है कि इस मामले में शामिल दोषियों और शिक्षा माफियाओं के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

उन्होंने आगामी संसद सत्र में एक कड़ा बिल लाने की बात कही, जिसमें दोषियों को कम से कम 30 साल की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान हो।

नीट छात्रा को बंधक बनाकर किया रेप

महोबा, 19 मई (एजेंसियां)। यूपी के महोबा में नीट की छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म का बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। छात्रा को कार सवार बदमाशों ने कोचिंग से घर लौटते समय अगवा कर लिया गया और बंधक बनाकर रेप की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता को नशीले इंजेक्शन और सिगरेट से भी दागा गया। पुलिस ने 16 दिन बाद पीड़िता को बरामद कर लिया है। ख़बर के मुताबिक़ मध्य प्रदेश की रहने वाली छात्रा महोबा शहर में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। बीती 30 अप्रैल को जब वह कोचिंग से घर लौट रही थी, तभी कार सवार दबंगों ने उसे जबरन अगवा कर लिया। पुलिस ने पूरे 16 दिन बाद छात्रा को बरामद तो कर लिया, लेकिन पीड़िता ने जो आपबीती सुनाई, वह रूह कंपा देने वाली है। पीड़िता के मुताबिक उसी के गांव के रहने वाले मोहित श्रीवास ने अपने साथी अंकित श्रीवास, हल्लू राजपूत समेत करीब आधा दर्जन आरोपियों ने उसे प्रयागराज में बंधक बनाकर रखा।

मंदिर में चोरी का आरोपी हिमांशु गिरफ्तार

बुलंदशहर, 19 मई (एजेंसियां)। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में मंदिरों में चोरी करने वाले शातिर गैंगस्टर के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी है। आरोपी को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के जसर बम्बे पुलिया के पास हुई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मंदिर चोरी गैंग का सदस्य हिमांशु इलाके में सक्रिय है।

चेकिंग अभियान के दौरान जब पुलिस टीम ने एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का संकेत किया, तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। आरोपी की पहचान हिमांशु (पुत्र प्रहलाद) के रूप में हुई है। वह आहार थाना क्षेत्र के गांव सियाली नगर का निवासी है। पुलिस के अनुसार हिमांशु पर पहले से 25 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

साध्वी ऋतंभरा करेंगी दुर्गा मंदिर पर ध्वजारोहण, वात्सल्य ग्राम की मातृशक्ति होंगी शामिल

अयोध्या, 19 मई (एजेंसियां)। राम मंदिर परिसर में निर्मित मां दुर्गा मंदिर पर 29 मई को ध्वजारोहण किया जाएगा। इस मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण साध्वी ऋतंभरा करेंगी। साध्वी ऋतंभरा मंदिर आंदोलन में अग्रणी व अति लोकप्रिय महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात रहीं। वह निर्धारित समय पर साढ़े तीन हजार मातृशक्तियों की उपस्थिति में ध्वजा फहराएंगी। इस उत्सव का साक्षी विशिष्ट रूप से वृंदावन के वात्सल्य ग्राम की 163 महिला प्रतिनिधि भी बनेंगी। इस ग्राम को साध्वी ऋतंभरा ने ही स्थापित किया है। यह अनूठा सामाजिक-आध्यात्मिक प्रकल्प है, जो वृंदावन में स्थित है। यहां दीदी मां ही अनाथ बच्चों, परित्यक्त (बेसहारा) महिलाओं और वृद्धों को सुरक्षित व वातावरण देती हैं।

सफारी पार्क में रोहतक से पहुंची शेरनी सुधा

इटावा, 19 मई (एजेंसियां)। इटावा सफारी पार्क में हरियाणा के रोहतक जू से शेरनी सुधा को लाया गया। केंद्रीय चिड़िया घर प्राधिकरण से अनुमति प्राप्त करने के बाद शेरनी को यहां लाया गया है। बदले में सफारी पार्क प्रशासन ने तीन सितंबर 2023 को सफारी में जन्मे बब्बर शेर अज्जू को रोहतक जू भेजा है। शेरनी के आने के बाद सफारी पार्क में 2016 में जन्मे बब्बर शेर सिंबा व सुल्तान के लिए मेटिंग पार्टनर मिल जाएगी।

उपनिदेशक डॉ। विनय कुमार सिंह ने बताया कि सुधा को रविवार की रात्रि को इटावा सफारी पार्क में रोहतक से लाया गया है। उसे लायन हाउस में 21 दिन के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है। शेरनी के स्वास्थ्य व व्यवहार के बारे में सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जा रही है। क्वारंटाइन अवधि पूरी होने के बाद शेरनी सुधा को बब्बर शेर सिंबा व सुल्तान के साथ ब्रीडिंग सेंटर में स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शेर अज्जू को रोहतक जू ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि शेर सिंबा और सुल्तान में 6 अक्टूबर 2016 को इटावा सफारी पार्क में जन्म लिया था।

अश्लील वीडियो वायररल के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरदोई, 19 मई (एजेंसियां)। यूपी के हरदोई में पुलिस ने साइबर क्राइम के एक मामले का खुलासा किया है। पुलिस की टीम ने सोशल मीडिया के माध्यम से बच्चों के बीच अश्लील वीडियो और फोटो वायरल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने टेलीग्राम पर 21 चैनल बनाए थे, जिसमें 10 हजार अश्लील वीडियो और 40 हजार अश्लील फोटो पाए गए। आरोपी के चार बैंक अकाउंट से 1 करोड़ 20 लाख रुपये मिले। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। आरोपी से और अधिक पूछताछ की जा रही है। पुलिस को सूचना मिली कि विकास सिंह पुत्र किशोरी निवासी न्यू मार्केट शिवाला थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज द्वारा टेलीग्राम एप के माध्यम से नाबालिग बच्चों को अश्लील वीडियो और फोटो को प्रसारित किया जा रहा है।

एचसी ने नाबालिग रेप पीड़िता के गर्भपात की दी अनुमति

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक नाबालिग दुराचार पीड़िता के 22 सप्ताह के अनचाहे गर्भ को गिराने की अनुमति दी है। न्यायालय ने इस संबंध में केजीएमयू स्थित गांधी मेमोरियल एंड एसोसिएटेड हास्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को गर्भपात सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। न्यायालय ने भ्रूण को भी सुरक्षित रखने का आदेश दिया है ताकि डीएनए जांच द्वारा अभियुक्त की संलिप्तता की पुष्टि हो सके। यह आदेश न्यायमूर्ति रजनीश कुमार व न्यायमूर्ति बबीता रानी की पीठ ने हरदोई जनपद की दुराचार पीड़िता की ओर से उसके पिता द्वारा दाखिल याचिका पर दिया है।

याची की ओर से दलील दी गई कि वह मात्र 15 वर्ष की है और उसके साथ घटित घटना के कारण वह अनचाहे गर्भ के साथ जीने को मजबूर है। कहा गया कि पीड़िता गर्भपात कराना चाहती है। न्यायालय ने मामले में केजीएमयू को मेडिकल बोर्ड का गठन कर रिपोर्ट देने का पूर्व में आदेश दिया था। इस पर बोर्ड द्वारा दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि पीड़िता को 22 सप्ताह दो दिन का गर्भ है जिसे गिराना संभव तो है, लेकिन किसी भी मेडिकल प्रक्रिया को सौ फीसदी सुरक्षित नहीं कहा जा सकता, सभी की अपनी जटिलताएं होती हैं।

बाहुबली नेता आनंद मोहन के दावे से बिहार में सनसनी

बोले- 'करोड़ों में बेचे गए टिकट और मंत्री पद'

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। बिहार की रजनीति में बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह के वीडियो ने नया भूचाल ला दिया है। आनंद मोहन ने जनता दल यूनाइटेड के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि बिहार में करोड़ों रुपये में टिकट बेचे गए और मंत्री पद दिए गए। शिवहर-सीतामढ़ी का बताया जा रहा यह वीडियो अब तेजी से वायरल है। जिसने बिहार में सत्ता के भीतर पनप रहे आक्रोश को जाहिर कर दिया है। इस मामले में जेडीयू के किसी नेता की कोई टिप्पणी अभी नहीं आई है। वायरल वीडियो में आनंद मोहन काफी गुस्से के अंदाज में कहते दिख रहे हैं कि निशांत कुमार को इसलिए स्वास्थ्य मंत्रालय दिया गया क्यूंकि, पिता-पुत्र दोनों को डॉक्टर की जरूरत है।यही नहीं उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में करोड़ों में टिकट बेचे गए और उसके बाद मंत्री पद के लिए भी करोड़ों रुपए लिए गए। आनंद मोहन यहीं नहीं रुके उन्होंने जदयू के कुछ नताओं को चंडाल चौकड़ी करार देते हुए पार्टी पर सवाल खड़ा कर दिया है।

आनंद मोहन ने कहा, "यह सिर्फ नीतीश कुमार का सफाया नहीं कर रहे हैं, बल्कि पिछड़ों के राज का सफाया हो रहा है।" आनंद मोहन ने याद दिलाया कि नीतीश कुमार के खिलाफ पहले भी कई साजिशें हुईं, लेकिन वे कभी झुके नहीं। फिर भी रातोंरात साजिश के तहत सरकार बदल दी गई। वहीं चर्चा यह भी है कि आनंद मोहन के विधायक बेटे चेतन आनंद को मंत्रिमंडल में जगह न मिलने से वे नाराज हैं। उनकी पत्नी शिवहर से जदयू से सांसद हैं।

बच्चों पर बड़ा खुलासा, 8000 से ज्यादा लापता; 427 का रेस्क्यू

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। बिहार में आठ हजार से भी ज्यादा ऐसे बच्चे हैं, जो गायब हैं। इस बात का खुलासा मिशन वात्सल्य पोर्टल के अपडेट और स्क्रीनिंग में हुआ है। दरअसल मिशन वात्सल्य पोर्टल पर बच्चों की जानकारी को अपलोड करने के साथ ही मेंटल हेल्थ केयर एक्ट 2017 की धारा 100 के प्रावधानों को थाना स्तर पर लागू करने के लिए खास तौर से निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में सभी थानों को तमाम जानकारियां पोर्टल पर अपडेट करने के लिए कहा गया है, जिसमें यह जानकारी सामने आई है।जानकारी के अनुसार, पुलिस हेडक्वार्टर से एक एसओपी जारी किया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि अगर कोई बच्चा मिलता है तो उसकी जानकारी भी डेटा बेस में अपडेट करना है। पहले थाना से ही गुमशुदा या लापता बच्चों की जानकारी उपलब्ध हो पाती थी। पोर्टल की जब शुरुआत हुई, तब केवल 3,190 बच्चों के मिसिंग होने की जानकारी ही सामने आई थी लेकिन जब इसकी मॉनीटरिंग की गई तो एक महीने में ही यह आंकड़ा बढ़कर 8,681 हो गया। प्राइवेट इंस्टीट्यूशंस और यूनिवर्सिटी के सहयोग से ट्रेनिंग कार्यक्रम को तैयार किया गया है।

राजा भैया ने कहा जो हिंदू कायर थे वे सब मुसलमान बन गए

अब बयान पर बढा विवाद

प्रतापगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से बहुत बड़ी और सियासत को गरमाने वाली खबर आ रही है। कुंडा सीट से विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के एक बयान ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नया भूचाल ला दिया है। राजा भैया ने एक सभा में धर्म परिवर्तन और संविधान को लेकर ऐसा बयान दे दिया है जिससे राजनीतिक विवाद बढ़ सकता है। राजा भैया ने कहा है कि जो कायर थे वो मुसलमान बन गए, उन्होंने धर्म परिवर्तन करवा लिया।

जो डटे रहे, जो वीर रहे हम सब उनकी संतान हैं। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले का कुंडा इलाका एक बार फिर सुर्खियों में है, और वजह है कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का यह ताजा बयान। राजा भैया ने एक जनसभा के मंच से सीधे धर्म परिवर्तन के इतिहास पर हमला बोला है। कुंडा इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजा भैया ने धर्म परिवर्तन और देश के संविधान को लेकर

एक बेहद विवादित और बड़ा बयान दिया है। राजा भैया ने दो टूक कहा है कि आज जितने भी मुस्लिम आज दिखाई दे रहे हैं यह सभी पूर्व में हिंदू थे। राजा भैया यहीं नहीं रुके, उन्होंने दबाव और प्रलोभन में धर्म बदलने वालों को कायर और लालची तक कह डाला है। वहीं उन्होंने सनातन और संविधान को लेकर भी एक बड़ा दावा किया है। राजा भैया के इस बयान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर सियासी घमासान छिड़ गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में राजा भैया साफ तौर पर कहते सुने जा रहे हैं कि आज जितने भी मुस्लिम आज दिखाई दे रहे हैं यह सभी पूर्व में हिंदू थे। उन्होंने आगे कहा कि जो आस्था विहीन, लोभी, निष्ठाहीन, लालची और कायर थे उन्होंने दबाव और प्रलोभन में आकर धर्म परिवर्तन किया।

इन्होंने हिंदू धर्म को छोड़कर मुस्लिम धर्म अपनाया था। इसके साथ ही राजा भैया ने खुद को और वहां मौजूद जनता को उन वीरों का वंशज बताया जिन्होंने धर्म नहीं बदला। उन्होंने कहा कि जो धार्मिक, वीर, बलिदानी थे हम सब हिंदू उन्हीं की संताने हैं। इतिहास के बाद राजा भैया ने देश के संविधान पर भी बड़ी बात कह दी। उन्होंने मंच से जनता को सचेत करते हुए कहा कि सनातन नहीं रहेगा

गरीब नगर में बुलडोजर एक्शन

बांद्रा, 19 मई (एजेंसियां)। मुंबई के बांद्रा (पूर्व) स्थित गरीब नगर इलाके में मंगलवार सुबह से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चल रहा है। पश्चिम रेलवे की ओर से इस अभियान को चलाया जा रहा है। इसके तहत 500 से अधिक घरों को हटाया जा रहा है। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में भारी पुलिस बल और रेलवे सुरक्षा बल तैनात है। वहीं, कार्रवाई शुरू होने से पहले इलाके के अधिकांश लोगों ने अपने घर खाली कर दिए। कई परिवारों ने अपना सामान सड़क किनारे लाकर रख दिया है। मौके पर दो बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे ने कहा कि यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई, बल्कि इसके पीछे कई वर्षों की कानूनी प्रक्रिया और अदालतों के आदेश शामिल हैं। रेलवे के मुताबिक, सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत वर्ष 2017 से पहले ही प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी और 27 नवंबर 2017 को बेदखली के आदेश जारी कर दिए गए थे।

राहुल गांधी बोले

आर्थिक शॉक आ रहा, जो अदाणी, अंबानी और प्रधानमंत्री को नहीं लगेगा; आप पर ही इसका बोझ आएगा

रायबरेली, 19 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। यहां उन्होंने पर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो आर्थिक ढांचे बदला है, उससे तूफान आने वाला है। यूपी की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है। वह अदाणी, अंबानी या प्रधानमंत्री मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने के बजाय प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर कांट रहे हैं।

महंगाई पर सरकार को घेरा

राहुल ने कहा, पेट्रोल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। महंगाई आसमान के ऊपर जा रही है। वह कहते हैं कि राहुल को कोई समझ नहीं है। हम उनसे आज भी कह रहे हैं कि आप एक्शन लीजिए, जनता की रक्षा कीजिए। लेकिन, उनको कुछ लेना देना नहीं है। कभी हवाई जहाज से नॉर्वे चले जाते हैं, कभी जापानी चले जाते हैं, कभी कहीं और चले जाते हैं।

राहुल का पीएम पर तंज

राहुल ने कहा, नरेंद्र मोदी कहते है कि सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदो, विदेश मत जाओ। इतना कहने के बाद नरेंद्र मोदी विदेश चले जाते हैं। दुख की बात है कि अब जबरदस्त आर्थिक तूफान आने वाला है, जिसको कोई रोक नहीं सकता। ऐसा आर्थिक तूफान आने वाला है, जो आपने हमने कभी जिंदगी में नहीं देखा होगा। इसकी चोट किसको लगेगी। अंबानी-अदाणी अपने महलों में बैठे रहेंगे। उनके महलों में चारों ओर सिक्योरिटी होगी। हिंदुस्तान के मजदूर, युवाओं, छोटे व्यापारियों को चोट लगेगी।

यूपी की जनता को आर्थिक शॉक लगेगा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आर्थिक संकट पर कहा- उत्तर प्रदेश की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है वह अदाणी, अंबानी या प्रधानमंत्री मोदी को नहीं लगेगा। वह उत्तर प्रदेश के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी कह रहे हैं विदेश यात्रा पर नहीं जाइए, जबकी प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर कांट रहे हैं।

मंदिरों के सोने को मोनेटाइज करने के किसी प्रस्ताव को नहीं मिली मंजूरी: केंद्र

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि सरकार मंदिर ट्रस्ट और धार्मिक संस्थानों के सोने को मोनेटाइज करने के लिए योजना लाने की तैयारी कर रही है। वित्त मंत्रालय ने एक आधिकारिक स्पष्टीकरण में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह झूठा दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार मंदिरों के गोल्ड रिजर्व के बदले उन्हें गोल्ड बॉन्ड जारी करने की योजना बना रही है या उसने मंदिरों के गोल्ड रिजर्व के मोनेटाइज के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बयान में कहा गया है, देश भर में मंदिर ट्रस्टों या किसी भी धार्मिक संस्था के पास मौजूद सोने के मोनेटाइज की सरकारी योजना शुरू करने की अटकलें और अफवाहें पूरी तरह से झूठी, भ्रामक और निराधार हैं।

सरकार ने उन दावों को भी खारिज कर दिया है कि मंदिर के शिखरों, दरवाजों या अन्य मंदिर संरचनाओं पर लगी सोने की प्लेटों को भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार₹ के रूप में माना जाएगा। मंत्रालय ने आगे कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि मंदिर के शिखरों, दरवाजों या अन्य मंदिर संरचनाओं पर लगी सोने की प्लेटों को 'भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार' के रूप में माने जाने के दावे झूठे, भ्रामक और पूरी तरह निराधार हैं।

सरकार ने नागरिकों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने का आग्रह किया, और चेतावनी दी कि अपुष्ट जानकारी के प्रसार से अनावश्यक भ्रम पैदा हो सकता है और जनता गुमराह हो सकती है। सरकार ने लोगों को नीतिगत निर्णयों और सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी के लिए केवल अधिकृत चैनलों के माध्यम से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की सलाह दी। सरकार ने कहा कि ऐसी कोई भी नीतिगत घोषणा आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, सरकारी वेबसाइटों और सत्यापित सार्वजनिक संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से ही प्रसारित की जाएगी।

आबकारी घोटाला: केजरीवाल-सिसोदिया समेत

आप नेताओं को हाईकोर्ट का अवमानना नोटिस चार हफ्तों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आपराधिक अवमानना (क्रिमिनल कॉन्टेम्प्ट) के एक स्वतः संज्ञान मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह सहित अन्य आप नेताओं को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति स्वराना कांता शर्मा द्वारा शुरू किए गए इस मामले में आरोप है कि शराब नीति मामले में न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत से रिक्यूजल याचिका खारिज होने के बाद 20 अप्रैल को आप नेताओं ने अदालत का बहिष्कार किया और सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो तथा पत्रों के माध्यम से उनके खिलाफ अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां कीं। दो-न्यायाधीशों न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की पीठ ने सभी आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। अदालत ने इस मामले में न्याय मित्र नियुक्त किया है तथा सभी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स को संरक्षित रखने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। आप नेताओं पर आरोप है कि उन्होंने न्यायाधीश की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया, जो अदालत की गरिमा के विरुद्ध है।

अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा था कि वे आबकारी नीति मामले के कुछ बरी किए गए आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया पर उनके और अदालत के खिलाफ की गई अत्यंत अपमानजनक, मानहानिकारक और घृणित टिप्पणियों पर चुप नहीं रह सकती हैं। न्यायमूर्ति ने स्पष्ट कहा कि मेरे संज्ञान में आया है कि कुछ प्रत्यर्थी मेरे खिलाफ और इस अदालत के खिलाफ बेहद घृणित, अवमाननापूर्ण और मानहानिकारक सामग्री पोस्ट कर रहे हैं। मैं चुप नहीं रह सकती।

आरजी कर पीड़िता के पड़ोसी के घर तोड़फोड़

गवाह संजीव मुखर्जी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की घटना में मृतका के एक पड़ोसी ने मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट में गुहार लगाई है। संजीव मुखर्जी नाम के इस व्यक्ति का दावा है कि वह इस मामले में सरकारी गवाह हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उनके घर में तोड़फोड़ की गई।

संजीव मुखर्जी के वकील ने कोर्ट से याचिका दायर कर सुरक्षा की मांग करते हुए इस मामले पर तुरंत सुनवाई करने का अनुरोध किया। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच ने इस मामले को सुना। उन्होंने तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने वकील से कहा कि वह पहले याचिका दाखिल करें और सभी पक्षों को नोटिस भेजें। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस मामले की सुनवाई सूची में तय नंबर आने पर ही होगी। मुखर्जी के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनका मुवक्किल उस दुष्कर्म और हत्या मामले में गवाह है, जिसमें एक व्यक्ति संजय रॉय को दोषी ठहराया गया है। सियालदह सत्र अदालत ने इस मामले में संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

गौरतलब है कि आरजी कर अस्पताल की पीड़िता की मां ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में हिस्सा लिया था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की है। अब इस गवाह ने चुनाव नतीजों के बाद खुद पर हमले की बात कहते हुए कोर्ट से सुरक्षा मांगी है।

अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ीं

कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने भेजा नोटिस जानें क्या है मामला

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार फुल एक्शन मोड में काम कर रही है। बंगाल में लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करने और क्राइम के साथ करप्शन के खिलाफ भी लगातार एक्शन जारी है। अब राज्य में सत्ता बदलते ही तृणमूल कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। कुछ ही दिनों पहले अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में केस दर्ज किया गया है। तो वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है।

कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी को साउथ कोलकाता में कालीघाट रोड और हरीश मुखर्जी रोड पर उनके घर को लेकर नोटिस भेजकर ये जानकारी देने को कहा गया है कि बिल्डिंग बनते समय क्या सभी नियमों का पालन किया गया है। कॉर्पोरेशन ने बिल्डिंग में एक्स्ट्रा कंस्ट्रक्शन को लेकर भी

जानकारी मांगी है और अभिषेक बनर्जी को अपने घर का बिल्डिंग प्लान जमा करने को कहा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी भ्रष्टाचार और अवैध संपत्तियों के मामले में टीएमसी से जुड़े 4 लोगों के नाम मंच से लिए हैं। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों के पास करोड़ों रुपये की अवैध संपत्तियां और ठिकाने हैं। उनकी इस लिस्ट में अभिषेक बनर्जी का नाम भी शामिल है। शुभेंदु का दावा है कि उनके पास कुल 24 संपत्तियां हैं जो जांच के दायरे में हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने आरजी कर रेप केस को लेकर बड़ा फैसला लिया है।

मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉनड्रिंग के मामले में ईडी को मुकदमा की आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के मिलने के बाद अब ईडी पीएमएलए कानून के तहत अदालत में संदीप घोष के खिलाफ वित्तीय धोखाधड़ी और टेंडर घोटालों को लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू कर सकेगी।

'सबसे अच्छा काम यूपी सरकार ने किया'

मेनका गांधी ने इस मामले में की योगी सरकार तारीफ

सुल्तानपुर, 19 मई (एजेंसियां)। आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने कहा कि अदालत के फैसले में कुछ भी नया नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर के जिस आदेश का जिक्र किया है, उसका पालन व्यवहारिक तौर पर संभव नहीं है, क्योंकि उसे लागू करने के लिए करीब 3 लाख करोड़ रुपये की जरूरत होगी और मौजूदा हालात में सरकार के पास इतना बजट नहीं है।

उत्तर प्रदेश स्थित सुल्तानपुर लोकसभा सीट से पूर्व सांसद मेनका गांधी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिन जानवरों को मारने पर विचार करने की बात कही है, वह प्रावधान पहले से ही कानून में मौजूद है, लेकिन उसकी भी तय प्रक्रिया और नियम हैं, इसलिए इसे लागू करना इतना आसान नहीं है। अलग-अलग राज्यों के कामकाज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकांश राज्यों ने इस दिशा

में कोई खास काम नहीं किया, जबकि सबसे बेहतर काम अगर किसी सरकार ने किया है तो वह उत्तर प्रदेश सरकार है।

बता दें सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को दूसरी जगहों पर भेजने व उनके बंध्याकरण संबंधी अपने पूर्व के निर्देशों को वापस लेने के अनुरोध वाली सभी याचिकाएं और आवेदन मंगलवार को यह कहते हुए खारिज कर दिए कि सम्मान के साथ जीने के अधिकार में कुत्तों के हमले से मुक्त होकर जीने का अधिकार भी शामिल है।

ओडिशा के कालाहांडी में असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के 6 ठिकानों पर छापेमारी

भुवनेश्वर, 19 मई (एजेंसियां)। ओडिशा विजिलेंस ने कालाहांडी जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए भुवनेश्वर साबर के छह ठिकानों पर मंगलवार को एक साथ छापेमारी शुरू की। भुवनेश्वर साबर भवानीपटना आरएंडबी डिवीजन में सहायक कार्यपालक अभियंता (एइइ) के पद पर कार्यरत हैं। उन पर ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। विजिलेंस की यह कार्रवाई भवानीपटना स्थित विशेष विजिलेंस न्यायालय से जारी सर्च वारंट के आधार पर की जा रही है। छापेमारी टीम में छह डीएसपी, आठ इंस्पेक्टर समेत बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, जिन स्थानों पर तलाशी ली जा रही है उनमें भवानीपटना शहर के गोसानीमुंडा स्थित दोमंजिला मकान, कोक्सरा ब्लॉक के कुसुमखुंटी गांव स्थित पैतृक आवास, किटपदार में स्थित फार्म हाउस तथा दुआरसुनी क्षेत्र में निर्माणाधीन भवन शामिल हैं। इसके अलावा भवानीपटना स्थित उनके कार्यालय और पीडब्ल्यूडी कॉलोनी में सरकारी आवास की भी जांच की जा रही है।

इधर ईरान के दलदल में फंसा अमेरिका, उधर वाशिंगटन में एक्शन

विदेश विभाग के 250 अधिकारियों की गई नौकरी

वॉशिंगट, 19 मई (एजेंसियां)। नईरान जंग के बीच अमेरिकी विदेश विभाग के 250 अधिकारियों की नौकरी ले ली गई है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इसको लेकर एक ईमेल जारी किया है। प्रशासन का कहना है कि ये अधिकारी किसी काम के लायक नहीं थे, इसलिए इन्हें पद से हटाया गया है। 28 फरवरी को इजराइल के साथ मिलकर अमेरिका ने ईरान पर अटैक किया था, तब से अमेरिका ईरान के दलदल में फंसा हुआ है। इस छंटनी को ईरान जंग में समाधान न खोज पाने से जोड़कर देखा जा रहा है।

हालांकि, व्हाइट हाउस या विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से इसको लेकर कुछ नहीं कहा है। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट की है। इसमें कहा गया है कि एक हफ्ते में विदेश विभाग से जुड़े 250 अधिकारियों को पद से हटाया गया है। इन अधिकारियों से हाल ही में सरकार ने ईरान जंग का समाधान पूछा था। पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्रालय को व्हाइट हाउस से एक निर्देश भेजा गया था। इस

निर्देश में कहा गया था कि सभी दूतावासों के जरिए ईरान पर दुनिया का समर्थन जुटाया जाए। दूतावासों को यह निर्देश भेजा गया था कि आप अपने संपर्कों के जरिए संबंधित देश से ईरान पर प्रतिबंध लगवाएं। हालांकि, किसी भी दूतावास को इसमें बड़ी सफलता नहीं मिली। नाटो कंट्री ने भी इस काम में अमेरिका की सहायता नहीं की।

डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद से अब तक विदेश विभाग के 1000 अधिकारियों की नौकरी ले ली गई है। इसके बदले ट्रंप अपने कारोबारी मित्रों को विदेश विभाग में बड़ा पद सौंप रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में 100 देशों में ऐसे राजदूत नियुक्त हैं, जिनके पद को सीनेट ने अप्रूव नहीं किया है।

बलूचिस्तान में अत्याचार कर रही पाकिस्तानी सेना, मार्च में 29 हत्याएं और 56 लोग लापता हुए

क्वेटा, 19 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बढ़ते मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने चिंता जताई है। संगठन ने कहा कि वहां पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की ओर से जबरन लोगों को गायब करना, यातनाएं देना और गैर-न्यायिक हत्या करना लगातार जारी है। अपनी रिपोर्ट में बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग 'पांक' ने बताया कि इस साल मार्च महीने में पूरे बलूचिस्तान में 29 लोगों की गैर न्यायिक हत्या के मामले सामने आए। संगठन ने कहा कि ये घटनाएं 'बेकाबू सरकारी ताकत के खतरनाक परिणामों' को दिखाती हैं। इसके अलावा, 56 लोगों के जबरन लापता किए जाने के मामले भी दर्ज किए गए, जिससे साफ होता है कि आम नागरिकों को व्यवस्थित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। पांक ने कहा कि मार्च 2026 में सामने आए मामलों से यह साफ दिखता है कि राज्य की ओर से दमन, मनमानी गिरफ्तारियां, शारीरिक और मानसिक यातनाएं और गैरकानूनी हत्याएं लगातार हो रही हैं।

कुपवाड़ा में धर्मांतरण मामला: नाबालिग से जुड़े आरोपों पर एक्शन, मामले की जांच में जुटी पुलिस

श्रीनगर, 19 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में कथित धार्मिक परिवर्तन (कन्वर्जन) के एक मामले को लेकर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला एफआईआर नंबर 133/2026 के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार इस मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और सभी संबंधित पहलुओं को खंगाला जा रहा है। साथ ही पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही बिना पुष्टि की गई जानकारी को साझा करें, ताकि क्षेत्र में शांति और सौहार्द बना रहे।

वहीं, इस मामले से जुड़ी जानकारी उत्तर प्रदेश के बिजनौर से सामने आई शिकायत के आधार पर सामने आई है। आरोप है कि एक 17 वर्षीय किशोर को कुपवाड़ा में कथित रूप से गलत तरीके से धार्मिक परिवर्तन के लिए प्रेरित किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसका बेटा कुछ वर्ष पहले कुपवाड़ा में हेयरड्रेसिंग का काम सीखने गया था और बाद में सोशल मीडिया के जरिए उसे इस घटना की जानकारी मिली। परिजनों ने बताया कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनके साथ ऐसा कुछ हो सकता है।

पंजाबी गायिका इंदर कौर की हत्या

छह दिन पहले हुई थी अगवा, नहर से मिला शव; कनाडा से जुड़ा लिंक

लुधियाना, 19 मई (एजेंसियां)। पंजाब की म्यूजिक इंडस्ट्री को दहला देने वाली एक बेहद खौफनाक वारदात सामने आई है। छह दिनों से लापता मशहूर पंजाबी गायिका यशइंदर कौर उर्फ इंदर कौर की निर्मम हत्या कर दी गई है। पुलिस ने मृतका का शव नीलो नहर से बरामद किया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड के पीछे एकतरफा प्यार और सनक की रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी सामने आई है। गायिका की मौत की पुष्टि के बाद से संगीत जगत और उनके परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर समराला के सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। मृतका के भाई जोतइंदर सिंह की शिकायत के मुताबिक, 13 मई की रात करीब 8:30 बजे इंदर कौर अपनी फोर्ड फिगो कार से घरेलू सामान लेने के लिए बाजार गई थीं।

जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटीं, तो परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। अपने स्तर पर की गई पड़ताल में सामने आया कि मोगा के भलूर गांव का रहने वाला सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा, इंदर कौर पर शादी करने का दबाव बना रहा था। इंदर कौर द्वारा प्रस्ताव ठुकराए जाने से बौखलाए सुखविंदर ने इस खूनी साजिश को अंजाम दिया। परिजनों का आरोप है कि सुखविंदर सिंह खास तौर पर

इंदर कौर से बदला लेने की नीयत से ही कनाडा से पंजाब आया था। उसने अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर रास्ते में गायिका की कार को घेरा और असलहे के बल पर उनका अपहरण कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने बेरहमी से उसकी हत्या कर शव को नीलो नहर में बहा दिया।

वारदात को अंजाम देने के तुरंत बाद मुख्य आरोपी सुखविंदर सिंह कानूनी शिकंजे से बचते हुए वापस कनाडा रफूचक्कर हो गया। इस पूरे घटनाक्रम में स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्होंने 15 मई को ही मुख्य आरोपी सुखविंदर सिंह और उसके मददगार करमजीत सिंह के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करा दिया था। इसके बावजूद पुलिसिया सुस्ती के कारण मुख्य आरोपी देश छोड़कर भागने में सफल रहा।

पुणे पोर्श कांड में बेटे को खोने वाली मां की गुहार कानून का कुछ करो सरकार

पुणे, 19 मई (एजेंसियां)। दो साल बीत चुके हैं, मेरे बेटे को अभी तक न्याय नहीं मिला। पूरा सिस्टम करप्ट है। जेल में बंद सभी लोगों को धीरे-धीरे जमानत मिल रही है। ऐसा लगता है जैसे विशाल अग्रवाल ने पहले भी पैसे खिलाए थे, अब नए जज को भी शायद उन्होंने पैसे खिला दिए होंगे। ये दर्द है उस मां का, जिसने दो साल पहले पुणे पोर्श कांड में अपने 24 साल के इंजीनियर बेटे को खो दिया था। उनका कहना है कि आरोपी की मां शिवानी अग्रवाल को जमानत मिल गई और सभी डॉक्टर और अन्य संबंधित लोगों को भी धीरे-धीरे जमानत मिल गई। पोर्श कार दुर्घटना में जान गंवाने वाले इंजीनियर अनीश अवधिया की मां सविता अवधिया आरोपियों को जमानत मिलने से बहुत दुखी हैं। उनका कहना है किस केस में जो आगे होना चाहिए था वह नहीं हुआ। उनका आरोप है कि वहां की व्यवस्था पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि एक-एक करके सभी को जमानत मिल रही है।

उन्होंने कहा कि हमारी मांग ये थी कि एक्सीडेंट नाबालिग ने किया है, इसको लेकर कानून बनाया जाए, ताकि लोग यह सीखें कि कम उम्र वाले बच्चों को गाड़ियां नहीं देनी चाहिए और न ही इतनी छूट देनी चाहिए। सविता अवधिया ने कहा कि मां-बाप को अपने नाबालिग बच्चों को इतनी छूट नहीं देनी चाहिए कि आपका बच्चा पब में जाकर शराब पी रहा है।

कश्मीर में एंटी-ड्रग ड्राइव तेज

2 तस्कर गिरफ्तार, 1.10 करोड़ की संपत्ति कुर्क 8 किसानों पर अफीम उगाने के केस दर्ज

श्रीनगर, 19 मई (एजेंसियां)। घाटी में पुलिस ने नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत अवैध नशीले पदार्थों के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए दो ड्रग्स तस्करों को चरस समेत गिरफ्तार किया। इसके साथ दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से लेकर उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा तक आठ जगहों पर अफीम की खेती को नष्ट करते हुए आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस दौरान अनंतनाग में एक ड्रग्स तस्कर की लगभग 1.10 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति को भी जब्त किया गया।

उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा में पुलिस ने मंजगाम क्रासिंग पर नाका जांच के दौरान अल्ताफ अहमद मीर निवासी मटीपोरा तराठपोरा को चरस जैसे पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया। हंदवाड़ा के उटींगरु कलामाबाद में पुलिस ने नसीर अहमद अहंगर निवासी आडूरा कलामाबाद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भी चरस जैसी सामग्री बरामद की है।

इसी तरह अनंतनाग पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कुख्यात ड्रग तस्कर एजाज अहमद बट की नौशहरा सिरीगुफवारा में स्थित लगभग 1.10 करोड़ रुपये मूल्य की दोमंजिला संपत्ति को अटैच किया। पुलिस के अनुसार यह संपत्ति मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से बनाई गई थी।

वहीं, दक्षिण कश्मीर के बेहीबाग कुलगाम में पुलिस ने फैयाज अहमद मीर के खेत में उगाई की अफीम की खेती को नष्ट किया। शोपियां के नारवनी इमामसाहिब में पुलिस ने नजीर अहमद वानी और मस्तपोरा केल्लर में इफ्तिखार हुसैन खांडे की जमीन पर की जा रही अवैध खेती को भी खत्म कर दिया गया। दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

इसके अलावा अनंतनाग के नौगाम और वेरीनाग में रियाज अहमद डार, अब्दुल मजीद शेख और मुश्ताक अहमद पर्रे के खेतों में उगी अफीम को नष्ट किया गया है। इन तीनों के खिलाफ अलग अलग मामले दर्ज किए गए हैं। सेंट्रल कश्मीर के जिला बड़गाम के बंगडपोरा इचगाम और गजरगुंड बड़गाम में दो लोगों के खिलाफ अफीम की खेती करने का मामला दर्ज किया गया है।

हंदवाड़ा के खानपोरा मागाम में गुलाम मोहम्मद मीर के खिलाफ अफीम की खेती का मामला दर्ज किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 20 मई - 2026

एक हफ्ते में ही दोबारा महंगा हुआ पेट्रोल और डीजल

अशोक भाटिया

आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। एक हफ्ते के भीतर कीमतों में यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है, जिसके कारण दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के सभी प्रमुख शहरों में ईंधन के दाम काफी बढ़ गए हैं। इस कारण आम जनता की जेब पर एक बार फिर महंगाई का बड़ा बोझ बढ़ गया है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी कर दी है। आम लोगों के लिए चिंता की बात यह है कि एक हफ्ते के भीतर ईंधन की कीमतों में की गई यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इस नए बदलाव के बाद देश के चारों प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल और डीजल खरीदना पहले से महंगा हो गया है। लगातार बढ़ते दामों के कारण आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह से गड़बड़ाने लगा है और आने वाले दिनों में ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली में इस नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे का उछाल आया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल का भाव बढ़कर 98.64 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं अगर कोलकाता की बात करें तो वहां पेट्रोल की कीमतों में सबसे अधिक 96 पैसे की तेजी दर्ज की गई है। इस बड़ी बढ़त के बाद कोलकाता में अब पेट्रोल खरीदारों को एक लीटर के लिए 109.70 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। इन दोनों ही बड़े शहरों में लगातार बढ़ रही कीमतें मध्यम वर्ग के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर रही हैं। वैसे देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल के दाम हमेशा से ही ऊंचे रहे हैं और इस बार भी यहां बड़ा झटका लगा है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमतों में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है, जिसके बाद यहां नया रेट बढ़कर 107.59 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दक्षिण भारत के प्रमुख महानगर चेन्नई में भी पेट्रोल की कीमतों में राहत नहीं मिली है। चेन्नई में पेट्रोल के दाम में 82 पैसे की बढ़ोतरी हुई है और अब वहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 104.49 रुपये हो गई है। पेट्रोल के साथ-साथ डीजल की कीमतों में भी तेल कंपनियों ने बड़ा बदलाव किया है, जिसका सीधा असर कमर्शियल वाहनों और माल ढुलाई पर पड़ेगा। राजधानी दिल्ली में डीजल की कीमत में 91 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यहां नया दाम 91.58 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं कोलकाता में डीजल के दाम 94 पैसे बढ़कर 96.07 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं। मुंबई में भी डीजल की कीमतों में 94 पैसे की ही भारी बढ़ोतरी देखी गई है, जिसके बाद वहां एक लीटर डीजल का भाव 94.08 रुपये हो गया है। चेन्नई में डीजल की कीमत में 86 पैसे की बढ़ोतरी हुई है और वहां अब नया रेट 96.11 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। आम उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि यह बढ़ोतरी बहुत ही कम समय के भीतर हुई है। एक हफ्ते के अंदर तेल कंपनियों द्वारा दामों को दूसरी बार बढ़ाया गया है। डीजल की कीमतों में इस तरह लगातार हो रही बढ़ोतरी से देश में माल ढुलाई महंगी होने का पूरा डर बना हुआ है। जब डीजल महंगा होता है, तो सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च बढ़ जाता है, जिससे फल, सब्जियां और रोजाना की दूसरी जरूरी चीजों के दाम भी बाजार में बढ़ने लगते हैं। इस कारण आने वाले दिनों में आम जनता को महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है।

जैसे-जैसे ईंधन महंगा होता जाता है, बसों, टैक्सियों और ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ जाता है, जिससे बदले में दूसरी जरूरी चीजों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।जानकारों का कहना है कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल और भी महंगे हो सकते हैं, जिससे महंगाई बढ़ने की चिंताएं बढ़ सकती हैं। इससे पहले पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की वजह बताते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट को ढाई महीने से ज्यादा हो चुके हैं और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति अब भी सामान्य नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल, नेचुरल गैस और एलपीजी की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिसका असर भारत के क्रूड ऑयल, एलपीजी और नेचुरल गैस आयात पर भी पड़ा है।हालांकि सरकार ने लोगों को राहत देते हुए कहा है कि देश में ईंधन सप्लाई की कोई कमी नहीं है। सुजाता शर्मा के मुताबिक सभी रिफाइनरियां सामान्य रूप से काम कर रही हैं और पर्याप्त मात्रा में क्रूड ऑयल का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और किसी भी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर सप्लाई संकट जैसी स्थिति नहीं है।

गौरतलब है कि भारतीय सरकारी तेल कंपनियों ने पिछले चार सालों में रिटेल कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमत बढ़ने से इन कंपनियों को रोजाना करीब 1000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा था, जिसकी भरपाई करने के लिए अब रेट धीरे-धीरे बढ़ाए जा रहे हैं। बीते दिन 3 रुपये की बढ़ोतरी के बाद नुकसान थोड़ा कम होकर 750 करोड़ रुपये प्रतिदिन पर आ गया। अब देखना है कि आज की गई बढ़ोतरी के बाद इस नुकसान को पाटने में कितनी मदद मिलती है। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में क्रूड ऑयल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं, जो अब 100-110 डॉलर प्रति बैरल के पार जा चुका है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85 परसेंट से अधिक तेल बाहर से आयात करता है इसलिए वैश्विक स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। व्यापारियों के मुताबिक डीजल महंगा होने से माल ढुलाई प्रभावित होगी। इसका असर सब्जी, दूध, किराना और निर्माण सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुओं पर पहुंचेगा। यह स्थिति महंगाई को और बढ़ा सकती है। उद्यमियों का कहना है कि पहले से बढ़ी उत्पादन लागत के बीच ईंधन महंगा होने से दोहरी मार पड़ रही है। इसका असर बाजार और ग्राहकों पर पड़ेगा। पेट्रोल महंगा होने से बाइक, स्कूटर और कार चलाने वालों का खर्च बढ़ जाएगा। अगर ईंधन की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहीं, तो ऑटो, टैक्सी और कैब किराए में बढ़ोतरी हो सकती है। इसका असर रोज ऑफिस आने-जाने वाले लोगों के बजट पर पड़ेगा।भारत में फल, सब्जियां, दूध और जरूरी सामान का बड़ा हिस्सा ट्रकों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह पहुंचता है। ऐसे में डीजल महंगा होने का असर सीधे ट्रांसपोर्ट लागत पर पड़ता है। जब माल ढुलाई महंगी होती है, तो कंपनियां और व्यापारी अतिरिक्त खर्च ग्राहकों से वसूलने लगते हैं। इसका असर धीरे-धीरे खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर दिखाई देता है।

बढ़ती गर्मी से संकट के संकेत

भारत इस समय सिर्फ गर्मी नहीं झेल रहा, बल्कि बदलते मौसम के उस कठोर दौर से गुजर रहा है जिसकी चेतावनी वैज्ञानिक लंबे समय से देते आ रहे हैं। देश के कई हिस्सों में तापमान 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। हालात यहां तक खराब हो गए हैं कि दिन की तपिश के बाद अब रातें भी राहत देने में असफल हो रही हैं। यह स्थिति केवल मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि उस बड़ी चुनौती का संकेत है जिसके प्रभाव आने वाले वर्षों में और गंभीर हो सकते हैं। भारतीय मौसम विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि जून के अंत तक गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। उत्तर भारत के अनेक शहरों में तापमान सामान्य से अधिक है और तेज गर्म हवाएं हालात को और कठिन बना रही हैं। यह स्थिति केवल असहजता का नहीं है; इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य, कृषि, अर्थव्यवस्था और सामान्य जनजीवन पर पड़ता है। चिंता की बात यह है कि मौसम वैज्ञानिक लगातार सुपर अल नीनो की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। अल नीनो प्रशांत महासागर से जुड़ी वह मौसमी घटना है जो दुनिया भर के मौसम चक्र को प्रभावित करती है। यदि इसका प्रभाव बढ़ता है तो भारत में मानसून कमजोर पड़ सकता है। कमजोर मानसून का मतलब है खेती पर संकट, उत्पादन में गिरावट और महंगाई का बढ़ना। भारत जैसे कृषि-प्रधान देश के लिए यह किसी बड़े आर्थिक झटके से कम नहीं होगा। पहले भी वर्ष 1997 और 2015 में अल नीनो का असर दुनिया ने महसूस किया था। इस बार विशेषज्ञ इसे और अधिक प्रभावशाली मान रहे हैं। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि मौसम बदलेगा या नहीं, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या हमारी तैयारी बदल रही है? दुर्भाग्य से भारत में अक्सर आपदाओं के समय प्रतिक्रियाएं ज्यादा और तैयारियां कम दिखाई देती हैं। जब तक स्थिति सामान्य रहती है, व्यवस्थाएं सुस्त रहती हैं; लेकिन संकट आते ही अस्पतालों में भीड़ बढ़ने लगती है, बिजली-पानी की व्यवस्था लड़खड़ाने लगती है और प्रशासन आपात उपायों में जुट जाता है। यह तरीका भविष्य के संकटों के सामने पर्याप्त मानना बडी भूल होगी। भीषण गर्मी का सबसे बड़ा असर आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। लू, डिहाइड्रेशन, चक्कर, थकान और हृदय संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ती हैं। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। अस्पतालों की तैयारियों की समय-समय पर समीक्षा होनी चाहिए। जरूरी दवाइयों, डॉक्टरों और आपात सेवाओं की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित होनी चाहिए। हर बार संकट के समय व्यवस्था संभालने की कोशिश करना दूरदर्शिता नहीं कही जा सकती। इसके साथ ही लोगों को भी अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। अत्यधिक गर्मी के समय बाहर निकलने से बचना, पर्याप्त पानी पीना, कार्य के समय में बदलाव और स्थानीय स्तर पर हरियाली बढ़ाना जैसे छोटे कदम भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। जलवायु परिवर्तन अब केवल सम्मेलनों की चर्चा का विषय नहीं रहा; यह लोगों के घर, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जिंदगी तक पहुंच चुका है। जाहिर है कि यह केवल एक मौसम नहीं, बल्कि भविष्य की चेतावनी है। अगर आज तैयारी नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में गर्मी, सूखा और असामान्य मौसम की घटनाएं और गंभीर रूप ले सकती हैं। समय की मांग है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर इस चुनौती को केवल मौसम की खबर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता मानें। क्योंकि प्रकृति की चेतावनियों को लंबे समय तक नजरअंदाज करना खतरनाक भी हो सकता है।

क्या भारत जाति की राजनीति के अंतिम मोड़ पर खड़ा है?

अशोक कुमार झा

भारत में कुछ विषय ऐसे हैं जिन पर बहस कभी समाप्त नहीं होती। समय बदलता है, सरकारें बदलती हैं, राजनीतिक दल बदलते हैं लेकिन कुछ प्रश्न हमेशा समाज के केंद्र में बने रहते हैं। जाति, आरक्षण, सामाजिक न्याय और वोट बैंक की राजनीति ऐसे ही प्रश्न हैं। हाल के दिनों में बहुजन राजनीति की प्रमुख नेता मायावती से जुड़ा एक कथित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस कथन की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई लेकिन उससे पैदा हुई प्रतिक्रिया ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भारत में जाति केवल सामाजिक संरचना नहीं बल्कि राजनीतिक चेतना का सबसे संवेदनशील विषय बनी हुई है।

यहां बहस का केंद्र केवल एक बयान नहीं है। वास्तविक प्रश्न कहीं बड़ा है। क्या भारत अभी भी जातीय राजनीति के उसी चक्र में घूम रहा है जहां समाज को नागरिकों के रूप में नहीं बल्कि वोट समूहों के रूप में देखा जाता है? क्या सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीति और राजनीति के नाम पर सामाजिक विभाजन का दौर अभी भी जारी है? और क्या देश अब उस मोड़ पर पहुंच चुका है जहां उसे जाति और राजनीति के संबंध पर ईमानदार पुनर्विचार करना चाहिए?

भारतीय लोकतंत्र की एक बड़ी विडंबना यह रही है कि सामाजिक न्याय और चुनावी गणित कई बार एक-दूसरे में इस तरह घुल गए कि दोनों के बीच की रेखा धुंधली हो गई। आरक्षण की व्यवस्था एक ऐतिहासिक आवश्यकता थी। इसका उद्देश्य सदियों से वंचित समुदायों को अवसर देना था। यह केवल नीति नहीं बल्कि सामाजिक सुधार का प्रयास था लेकिन समय के साथ राजनीति ने इसे एक नए आयाम में बदल दिया। आज चुनावी विश्लेषण में विकास से पहले जातीय गणित की चर्चा होती है। उम्मीदवार चुनने से लेकर गठबंधन तक, भाषणों से लेकर रणनीति तक, सब कुछ जातीय समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। यह स्थिति केवल राजनीतिक नहीं, सामाजिक चिंता का विषय भी है। यह भी सच है कि सामाजिक असमानता का प्रश्न अभी समाप्त नहीं हुआ है। देश के अनेक हिस्सों में आज भी अवसरों और प्रतिनिधित्व की असमानता मौजूद है। इसलिए सामाजिक न्याय की आवश्यकता को नकारा नहीं जा सकता। लेकिन उतना ही बड़ा प्रश्न यह भी है कि क्या समाज को स्थायी रूप से जातीय पहचान के आधार पर परिभाषित करते रहना समाधान है? पिछले कुछ वर्षों में एक और विमर्श उभरा है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, विशेषकर सवर्ण समाज के गरीब तबकों को लेकर चर्चा बढ़ी है।

आर्थिक आधार पर आरक्षण की व्यवस्था इसी बदलती सोच का परिणाम मानी गई। इसके बाद प्रश्न और तीखा हो गया-क्या भविष्य की नीतियां जाति आधारित होंगी या आर्थिक स्थिति और अवसर आधारित? यह प्रश्न केवल आरक्षण का नहीं है। यह भारत की सामाजिक दिशा का प्रश्न है। इस पूरे विवाद का एक चिंताजनक पक्ष सोशल मीडिया भी है। आज एक तस्वीर, एक कथित बयान या एक अपुष्ट पोस्ट कुछ घंटों में राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन जाती है।

कई बार सत्य बाद में आता है और प्रतिक्रिया पहले। यह लोकतंत्र के लिए चुनौती है। किसी भी समाज में भावनात्मक प्रतिक्रिया तथ्यात्मक समझ की जगह लेने लगे तो भ्रम और ध्रुवीकरण बढ़ना तय है। भारत को इस समय सबसे अधिक आवश्यकता राजनीतिक शोर से ऊपर उठकर गंभीर सामाजिक संवाद की है। देश को यह तय करना होगा कि क्या वह जातीय पहचान की राजनीति को भविष्य का आधार बनाएगा या समान अवसर, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाएगा। सबसे बड़ा प्रश्न राजनीतिक दलों से भी है। क्या वे समाज को जोड़ने की राजनीति करेंगे या समाज को छोटे-छोटे खांचों में बांटकर चुनावी लाभ लेते रहेंगे? और उससे भी बड़ा प्रश्न समाज से है-क्या हम स्वयं अपनी पहचान को नागरिकता से ऊपर जाति में देखना बंद करेंगे?

आधुनिकता के दौर में गुम होता बचपन

श्याम कुमार कोलारे

"बचपन की मस्ती, खेलती-कूदती किलकारियाँ आखिर किसे पसंद नहीं होतीं! बच्चों का मासूम स्वरूप देखकर हर किसी का मन भावविभोर हो उठता है। उनकी निश्छल मुस्कान और खिलखिलाहट जीवन की सारी थकान को पल भर में दूर कर देती है। बच्चों की मासूम हरकतें घर-आँगन में खुशियों और उत्साह का वातावरण बना देती हैं। यही कारण है कि बच्चों का बचपन केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि उनके माता-पिता, अभिभावकों और पूरे परिवार के लिए भी सुख और आनंद का स्रोत होता है। बच्चों की हँसी में एक ऐसी पवित्रता होती है, जो हर मन को सुकून देती है। उनका निस्वार्थ प्रेम, जिज्ञासा और चंचलता जीवन को नई ऊर्जा प्रदान करती है।"

बचपन के खेल भी बड़े निराले होते हैं, न कोई नियम, न कोई डर, बस खेल ही खेल। वास्तव में बचपन जीवन का सबसे सुंदर, सरल और निष्कपट समय होता है। यह वह अवस्था है जब बच्चा छोटी-छोटी बातों में खुशियां ढूंढ लेता है। मिट्टी में खेलना, दोस्तों के साथ दौड़ना, बारिश में भीगना, पेड़ पर चढ़ना, पतंग उड़ाना और बिना किसी चिंता के हंसना; यही बचपन की सच्ची पहचान है। बचपन की यही यादें जीवनभर मनुष्य के मन में बसी रहती हैं और कठिन समय में भी चेहरे पर मुस्कान ले आती हैं। यदि बचपन सुखद, सुरक्षित और आनंदमय हो तो उसका प्रभाव व्यक्ति के पूरे जीवन पर पड़ता है। बचपन में मिले संस्कार, सीख और अनुभव ही मनुष्य के व्यक्तित्व की नींव बनते हैं। यही कारण है कि बचपन को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण काल माना जाता है। बच्चा एक कच्ची मिट्टी की तरह होता है, जिसे जिस प्रकार ढाला जाए, वह उसी रूप में विकसित हो जाता है। इसलिए बच्चों को सही वातावरण, उचित मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन मिलना अत्यंत आवश्यक है। बच्चों के जीवन में सबसे पहली और महत्वपूर्ण भूमिका परिवार निभाता है। वैसे देखा जाए तो आज भी बचपन गाँव मे दिख जाएगा जहाँ किसी पेड़ के नीचे या खुले मैदान मे बच्चे कंचे, कबड्डी, गेंद-गढ़ा, गिल्ली-ड़डा खेलते हुए नजर आ जाएंगे । गाँव का खुलापन एवं सादगी भरी जिंदगी बच्चों को उनके अनुरूप खुलापन एवं आवश्यक माहौल प्रदान करता है। वही अधिकतर शहर में सड़कों के घिरा क्षेत्र, बहुमंजिला इमारत ये सब बच्चों के खेल एवं बचपन की मस्ती को सीमित करते है। बड़े शहर मे बच्चों का बचपन चार दीवारी तक सीमित रह जाता है। इसका बचपन शहर की भीड़ वाली व्ययस्थतम गलियों एवं बहुमंजिल इमारत में कांही गुम हो जाता है ।

माता-पिता बच्चे के पहले शिक्षक होते हैं। बच्चा घर में ही बोलना, चलना, व्यवहार करना और दूसरों के प्रति सम्मान रखना सीखता है। यदि घर का वातावरण प्रेमपूर्ण और सकारात्मक हो तो बच्चा आत्मविश्वासी और संवेदनशील बनता है। माता-पिता का स्नेह बच्चों को मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। जब माता-पिता बच्चों की बातें ध्यान से सुनते हैं, उन्हें प्रोत्साहित करते हैं और उनके साथ समय बिताते हैं, तब बच्चों का भावनात्मक विकास बेहतर होता है। घर के अन्य सदस्य जैसे दादा-दादी, भाई-बहन और रिश्तेदार भी बच्चों को संस्कार और जीवन की सीख देते हैं। दादा-दादी की कहानियां बच्चों को नैतिक मूल्यों और अच्छे व्यवहार की प्रेरणा देती हैं। संयुक्त परिवार में पलने वाले बच्चे आपसी सहयोग, बड़ों का सम्मान और रिश्तों की अहमियत को अच्छे से समझते हैं। पड़ोस और समाज भी बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। बच्चे अपने आसपास के वातावरण को देखकर सीखते हैं। अच्छे मित्र और स्वस्थ सामाजिक वातावरण बच्चों में सहयोग, अनुशासन और सामाजिकता की भावना विकसित करते हैं। पहले बच्चे खुले मैदानों में कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट और अन्य खेल खेलते थे। इन खेलों से उनका शारीरिक और मानसिक विकास होता था। खेल बच्चों को हार-जीत को स्वीकार करना और टीम के साथ काम करना सिखाते हैं। विद्यालय बच्चों के जीवन का दूसरा महत्वपूर्ण आधार होता है। स्कूल केवल शिक्षा देने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है। यहां बच्चा अनुशासन, समय का महत्व, सामाजिक व्यवहार और जिम्मेदारी सीखता है। शिक्षक बच्चों को केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। एक अच्छा शिक्षक बच्चे की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा प्रदान करता है। विद्यालय बच्चों को समाज में सामंजस्य बनाकर जीने की कला सिखाता है। बचपन के सही विकास के लिए संसाधनों का होना भी बहुत आवश्यक है। संसाधनों का अर्थ केवल धन या महंगी वस्तुएं नहीं, बल्कि पौष्टिक भोजन, अच्छी शिक्षा, खेलने का अवसर, स्वास्थ्य सुविधा, सुरक्षा और प्रेम भी है। हर बच्चे को अपनी रुचि के अनुसार सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। बच्चों को ऐसा वातावरण मिलना चाहिए जहां वे बिना डर के अपने सपनों को जी सकें। लेकिन आज के समय में अनेक ऐसे अवरोध और रुकावटें हैं जो बच्चों के स्वाभाविक बचपन को प्रभावित कर रही हैं। गरीबी इनमें सबसे बड़ी समस्या है। आज भी कई बच्चे आर्थिक तंगी के कारण स्कूल जाने के बजाय मजदूरी करने को मजबूर हैं। कोई बच्चा होटल में बर्तन धोता दिखाई देता है तो कोई ईंट-भट्टों या खेतों में काम करता है। जिन हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए, उनमें जिम्मेदारियों का बोझ आ जाता है। ऐसे बच्चे अपने बचपन का आनंद नहीं ले पाते। कुछ बच्चों का बचपन पारिवारिक झगड़ों और घरेलू हिंसा के कारण प्रभावित होता है। घर में रोज़ होने वाले विवाद बच्चों के मन में डर और असुरक्षा पैदा करते हैं। इससे उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है और वे धीरे-धीरे आत्मविश्वास खोने लगते हैं। बच्चे जिस वातावरण में रहते हैं, वही उनके मन और व्यवहार पर गहरा असर डालता है। आज मोबाइल और इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग भी बच्चों के बचपन में एक बड़ी बाधा बनता जा रहा है। पहले जहां बच्चे मैदानों में खेलते थे, वहीं अब कई बच्चे घंटों मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। इससे उनका शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है और वे सामाजिक रूप से भी अकेले होते जा रहे हैं। अत्यधिक स्क्रीन समय बच्चों की रचनात्मकता और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। पढ़ाई और प्रतियोगिता का बढ़ता दबाव भी बच्चों के बचपन को सीमित कर रहा है।

3-डी अभियान: बदलाव जो दिखता भी है और बदलता भी है

आरके जैन

जब उत्सव की धुनें खुशियों की जगह चिंता जगाने लगें और परंपरा अपने मूल अर्थ से दूर हो जाए, तब समाज को खुद को देखने की जरूरत होती है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों की पहचान सादगी रही है, लेकिन शादियों में डीजे का शोर, शराब और 'दापा' (दहेज़) जैसी प्रथाओं का दबाव इस गरिमा को प्रभावित कर रहा है। विवाह, जो कभी संस्कार और अपनापन का प्रतीक था, अब कई जगह आर्थिक बोझ बनता जा रहा है। ऐसे समय में जो पहल समाज को सादगी और संस्कार की ओर लौटाए, वह सुधार नहीं, सामाजिक चेतना का पुनर्जागरण बन जाती है। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले का दहेज, दारू और डीजे मुक्त '3-डी अभियान' आज उसी बदलाव की सशक्त मिसाल है।

जब कोई अधिकारी कानून से आगे बढ़कर समाज की सोच बदलने का संकल्प लेता है, तभी बदलाव इतिहास बनता है। बड़वानी के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने '3-डी अभियान' को जनआंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने वर्दी को भय नहीं, विश्वास और संवाद का माध्यम बनाया। झाबुआ से शुरू हुए इस अभियान को उन्होंने बड़वानी में सामाजिक चेतना का आधार बना दिया। वे स्वयं सादगीपूर्ण विवाहों में शामिल होकर परिवारों को सम्मानित भी करते हैं, जिससे लोगों को प्रेरणा मिलती है।

गांव-गांव जाकर वे समझाते हैं कि विवाह दिखावे नहीं, संस्कार और सम्मान का उत्सव है। यही कारण है कि '3-डी अभियान' आज समाज में जागरूकता और स्वाभिमान की पहचान बन चुका है। '3D अभियान' केवल तीन बुराइयों के विरोध की पहल नहीं, बल्कि उस विकृत सोच के खिलाफ सामाजिक जागरण है जिसने विवाह को संस्कार से अधिक बोझ बना दिया था।

गरीब परिवार वर्षों तक कर्ज में डूबते रहे, जमीन गिरवी रखते रहे और कमाई दिखावे में खर्च होती रही। कई घर शादी के बाद भी कर्ज से नहीं निकल पाए। शराब ने खुशियों को विवाद और हिंसा में बदला, जबकि डीजे के शोर ने लोकसंस्कृति को दबा दिया। अब बड़वानी के कई गांवों में विवाह बिना दहेज के हो रहे हैं, बिना शराब के उत्सव सज रहे हैं और ढोल-मांदल की पारंपरिक थाप फिर से सुनाई देने लगी है। सच्चा बदलाव केवल आदतें नहीं बदलता, वह संस्कृति को भी नया जीवन देता है। '3-डी अभियान' की ताकत यही है। आदिवासी समाज की पहचान लोकधुनों, सामूहिक उत्सवों और सादगी में रही है, लेकिन दिखावे की चकाचौंध ने इन्हें हाशिये पर धकेल दिया था। विवाहों में लोकगीतों की जगह शोर और स्थानीय कलाकारों की जगह डीजे ने ले ली थी। '3-डी अभियान' ने इस असंतुलन को चुनौती दी है। अब गांवों में ढोल-मांदल की थाप गूंज रही है, लोकधुनें लौट रही हैं और स्थानीय कलाकारों को सम्मान मिल रहा है। यह पहल केवल कुरीतियों के खिलाफ अभियान नहीं, बल्कि आदिवासी सांस्कृतिक अस्मिता के पुनर्जागरण का सशक्त प्रयास बन चुकी है। समाज जब स्वयं बदलाव का प्रहरी बन जाए, तभी क्रांति जन्म लेती है। '3-डी अभियान' की सबसे बड़ी शक्ति यही जनभागीदारी है। '3-डी अभियान' अब केवल सोच नहीं बदल रहा, बल्कि समाज का व्यवहार भी बदल रहा है। जिन विवाहों में कभी शराब, विवाद और तनाव हावी रहते थे, वहां अब सादगी, अनुशासन और आत्मीयता दिखाई देने लगी है। परिवार कर्ज के बोझ से राहत महसूस कर रहे हैं और नई दुल्हनें आर्थिक दबाव नहीं, सम्मान के साथ नए जीवन में कदम रख रही हैं। लोग समझने लगे हैं कि दिखावे की चमक क्षणिक होती है, लेकिन उसके लिए लिया गया कर्ज वर्षों तक परिवारों को भीतर से तोड़ता रहता है। ऐसे में सादगीपूर्ण विवाह अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन, सम्मान और जागरूकता की नई पहचान बनते जा रहे हैं।

बड़वानी में '3-डी अभियान' ने पुलिस और समाज के रिश्तों की तस्वीर बदल दी है। यहां वर्दी केवल कानून की ताकत नहीं, सामाजिक विश्वास का प्रतीक बनी है। जिस पुलिस को अक्सर डर और दूरी से जोड़ा जाता था, वही अब गांवों की चौपालों में बैठकर कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण कर रही है। संवाद और संवेदना को आधार बनाकर पद्मविलोचन शुक्ल ने पुलिस को समाज सुधार की शक्ति में बदल दिया है। उन्होंने साबित किया कि प्रशासन की सबसे बड़ी सफलता केवल अपराध नियंत्रण नहीं, बल्कि लोगों में भरोसा, सम्मान और जागरूकता जगाना है। बड़वानी का यह मॉडल आज कम्युनिटी पुलिसिंग की प्रेरक मिसाल बन चुका है।

समाज तब मजबूत बनता है, जब उसकी परंपराएं बोझ नहीं, सम्मान का आधार बनें। बड़वानी का '3-डी अभियान' इसी बदलाव की प्रभावी शुरुआत है। यदि यह मॉडल देशभर में अपनाया जाए, तो यह केवल शादियों का स्वरूप नहीं, सामाजिक सोच भी बदल सकता है। आज भी दहेज, शराब और दिखावे की परंपरा गरीब परिवारों को कर्ज और तनाव में धकेल रही है। बेटियों के विवाह कई घरों के लिए आर्थिक संघर्ष बन जाते हैं, जबकि नशा और शोर सामाजिक वातावरण को खोखला करते हैं। ऐसे में '3-डी अभियान' केवल कुरीतियों के खिलाफ मुहिम नहीं, बल्कि सादगी, सम्मान और सामाजक संतुलन का संदेश है। यह समाज को बताता है कि विवाह बोझ नहीं, संस्कार होना चाहिए। गहरी जमी परंपराओं से टकराता हर बदलाव आसान नहीं होता, लेकिन वही समाज को नई दिशा देता है।

लो फिर से नीट का पेपर लीक हो गया

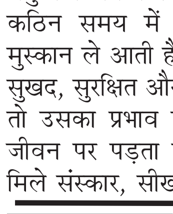

डॉ. सुरेश कुमार

माँ की कलाई पर अब वह स्वर्ण-वृत्त नहीं था जो कभी समय और संस्कार की गवाही देता था। वहाँ सिर्फ सफेद निशान थे जो अभाव की नई लिपि लिख रहे थे। पिता के जाने के बाद घर की छत तो नहीं गिरी पर दीवारें संकरी हो गईं। माँ की आँखों के नीचे जो काले घेरे थे वे महज नींद की कमी नहीं थे बल्कि उन आंसुओं के सूखे हुए तालाब थे जिन्हें उन्होंने बेटे के भविष्य की खातिर पी लिया था। घर का सारा सोना अब कोचिंग संस्थान की तिजोरी में पीला पड़ चुका था। बेटा घर से नहीं निकला था बल्कि एक उम्मीद निकली थी जिसे सिस्टम के कसाईखाने में हलाल होने के लिए भेजा गया था। माँ कहती थी कि तू बस पढ़ना बेटा। बेटा पढ़ता रहा और माँ के हाथ खाली होते रहे यहाँ तक कि चूड़ियाँ भी उस रेस के घोड़े पर दाँव लगा दी गईं। सत्ता की कुर्सी पर बैठे लोगों के लिए नैतिकता महज एक चुनावी जुमला है। जब ईमान ही किस्तों पर बिकता हो तो प्रश्नपत्र की कीमत क्या होगी। त्याग और तपस्या का फल अक्सर व्यवस्था के गटर में बह जाता है। आँखों का पानी मर जाए तो शासन की चमक बढ़ जाती है। शिक्षा अब मोक्ष का मार्ग नहीं बल्कि नीलामी का चबूतरा है।

कोचिंग की दीवारें जेल की उन सलाखों जैसी थीं जहाँ कैदी खुद अपनी मर्जी से अंदर जाता है और अपनी आत्मा को बाहर गिरवी रख देता है। लड़का उस मशीन का हिस्सा बन गया जहाँ सपनों को कुचलकर रैंक बनाई जाती थी। उसके कमरे में बिखरी हुई किताबों के पन्ने उसे अपनी ही चमड़ी जैसे लगते थे। जब नीट का पेपर हुआ तो उसे लगा कि वह अपनी माँ की सूनी कलाइयों का हिसाब चुकता कर देगा। परीक्षा केंद्र पर उसकी ऐसी तलाशी ली गई जैसे वह बम लेकर जा रहा हो। जूतों से लेकर बेल्ट तक उतरवा लिए गए। उसे लगा कि इतनी शुचिता है तो अंदर सच ही होगा। उसे क्या पता था कि शुचिता सिर्फ बाहर खड़े दरबानों के लिए है और अंदर का दरवाजा तो पहले ही नोटों की गड्डियों से खोला जा चुका है। सत्य को नग्न करने के लिए जाँच कमिटी का पर्दा ही काफी है। जाँच कमिटी वह लोरी है जो व्यवस्था जनता को सुलाने के लिए सुनाती है। तंत्र की ईमानदारी सिर्फ निर्धन की जेब तक सीमित है। ऊँचे पदों पर बैठे लोगों के लिए न्याय एक सौदेबाजी का नाम है। जहाँ प्रश्नपत्र बिकते हों वहाँ मेधा दम तोड़ देती है।

फिर वह खबर आई जिसने हवाओं का रुख मोड़ दिया। पेपर लीक हो गया। मंत्री जी टीवी पर आए और बड़ी गंभीरता से बोले कि हम एक उच्चस्तरीय जाँच कमिटी बिठा रहे हैं। उनकी नाटकीयता देखकर लगा कि शायद वे अपनी ही लाश पर विलाप कर रहे हैं। कमिटी का गठन ऐसे हुआ जैसे किसी फटे हुए कपड़े पर रेशम का पैबंद लगाया जा रहा हो। लड़का हतप्रभ था। उसे वह दृश्य याद आ रहा था जब उसकी तलाशी ली जा रही थी। उसे लगा कि यदि सिस्टम इतना ही पारदर्शी है तो उसकी आत्मा तक क्यों नहीं झाँक पाया जहाँ गरीबी की सड़न थी। उसका मानसिक संतुलन उस पतंग की तरह कट गया जिसकी डोर भ्रष्टाचार के खंभे में उलझ गई थी। व्यवस्था का सबसे बड़ा नाटक उसकी निष्पक्षता का ढोंग है। कमेटियाँ समस्याओं को सुलझाने के लिए नहीं बल्कि उन्हें दफनाने के लिए बनती हैं। भ्रष्टाचार जब शिष्टाचार बन जाए तो समझो देश तरक्की कर रहा है। राजनीति में आँसू भी स्क्रिप्ट के हिसाब से बहते हैं। न्याय की देवी अंधी नहीं बस रईसों के इशारे पर नाचती है। लड़के ने माँ की ओर देखा और उसे अपनी आँखों के नीचे का काला तालाब और गहरा होता महसूस हुआ। उसे लगा कि वह खुद एक ओएमआर शीट है जिसे व्यवस्था ने गलत भर दिया है। वह सड़कों पर पागलों की तरह घूमने लगा और हर खंभे से पूछता कि क्या तुम्हारे पास भी कोई लीक हुआ सच है।

मथुरा का ऐसा रहस्यमयी मंदिर

जहां रात होते ही खाली हो जाता है पूरा इलाका

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनसे जुड़ी कहानियां लोगों को हैरान कर देती हैं। उन्हीं में से एक है निधिवन। वृंदावन में मौजूद यह जगह सिर्फ पूजा-पाठ के लिए ही नहीं, बल्कि अपने रहस्य की वजह से भी काफी मशहूर है। यहां के बारे में कहा जाता है कि रात होते ही मंदिर परिसर में कुछ ऐसा होता है, जिसकी वजह से शाम के बाद यहां किसी को भी रुकने नहीं दिया जाता। यही कारण है कि दूर-दूर से लोग इस जगह को देखने और इसके रहस्य के बारे में जानने पहुंचते हैं।

निधिवन की सबसे दिलचस्प बात यह है कि शाम की आरती के बाद पूरा परिसर खाली करा दिया जाता है। मंदिर के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और कोई भी व्यक्ति अंदर नहीं रुकता। यहां तक कि आसपास रहने वाले लोग भी रात में इस जगह की तरफ नहीं देखते। मान्यता है कि रात में यहां राधा और कृष्ण रास रचाने आते हैं। इसलिए लोग इस समय वहां मौजूद रहने से बचते हैं।

पेड़ों को लेकर भी है अजीब मान्यता

निधिवन में लगे तुलसी के पेड़ भी काफी अलग दिखते हैं। ये सामान्य पेड़ों की तरह सीधे नहीं होते, बल्कि एक-दूसरे में उलझे हुए नजर आते हैं। लोगों का मानना है कि रात में यही पेड़ गोपियों का रूप ले लेते हैं और सुबह फिर से पेड़ बन जाते हैं। भले ही यह बात सुनने में फिल्मी लगे, लेकिन यहां आने वाले कई लोग इस पर पूरी श्रद्धा रखते हैं।

रात में गायब हो जाते हैं पक्षी और जानवर

दिन में यहां बंदर, पक्षी और श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहती है, लेकिन जैसे ही शाम होती है, पूरा इलाका शांत हो जाता है। कहा जाता है कि रात में यहां कोई जानवर भी नहीं रुकता। यही चीज इस जगह को और ज्यादा रहस्यमयी बना देती है।

लोग आज भी मानते हैं इन बातों को सच

कई लोग इन बातों को आस्था से जोड़कर देखते हैं, तो कुछ लोग इसे सिर्फ मान्यता मानते हैं। हालांकि इसके पीछे कोई पक्का वैज्ञानिक सबूत नहीं है, लेकिन फिर भी यहां के नियम आज भी वैसे ही माने जाते हैं। यही वजह है कि निधिवन आज भी भारत की सबसे रहस्यमयी जगहों में गिना जाता है।

राजस्थान का 1000 साल पुराना सहस्रबाहु मंदिर

कैसे बन गया सास-बहू मंदिर?

देश-दुनिया में नारायण के दशावतार को समर्पित कई भव्य व प्राचीन मंदिर मिल जाएंगी, लेकिन राजस्थान के उदयपुर से मात्र 22 किलोमीटर दूर नागदा गांव में स्थित नारायण के 'सहस्त्रबाहु' अवतार को समर्पित एक ऐसा प्राचीन मंदिर है, जिसका नाम भी मजेदार है और हैरत में डालता है। 'सास-बहू मंदिर' ना सिर्फ अपनी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि अपने अनोखे नाम के कारण भी लोगों की जिज्ञासा का विषय बना हुआ है। मंदिर की दीवारों पर रामायण के दृश्यों, देवी-देवताओं और दिव्य प्राणियों की सुंदर नक्काशी देखते ही बनती है। एएसआई ने इस पूरे परिसर को संरक्षित स्मारक घोषित किया है और यहां 360 डिग्री वर्चुअल टूर की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

1000 साल पुराना सास-बहू मंदिर

यह मंदिर भगवान विष्णु के सहस्त्रबाहु यानी हजार भुजाओं वाले स्वरूप को समर्पित है, लेकिन समय के साथ इसका नाम 'सास-बहू' मंदिर के रूप में प्रचलित हो गया। जानकारी के अनुसार इस भव्य मंदिर का निर्माण 10वीं शताब्दी के अंत में कच्छपघात राजवंश के राजा महिपाल और रत्नपाल द्वारा बनवाया गया था। लगभग 1000 वर्ष पुराना यह मंदिर 'नागर' वास्तुकला शैली का उत्कृष्ट नमूना है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित यह स्थल अपनी बारीक नक्काशी, जटिल मूर्तिकला और शानदार वास्तुकला के लिए जाना जाता है।

भगवान विष्णु का सहस्त्रबाहु मंदिर

भारत सरकार के अतुल्य भारत पोर्टल पर मंदिर के नाम व निर्माण आदि के बारे में विस्तार से जानकारी मिलती है, जिसके अनुसार, मंदिर का मूल नाम 'सहस्त्रबाहु' था, जिसका अर्थ है 'हजार भुजाओं वाला'। यह भगवान विष्णु के उस दिव्य स्वरूप को समर्पित है, जिसमें उन्हें हजार भुजाएं प्राप्त थीं। समय के साथ नाम का अपभ्रंश हो गया और उच्चारण में आसानी के कारण सहस्त्रबाहु नाम सरल भाषा में सास-बहू बन गया।

सास और बहू दोनों के अलग अलग मंदिर

परिसर में दो मुख्य मंदिर हैं बड़ा मंदिर 'सास' और छोटा मंदिर 'बहू' के नाम से जाना जाता है। 'सास' मंदिर के चारों ओर दस छोटे मंदिर हैं, जबकि 'बहू' मंदिर में पांच छोटे मंदिर स्थित हैं, जो वास्तुकला का अद्भुत नमूना भी कहा जाता है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही पूर्व दिशा में बना सुंदर 'मकर-तोरण' ध्यान आकर्षित करता है। दोनों मंदिरों का लेआउट लगभग एक समान है। इनमें पंचरथ गर्भगृह, अंतराल, सभा-मंडप और बरामदा शामिल हैं। बाहरी दीवारों पर भगवान ब्रह्मा, शिव, विष्णु, राम, बलराम और परशुराम की मूर्तियां बनी हैं। दीवारों पर रामायण के दृश्यों, देवी-देवताओं और दिव्य प्राणियों की सुंदर नक्काशी देखते ही बनती है।

छोटा मंदिर विशेष रूप से आकर्षक

इसके अलावा, मंदिर परिसर के उत्तर-पूर्व में स्थित एक छोटा मंदिर विशेष रूप से आकर्षक है, जिस पर पत्थर का सुंदर शिखर बना हुआ है। छोटी-छोटी ताखों में ब्रह्मा, शिव और विष्णु की मूर्तियां स्थापित हैं। यह मंदिर परिसर ना सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राजस्थान की प्राचीन वास्तुकला और कला को जीवंत रखने वाला एक जीता-जागता प्रमाण भी है। यह पर्यटन के लिहाज से भी आकर्षक है और यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

360 डिग्री वर्चुअल टूर की भी सुविधा

पहाड़ियों और खजूर के पेड़ों से घिरा यह स्थल बेहद शांत और मनमोहक वातावरण प्रदान करता है। खास बात है कि सास-बहू मंदिर एकलिंगजी मंदिर से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पास ही बघेला झील के किनारे अद्भुतजी शांतिनाथ जैन मंदिर भी है। एएसआई ने इस पूरे परिसर को संरक्षित स्मारक घोषित किया है और यहां 360 डिग्री वर्चुअल टूर की सुविधा भी उपलब्ध कराई है, जिससे दूर बैठे लोग भी इसकी भव्यता का आनंद ले सकते हैं।

राजा का प्रस्ताव ठुकराकर कैसे दार्शनिक ने सिखाया स्वतंत्रता का असली अर्थ

चीन के एक दार्शनिक नदी के किनारे मस्ती में बैठे थे। तभी वहां से राजा दरबारियों के साथ गुजरे। उन्होंने दार्शनिक को देखा और उनसे बातचीत की। राजा उनके ज्ञान और विद्वता से बहुत प्रभावित हुए। महल पहुंचते ही राजा ने दूत भेज कर उनको निमंत्रण भिजवाया।

जब दार्शनिक राजमहल पहुंचे तो राजा ने कहा, "मैं आपके व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित हूं, अतः मैं आपको इस राज्य के प्रधानमंत्री का पद देना चाहता हूं। दार्शनिक राजा की बात बड़े ध्यान से सुन रहे थे, साथ ही राजा के कक्ष में रखी इधर-उधर की चीजों पर नजर भी दौड़ा रहे थे। अचानक ही दार्शनिक की दृष्टि राजा के कक्ष में कछुए की मूर्ति पर पड़ी। दार्शनिक ने कहा, "राजन, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।" राजा ने कहा, "पूछिए।"

दार्शनिक ने कहा, "आपके इस कक्ष में जो यह कछुए की मूर्ति रखी है, अगर इसमें प्राणों का संचार हो जाए तो क्या यह कछुआ आपके महल में रहना पसंद करेगा?"

राजा ने कहा, "नहीं, यह तो पानी का जीव है, पानी में ही रहना चाहेगा।"

दार्शनिक ने कहा, "तो क्या मैं इस कछुए से भी ज्यादा मूर्ख हूं, जो अपना आजादी व खुशहाली भरा जीवन छोड़कर यहां आपके महल में परतंत्रता और जिम्मेदारियों के कांटों का ताज पहन कर जीने को तैयार हो जाऊंगा?

बंधन में बांधने वाला यह प्रधानमंत्री पद मुझे नहीं चाहिए।" दार्शनिक के विचार सुनकर राजा ने कहा, "आप विचारों से ही नहीं आचरण से भी पूर्ण दार्शनिक हैं।"

किस्मत चमकाता और बर्बादी भी लाता है हीरा?

बर्थ डेट से जानें किसे पहनना चाहिए डायमंड और कौन इससे दूर रहें?

हीरा शुक्र ग्रह का रत्न है, जो ज्योतिष और अंक ज्योतिष में ऐश्वर्य, सुंदरता, प्रेम, आकर्षण और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि हीरा पहनने से जीवन में सकारात्मकता, आत्मविश्वास, आर्थिक वृद्धि और रिश्तों में सामंजस्य आता है। लेकिन ज्योतिषियों और अंकशास्त्रियों के अनुसार, हीरा हर किसी के लिए नहीं होता। अगर आप यूं ही हीरा पहन लेते हैं तो सावधान हो जाएं क्योंकि इसके धारण करने से नुकसान होने की आशंका भी बनी रहती है।

हीरा सिर्फ खूबसूरती और शानो-शौकत की निशानी नहीं बल्कि ज्योतिष के अनुसार भाग्य बदलने वाली शक्तिशाली रत्न मानी जाती है। लेकिन हर किसी के लिए हीरा शुभ हो, यह जरूरी नहीं। माना जाता है कि जन्मतिथि और कुंडली में शुक्र की स्थिति के आधार पर हीरा पहनने की सलाह दी जाती है। सही व्यक्ति द्वारा सही तरीके से पहना गया हीरा तरक्की, आकर्षण, वैवाहिक सुख और आर्थिक लाभ दिला सकता है, जबकि गलत व्यक्ति के लिए यही हीरा विवाद, कर्ज, रिश्तों में तनाव और मानसिक परेशानियां बढ़ा सकता है। आइए जन्मतिथि के माध्यम से जानते हैं किन लोगों को हीरा पहनना चाहिए और कौन लोग हीरा से दूर ही नहीं बहुत दूर रहें।

मूलांक 1 – जिनका जन्म किसी भी माह की 1, 10, 19 या 28 तारीख को हुआ हो तो उनका मूलांक 1 होता है। इस मूलांक के स्वामी ग्रहों के राजा सूर्यदेव हैं। ज्योतिषियों का मानना है कि मूलांक 1 वालों को हीरा पहनना बेहद कल्याणकारी माना जाता है। हीरा पहनने से इन्हें पहचान, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मकता मिलती है। सूर्य के स्वामित्व वाले इस मूलांक के लिए हीरा आत्मविश्वास और शालीनता का संतुलन बनाता है।

मूलांक 2 – जिनका जन्म किसी भी माह की 2 में 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ हो तो उनका मूलांक 2 है। इस मूलांक के स्वामी मन व माता के कारक ग्रह चंद्र देव हैं। मूलांक 2 वाले चंद्रमा की वजह से काफी भावुक और संवेदनशील होते हैं। अंक ज्योतिष विशेषज्ञों के अनुसार, हीरा पहनने से इन्हें भावनात्मक संतुलन, शांति, मानसिक स्पष्टता और आत्म-सम्मान मिलता है।

मूलांक 6 - जिनका जन्म किसी भी महीने की 6, 15 या 24 तारीख को हुआ हो, उनका मूलांक 6 है और इस मूलांक के स्वामी स्वयं शुक्र ग्रह हैं। शुक्र ग्रह की वजह से मूलांक 6 वालों के लिए हीरा का धारण करना शुभ माना जाता है। इन लोगों के लिए हीरा पहनना आकर्षण, रचनात्मकता, ऐश्वर्य और रिश्तों में स्थिरता बढ़ा सकता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाने और सफलता दिलाने में भी मददगार माना जाता है।

मूलांक 7 – जिनका जन्म किसी भी माह की 7, 16 या 25 तारीख को हुआ हो, उनका मूलांक 7 होता है और इस मूलांक के स्वामी छाया ग्रह केतु हैं। मूलांक 7 वालों को आध्यात्मिक, विचारशील और अंतर्ज्ञानी माना जाता है। अंक ज्योतिष के अनुसार, मूलांक 7 वालों को हीरा पहनने से इनकी रचनात्मकता बढ़ती है और जीवन में अच्छे अवसर मिलते हैं। साथ ही कई परेशानियों से राहत भी मिलती है।

कौन नहीं पहनें हीरा? – अंक ज्योतिष की मान्यताओं के अनुसार, मूलांक 8 और मूलांक 9 वाले लोगों को हीरा पहनने से पहले ज्योतिषी या अंकशास्त्री से सलाह लेनी चाहिए। इन अंकों के स्वामी शनि और मंगल देव हैं और हीरा इनकी ऊर्जा के अनुकूल नहीं माना जाता। ये मान्यताएं ज्योतिष और अंक ज्योतिष की परंपराओं से ली गई हैं, जबकि बहुत से लोग हीरा सिर्फ उसकी सुंदरता और आकर्षण के लिए भी पहनते हैं। हीरा आज भी सबसे प्रसिद्ध रत्नों में से एक है और दुनिया भर में आध्यात्मिक कारणों या स्टाइल के लिए सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

अच्छी बातों को जीवन में अपनाना क्यों जरूरी है?

अनेक बार कुछ जिज्ञासु महात्मा बुद्ध का प्रवचन सुनने के बाद उनसे व्यक्तिगत रूप से भी मिलने आया करते थे। महात्मा बुद्ध उनकी समस्या का समाधान करते थे। एक व्यक्ति महात्मा बुद्ध के पास आकर बोला, ''मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है?''

महात्मा बुद्ध ने पूछा, ''यह बताओ, तुम कहां के रहने वाले हो?'' उस व्यक्ति ने कहा ''श्रावस्ती।''

महात्मा बुद्ध ने पूछा, ''श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है?'' उसने दूरी बताई। महात्मा बुद्ध ने पूछा, ''तुम वहां कैसे जाते हो?''

व्यक्ति ने कहा, ''कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।''

महात्मा बुद्ध ने फिर प्रश्न किया, ''कितना समय लगता है?''

उसने हिसाब लगाकर समय बताया। महात्मा बुद्ध ने कहा, ''यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो?''

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा, ''यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। वहां पहुंचने के लिए कोई वाहन तो चाहिए ही।''

महात्मा बुद्ध बोले, ''यानी लक्ष्य तक पहुंचने के लिए वहां पहुंचने का प्रयत्न करना आवश्यक है। इसी तरह अच्छी बातों और ज्ञान का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।'' उस व्यक्ति ने कहा कि भगवन अब मैं आपकी बात पूरी तरह समझ गया। अब मैं आपके उपदेश को जीवन में उतारने का प्रयास करूंगा।

पुष्कर सरोवर में सिक्का डालने से पूरी होती है मनोकामना?

दुनिया भर से आते हैं श्रद्धालु

पुष्कर सरोवर से जुड़ी एक मान्यता लोगों के बीच काफी मशहूर है कि यहां सिक्का डालकर मनोकामना मांगने से इच्छा पूरी होती है। यही वजह है कि हर साल हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं और आस्था के साथ सरोवर में सिक्का अर्पित करते हैं। इस परंपरा के पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ पुराने समय की कुछ वैज्ञानिक वजहें भी बताई जाती हैं।

पुष्कर सरोवर राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित एक बेहद प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जिसे हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थों में गिना जाता है। हर साल यहां हजारों श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए पहुंचते हैं। लोगों का मानना है कि इस पवित्र सरोवर में स्नान करने से मन को शांति मिलती है और इंसान अपने पापों से मुक्ति पा सकता है। यही वजह है कि यहां आने वाले कई लोग सरोवर में सिक्का डालकर अपनी मनोकामना भी मांगते हैं।

पुष्कर सरोवर में सिक्का डालने की परंपरा काफी पुरानी मानी जाती है। कई लोग इसे आस्था और शुभता से जोड़कर देखते हैं। माना जाता है कि सच्चे मन से इच्छा मांगकर सिक्का अर्पित करने से भगवान का आशीर्वाद मिलता है। हालांकि इसके पीछे एक पुरानी वैज्ञानिक सोच भी बताई जाती है। पहले के समय में तांबे के सिक्के इस्तेमाल होते थे और माना जाता था कि तांबा पानी को शुद्ध रखने में मदद करता है। इसी वजह से लोग पवित्र जल में सिक्के डालते थे।

धार्मिक महत्व की वजह से खास है यह जगह

पुष्कर सिर्फ अपने सरोवर की वजह से ही नहीं, बल्कि ब्रह्मा मंदिर के कारण भी काफी प्रसिद्ध है। यह मंदिर भगवान ब्रह्मा को समर्पित है और देश के सबसे खास मंदिरों में गिना जाता है। यही कारण है कि पुष्कर को धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

क्या सच में पूरी होती है मनोकामना?

इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि सरोवर में सिक्का डालने से इच्छा पूरी हो जाती है। लेकिन श्रद्धालु इसे अपनी आस्था और विश्वास से जोड़कर देखते हैं। कई लोग मानते हैं कि यहां आकर उन्हें मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा महसूस होती है। पुष्कर सरोवर आज भी लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र बना हुआ है। यहां आने वाले श्रद्धालु सिर्फ पूजा के लिए नहीं, बल्कि मन की शांति और सकारात्मक अनुभव के लिए भी पहुंचते हैं। शायद यही वजह है कि यह जगह आज भी लोगों के बीच इतनी खास बनी हुई है।

इसके पीछे का विज्ञान क्या है?

भारत में नदी, कुंड या सरोवर में सिक्के डालने की परंपरा सिर्फ आस्था से नहीं, बल्कि पुराने समय की जरूरतों से भी जुड़ी मानी जाती है। पहले ज्यादातर सिक्के तांबे जैसी धातु से बनते थे और माना जाता था कि तांबा पानी को साफ रखने में मदद करता है। उस समय लोग नदी और कुओं का पानी पीने के लिए इस्तेमाल करते थे, इसलिए पानी को शुद्ध रखना जरूरी होता था। धीरे-धीरे यह आदत धार्मिक परंपरा बन गई और लोग इसे शुभ मानकर मनोकामना या धन्यवाद के रूप में सिक्के डालने लगे। आज भले ही लोग इसे आस्था से जोड़ते हों, लेकिन इसके पीछे इतिहास और पुराने वैज्ञानिक कारण भी बताए जाते हैं।

इलैयाराजा से जुड़े डायलॉग पर आलोचनाओं के बाद 'करुप्पु' के मेकर्स ने मांगी माफी, सीन हटाने को लेकर कही ये बात

सूर्या और तृषा कृष्णन की फिल्म 'करुप्पु' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। लेकिन इस बीच फिल्म के एक डायलॉग को लेकर इसे आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। यह डायलॉग दिग्गज संगीतकार इलैयाराजा के कॉपीराइट विवाद से जुड़ा है। हालांकि, इस मामले में लगातार आलोचनाओं का सामना करने के बाद अब मेकर्स इस डायलॉग को हटाने के लिए तैयार हो गए हैं।

मेकर्स ने खेद जताते हुए हटाया सीन

'करुप्पु' के मेकर्स की ओर से विवादित डायलॉग को फिल्म से हटाने के बारे में जानकारी देते हुए एक विस्तृत बयान जारी किया गया है। मेकर्स की ओर से इस पर खेद जताते हुए अपने इरादे को स्पष्ट किया गया और फिल्म के आगामी वर्जन में बदलाव की घोषणा की गई।

अपने बयान में मेकर्स की ओर से कहा गया कि 'करप्पू' में इलैयाराजा के नाम का उपयोग करने वाला सीन एक संयोगवश हुआ था और इसका उद्देश्य केवल एक मैसेज देना था। टीम का इरादा इलैयाराज की इमेज को चोट पहुंचाना बिल्कुल नहीं था।

बयान में इलैयाराजा को म्यूजिक का बादशाह बताया गया। इसमें आगे कहा गया कि अगर इलैयाराजा, उनसे जुड़े लोग, उनके फैंस या कोई और उस सीन से आहत हुआ है, तो टीम इसके लिए खेद जताती है। इलैयाराजा की भावनाओं का सम्मान करते हुए फिल्म के आगामी वर्जन में संबंधित हिस्से को हटाने या एडिट करने का फैसला लिया गया है।

यह है विवादित डायलॉग और सीन

यह विवादित सीन और डायलॉग 1985 की फिल्म 'अलाई ओसाई' के गीत 'पोरदादा' वाले एक सीन से संबंधित है। इसके बाद इलैयाराजा के बारे में एक डायलॉग आता है। यह डायलॉग संगीतकार और तमिल फिल्मों में उनके गानों के बिना मर्जी इस्तेमाल के खिलाफ उनके चर्चित कॉपीराइट उल्लंघनों पर तंज है। इस डायलॉग की कई फैंस ने ऑनलाइन आलोचना की, जिसके बाद अब मेकर्स ने इसमें बदलाव का फैसला किया है।

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है 'करुप्पु'

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित 'करुप्पू' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म ने वीकेंड खत्म होने तक 147 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। इस फिल्म में सूर्या और तृषा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके अलावा फिल्म में इंद्रन्स और अनाघा माया रवि ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

'यह बड़ा बोरिंग काम है', सैफ अली खान ने बताया क्यों बंद किया प्रोडक्शन हाउस?

सैफ अली खान हाल ही में 'कर्तव्य' फिल्म में नजर आए हैं। फिल्म में उनके काम की प्रशंसा हुई है। बतौर अभिनेता सैफ अली खान लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन बतौर निर्माता सैफ ने कुछ ही फिल्मों के निर्माण के बाद अपने प्रोडक्शन हाउस 'इल्यूमिनाती फिल्म्स' को बंद कर दिया। जबकि सैफ ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले कुछ सफल फिल्में भी बनाईं। अब सैफ अली खान ने प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह बताई है।

यह कष्टदायक काम है

'लव आज कल' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने के बाद सैफ अली खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले 'एजेंट विनोद', 'कॉकटेल', 'गो गोवा गॉन' और 'हैप्पी एंडिंग' जैसी फिल्मों का निर्माण किया। लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस बंद कर दिया। अब सैफ ने स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान इसके पीछे के कारण के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बहुत बोरिंग काम हो सकता है। लेकिन यह बहुत क्रिएटिव है। मुझे एक आइडिया के साथ साउंड और लुक जैसी क्रिएटिव चीजों पर बात करने का आइडिया पसंद है।

मुझे निर्माण करने में मजा आया, लेकिन यह बहुत कष्टदायक भी हो सकता है। इल्यूमिनाती फिल्म्स की सफलता का श्रेय मेरे डिसट्रिब्यूशन पार्टनर, इरोस इंटरनेशनल और मेरे प्रोड्यूसिंग पार्टनर दिनेश विजयन की मैडॉक फिल्म्स को भी जाता है।

समय बदलता रहता है

अभिनेता ने आगे कहा कि समय बदलता रहता है, लोग बदलते रहते हैं। यह हर जगह देखने को मिलता है। दिनेश एक बेहतरीन निर्माता बन गए हैं और यह बहुत अच्छी बात है। हमारा भी एक अच्छा दौर था। मैंने उससे बहुत फायदा कमाया और इसमें इरोस की उस समय की एक्टिविटीज का भी बहुत बड़ा योगदान था। यह एक शानदार मौका था, लेकिन कुछ चीजें हमेशा के लिए बनी रहती हैं।

शाहरुख हैं शानदार निर्माता

सैफ अली खान हाल ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आए हैं। इसका निर्माण शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने किया है। इसको लेकर सैफ ने कहा कि एक निर्माता के तौर पर मैंने फिल्म में कोई पुट नहीं दिया है।

कुछ निर्माताओं की एक अच्छी बात यह होती है कि वे प्रोडक्शन को पूरा स्पेस और स्कोप देते हैं। इस फिल्म को निर्देशक पुलकित ने ही प्रोड्यूस भी किया है। रेड चिलीज का ऐसा करना बहुत उदारतापूर्ण है।

हम कुछ महीनों के लिए पंजाब में एक जगह गए, यहां फिल्म की शूटिंग की और वापस आ गए। शाहरुख के रेड चिलीज को लेकर सैफ ने कहा कि वो जिन विषयों का चयन करते हैं और जिन लोगों को एक साथ लाते हैं, वह वाकई दिलचस्प रहा है, और आगे भी रहेगा। मेरा मानना है कि शाहरुख को सिनेमा से बहुत प्यार है। आप इसे उनके निर्माण में महसूस कर सकते हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल से मौनी रॉय का लुक देख बोलीं जिगरी दोस्त दिशा पाटनी, लेट्स गो गर्ल

मौनी रॉय इन दिनों अपनी निजी जिंदगी में आए उतार-चढ़ाव को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी शादीशुदा जिंदगी बिखर गई है। वे पति सूरज नांबियार से अलग हो रही हैं। इस बारे में खुद मौनी और सूरज साझा बयान जारी कर चुके हैं। इस बीच मौनी फ्रांस में चल रहे कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने पहुंची हैं। दिशा पाटनी ने मौनी का हौसला बढ़ाया है।

दिशा पाटनी ने की मौनी और जैकलीन की तारीफ

कान फिल्म फेस्टिवल में मौनी रॉय और जैकलीन फर्नांडिस दोनों पहुंची हैं। दोनों अदाकाराओं ने सोशल मीडिया पर अपने दिलकश फोटोज शेयर किए। मौनी रॉय और दिशा पाटनी की पक्की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। अक्सर दोनों को साथ में पार्टी करते और आउटिंग पर जाते देखा जाता है। अपनी निजी जिंदगी में उतार-चढ़ाव से गुजर रहीं मौनी जब एक इंटरनेशनल स्टेज पर पहुंचीं तो दिशा ने खूब तारीफ की है। उन्होंने जैकलीन की पोस्ट पर भी रिएक्शन दिया है।

मौनी के पोस्ट पर क्या बोलीं दिशा पाटनी?

बीते दिन मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कान फिल्म फेस्टिवल से अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर कीं। साथ कैप्शन में लिखा- 'कान और केओस।' फोटोज में मौनी ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आईं। साथ ही उन्होंने एक जैकेट भी कैरी की थी, जो उन्होंने हाथों पर रखी हुई थी। मौनी के पोस्ट पर दिशा पाटनी ने कमेंट किया है, 'लेट्स गो गर्ल'।

जैकलीन की तारीफ में कही ये बात

मौनी के साथ-साथ दिशा पाटनी ने जैकलीन फर्नांडिस का हौसला भी बढ़ाया है। जैकलीन ने भी बीते दिन इंस्टाग्राम अकाउंट से कान फिल्म फेस्टिवल का लुक साझा किया। इस पर दिशा पाटनी ने रिएक्शन दिया। उन्होंने लिखा, 'ब्यूटी'। साथ ही रेड हार्ट इमोजी भी बनाए।

अपने पिता कमल हासन की हॉलीवुड फिल्म के लिए यह खास काम करेंगी श्रुति

अभिनेता और राजनेता कमल हासन तमिलनाडु चुनावों में डीएमके का प्रचार खत्म करने के बाद अब वापस फिल्मों में व्यस्त होने जा रहे हैं। चर्चा है कि वे पहली बार एक हॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। उनकी बेटी श्रुति हासन इस फिल्म के लिए एक खास काम करेंगी।

कमल हासन की हॉलीवुड में एंट्री की चर्चा

कमल हासन एक हॉलीवुड फिल्म में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म की कहानी कमल की बेटी श्रुति हासन लिख रही हैं। हालांकि, अभी तक दोनों की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में उनकी अमेरिका यात्रा को स्टंट डायरेक्टर जोड़ी 'अंबरीव' के साथ आने वाली फिल्म से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अब माना जा रहा है कि यह यात्रा उनकी हॉलीवुड फिल्म के सिलसिले में थी।

कमल हासन के आगामी प्रोजेक्ट्स

कमल हासन इस समय कई बड़ी फिल्मों से जुड़े हुए हैं। कमल लगभग 40 साल बाद रजनीकांत के साथ निर्देशक नेल्सन की फिल्म 'KH x RK' में नजर आएंगे। साथ ही वह रजनीकांत की फिल्म 'थलाइवर 173' को भी सपोर्ट कर रहे हैं। इसके अलावा कमल अभिनेता प्रभास और अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'कल्कि 2898 AD' के सीक्वल में भी दिखाई देंगे। चर्चा है कि इस पार्ट में दीपिका पादुकोण की जगह साई पल्लवी नजर आ सकती हैं।

अमेरिका यात्रा और एआई का कोर्स

हाल ही में कमल हासन फिल्म निर्माण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल को सीखने के लिए 45 दिनों के लिए अमेरिका गए थे। वहां उन्होंने एक संस्थान से एआई का कोर्स किया। अपनी यात्रा के दौरान वे 'परप्लेक्सिटी एआई' के मुख्यालय भी गए और उसके सीईओ अरविंद श्रीनिवास से मुलाकात कर इस तकनीक पर चर्चा की।

'जय हो' से पहले डेजी शाह ने ठुकराई थी सलमान खान की हिट फिल्म, ऐसा था भाईजान का रिएक्शन; एक्ट्रेस का खुलासा

डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म 'जय हो' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई थीं। लेकिन सलमान के साथ डेब्यू करने से पहले डेजी शाह ने सलमान खान की एक फिल्म का ऑफर ठुकरा भी दिया था। इसका खुलासा अब खुद डेजी शाह ने किया है।

'बॉडीगार्ड' को मना करने के बाद कमरे में था सन्नाटा

डेजी शाह ने बताया कि 'जय हो' में सलमान खान के साथ काम करने से पहले, उन्होंने सलमान की फिल्म 'बॉडीगार्ड' का ऑफर ठुकरा दिया था। अब उन्होंने 'बॉडीगार्ड' के ऑफर को ठुकराने के बाद सलमान की प्रतिक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मेरे ऐसा करने के बाद कमरे में करीब पांच से सात मिनट तक सन्नाटा छाया रहा।

पांच से सात मिनट बहुत लंबा समय होता है। उस समय तो यह बहुत लंबा लगा ही था। ऐसी स्थिति में तो अब भी बहुत लंबा लगता है। मैं अंदर ही अंदर बोल रही थी 'कुछ बोलिए, कुछ बोलिए।' और उनके मुंह से बस एक ही शब्द निकला। उन्होंने कहा, 'ठीक है'।

सलमान ने दिया था ये रिएक्शन

बातचीत के दौरान जब डेजी से पूछा गया कि क्या उनके मना करने के बाद सलमान खान नाराज थे? इस पर डेजी ने कहा कि हो सकता है कि वह बस स्थिति को समझने की कोशिश कर रहे हों। वह भी तो इंसान हैं ना। वह भी अपनी चीजों को समझने की कोशिश कर रहे होंगे। वह बिल्कुल वैसे ही हैं।

मुझे लगता है कि वह सबसे ज्यादा देखभाल करने वाले लोगों में से एक हैं, चाहे वह सेट पर हों, पर्सनल लाइफ में हों या किसी भी स्थिति में। अगर आप उनके संपर्क में हैं, तो वह हर हाल में आपका ख्याल रखेंगे।

हालांकि, उन्होंने बताया कि ऐसा करने से माहौल थोड़ा स्ट्रेस वाला हो गया था। उन्हें सलमान से बात करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी।

एक्ट्रेस ने स्वीकारा कि सलमान खान से बात करने से पहले उन्होंने कई दिनों तक खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें बातचीत को बार-बार दोहराने और यह सोचने की आदत है कि वह अलग तरह से कैसे जवाब दे सकती थीं। मैं कोई भी बातचीत करने के बाद मैं एनालिसिस करती हूं 'ओह शिट, मुझे ऐसा जवाब देना चाहिए था। मुझे ऐसा बोलना चाहिए था।' तो मेरा आफ्टर-थिंकिंग ज्यादा होता है। मैं प्री-हैंड थिंकिंग करती ही नहीं हूं।

हेजल कीच ने निभाई डेजी की ठुकराई भूमिका

अभिनेत्री बनने से पहले डेजी शाह कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट थीं। इसके बाद उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में कदम रखा और कई गानों में नजर आईं। इसके बाद ही सलमान खान ने उन्हें 'बॉडीगार्ड' के लिए अप्रोच किया था। लेकिन डेजी शाह ने उन्हें मना कर दिया।

डेजी के मना करने के बाद ये रोल हेजल कीच ने फिल्म में निभाया था। इसके लगभग डेढ़ साल बाद सलमान ने डेजी से फिर संपर्क किया और उन्हें 'जय हो' के लिए ऑडिशन देने को कहा। आखिरकार उन्हें यह भूमिका मिल गई और 2014 में उन्होंने इस फिल्म से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की।

'शादी में एक-दूसरे का साथ जरूरी'
ज्योतिका ने बताया कैसा है सूर्या के साथ वैवाहिक रिश्ता?

तमिल स्टार सूर्या इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'करुप्पु' को लेकर चर्चाओं में हैं। वहीं उनकी पत्नी व अभिनेत्री ज्योतिका सोनाक्षी सिन्हा के साथ आगामी फिल्म 'सिस्टम' में नजर आएंगी। सूर्या और ज्योतिका साउथ इंडस्ट्री के सबसे प्यारे और पसंदीदा कपल में शामिल हैं। हाल ही में ज्योतिका ने सूर्या के साथ अपने वैवाहिक रिश्ते के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि दोनों एक-दूसरे को रिश्ते में कितना समय देते हैं?

ज्योतिका ने शादी में संतुलन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि बात सिर्फ सूर्या के मुझे सहारा देने की नहीं है। बात यह भी है कि जब वह काम पर जाते हैं और मैं घर संभालती हूं, तो मैं भी उनका साथ देती हूं। मैं कम काम करना पसंद करती हूं।

जब जरूरी होता है, तो मैं आराम करना पसंद करती हूं। जब मुझे बाहर शूटिंग के लिए जाना होता है, तो वह भी आराम करते हैं। हम दोनों में से कोई न कोई हमेशा बच्चों के साथ घर पर रहता है। इसलिए मुझे लगता है कि शादी में एक-दूसरे का साथ होना बहुत जरूरी है। इसे संतुलित तरीके से चलना चाहिए।

ऐसा है 'सिस्टम' में ज्योतिका का किरदार

इस दौरान ज्योतिका ने आगामी फिल्म 'सिस्टम' में अपने किरदार पर भी बात की। निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की बात याद करते हुए उन्होंने कहा कि अश्विनी ने हम दोनों (सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका) को यह बात साफ कर दी थी कि हम समाज के दो अलग-अलग वर्गों से हैं।

उन्होंने मुझे यह निर्देश दिया था कि जब आप उनकी कार में बैठें, तो आपने पहले कभी उस एसी कार में बैठकर उसे इस तरह नहीं देखा होगा। फिर मैंने इसे अपनाया और मैं जहां भी जाती, जैसे उसके घर या उसके साथ किसी अच्छी जगह, कैफे या कहीं भी, मैं आसपास देखती और इसे आगे बढ़ाती। लेकिन यह हम दोनों को एक खास संकेत था। मैं फ्लैट जूते पहनती हूं, वह हील्स पहनती है। हम अलग-अलग घरों से हैं। इसलिए इससे हमें काफी गाइडेंस भी मिला।

ज्योतिका और सूर्या साउथ इंडस्ट्री के पसंदीदा कपल में से एक हैं। ज्योतिका ने 2006 में सूर्या से शादी की। शादी के एक साल बाद कपल ने बेटी दीया का स्वागत किया। इसके बाद 2010 में उनके बेटे देव का जन्म हुआ।

'कॉकटेल 2' का नया गाना हुआ रिलीज

शाहिद कपूर और कृति सेनन की जोड़ी एक बार फिर अपने शानदार अंदाज से फैंस का दिल जीत रही है। फिल्म 'कॉकटेल 2' का नया गाना 'माशूका' रिलीज हो गया है, जिसमें दोनों की मजेदार और रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

'माशूका' गाने से बढ़ी एक्साइटमेंट

इस गाने को प्रीतम ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। वहीं गाने को राघव चैतन्य, महमूद और रुआ कैय ने अपनी आवाज दी है। गाने के वीडियो में शाहिद और कृति बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रहे हैं। दोनों की मस्तीभरी केमिस्ट्री और डांस मूव्स गाने को और भी खास बना रहे हैं।

गाने को लेकर क्या बोले शाहिद कपूर?

शाहिद कपूर ने गाने को लेकर कहा, ''माशूका' ऐसा गाना है जिसे सुनते ही मजा आने लगता है। हमने इसकी शूटिंग के दौरान खूब एंजॉय किया। यह गाना स्टाइलिश, फन और पूरी तरह समर वाइब्स से भरा हुआ है।'

वहीं कृति सेनन ने कहा, 'यह गाना बहुत फ्रेश और ग्रूवी फील देता है। इसकी म्यूजिक और विजुअल्स मुझे सिसिली की याद दिलाते हैं। शाहिद और मैंने शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की और मुझे लगता है कि दर्शकों को भी यह गाना काफी पसंद आएगा।'

बता दें कि 'कॉकटेल 2' 19 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 2012 में आई 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इस फिल्म में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी अहम किरदार में नजर आए थे।

इन तीन कारणों से होते हैं सबसे ज्यादा तलाक
शादी बचाने के लिए जान लें कपल

भारतीय समाज में शादी बेहद अहम और खूबसूरत रिश्ता होता है जिसे जन्मों- जन्मों के बंधन के रूप में हमारी संस्कृति में शामिल किया गया है। हालांकि आज के दौर में कपल्स के बीच अलगाव के मामले तेजी से बढ़े हैं। डिवोर्स या तलाक होना सामान्य होता जा रहा है। कई बार कुछ गलतफहमियों, बिगड़ी परिस्थितियों से रिश्ता कमजोर हो जाता है और युगल एक दूसरे से दूर जाने का फैसला ले लेते हैं।

नए युगलों या युवा कपल्स के बीच एक दूसरे को नासमझना आम बात है लेकिन इस दौर में कई ऐसे कपल अलग हो रहे हैं जो कि सालों तक साथ रहे हों। सालों साथ रहने के बाद भी ऐसा क्या है जो उन्हें तलाक लेने के लिए मजबूर कर देता है। यानी शादी न निभा पाने के सबसे सामान्य कारण क्या होते हैं, जिसके कारण पति-पत्नी अपने जन्मों का रिश्ता इसी जन्म में खत्म करके अलग हो जाते हैं। आज के दौर में तलाक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इसके पीछे कुछ खास वजहें होती हैं। अगर कपल इन कारणों को पहले से समझ लें और समय रहते इन पर काम करें, तो अपनी शादीशुदा जिंदगी को बेहतर बना सकते हैं। आइए जानते हैं तलाक के तीन सबसे बड़े कारण और उन्हें रोकने के उपाय।

भरोसा और वफादारी की कमी

सबसे अधिक शादी टूटने की वजह बेवफाई होती है। शादी के बाद एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर पति-पत्नी को एक दूसरे से दूर कर सकता है। झूठ बोलना, बातें छुपाना, सोशल मीडिया और बाहरी लोगों पर ज्यादा ध्यान देने से कपल एक दूसरे पर भरोसा नहीं कर पाते हैं। जहां भरोसा नहीं, वहां रिश्ता कैसे? इसी विचार के साथ लोग अपने पार्टनर से दूरी बनाना ही बेहतर समझते हैं और पहुंच जाते हैं कोर्ट, सात वचनों और फेरों को रिवर्स करने।

अगर आप नहीं चाहते कि आपका रिश्ता तलाक की अर्जियों तक पहुंचे तो अपने रिश्ते और पार्टनर से ईमानदारी बनाए रखें। पार्टनर संग भरोसे को मजबूत बनाने के लिए रिश्ते में पारदर्शिता लाएं। अगर किसी बात से परेशानी है तो उसे खुलकर कहें, छुपाएं नहीं।

आर्थिक परेशानियां

बड़े-बूढ़ों को कहावत है, ना बाप बड़ा ना भैया, सबसे बड़ा रुपया।₹ ये कहावत सिर्फ बाप-भाई पर नहीं, बल्कि पति-पत्नी पर भी लागू होने लगी है। इस दौर में पैसों और आर्थिक परेशानियों को लेकर विवाद तलाक तक पहुंचने लगा है। कपल पैसे को लेकर बहस करते हैं या असहमति जताते हैं। उनकी खर्च करने की आदतों में बड़ा अंतर, या आर्थिक जिम्मेदारियों को ठीक से न निभा पाने के कारण उनके बीच अलगाव की संभावनाएं बढ़ने लगती हैं। पैसों की तंगी अच्छे रिश्ते पर भी दबाव डालती है और शादी में तनाव व दिक्कत शुरू हो जाती हैं।

अब अगर आपको नहीं चाहिए कि पैसा आपके रिश्ते को काला नाग बनकर डसे, तो पार्टनर संग पैसे से जुड़े मामलों पर खुलकर चर्चा करें और मिलकर निर्णय लें। वित्तीय या आर्थिक योजनाएं बनाएं और जरूरतों को प्राथमिकता दें। बजट बनाकर काम करें, बेवजह के ख़र्चों से बचें।

संवाद

किसी भी रिश्ते में अलगाव का सबसे सामान्य कारण संवाद होता है। बातचीत होती ही नहीं तो समस्या का समाधान कैसे निकलेगा। हर रिश्ते में मनमुटाव, समझ की कमी, गलतफहमियां होना स्वाभाविक है लेकिन संवाद के जरिए इन चीजों को दूर किया जा सकता है। लेकिन जब पति-पत्नी खुलकर बातचीत ही नहीं करते तो उनका रिश्ता छोटी सी समस्या आने पर ही डोल जाता है। समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय चुप रहना या झगड़ना दूरियां बढ़ाता है। इसका एक नुकसान ये भी है कि आप अपने पार्टनर की भावनाओं को समझ नहीं पाते और न ही उन्हें आपको समझने का मौका देते हैं।

आपकी चुप्पी रिश्ते में जहर की तरह न खुल जाए, इसके लिए अपने पार्टनर से खुलकर भावनाओं की अभिव्यक्ति करें। झगड़े के दौरान भी संवाद बनाए रखें और एक-दूसरे को सुनें। कोई गलतफहमी है तो उसे बातचीत से हल करें ना कि बातें इग्नोर करें।

शादी के तुरंत बाद पार्टनर से भूलकर भी न करें ये बातें, रिश्ते में आ सकती है दरार

शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं बल्कि दो परिवारों और दो अलग-अलग सोच का मिलन होती है। नई-नई शादी के बाद हर कपल अपने रिश्ते को बेहतर बनाने की कोशिश करता है, लेकिन कई बार अनजाने में कही गई कुछ बातें रिश्ते में खटास पैदा कर सकती हैं। शुरुआत के दिनों में पार्टनर एक-दूसरे को समझने की कोशिश कर रहे होते हैं, इसलिए इस दौरान बातचीत का तरीका बेहद मायने रखता है।

कई लोग मजाक-मजाक में ऐसी बातें कह देते हैं जो सामने वाले को बुरी लग सकती हैं। बार-बार तुलना करना, पुरानी बातों को छेड़ना या छोटी-छोटी बातों पर शिकायत करना रिश्ते को कमजोर बना सकता है। शादी के शुरुआती दिनों में भरोसा, सम्मान और समझदारी सबसे ज्यादा जरूरी होती है।

अगर आप चाहते हैं कि आपका रिश्ता लंबे समय तक प्यार और विश्वास से भरा रहे, तो कुछ बातों को कहने से बचना बेहद जरूरी है। आज हम आपको बताएंगे कि शादी के तुरंत बाद अपने पार्टनर से कौन-सी बातें नहीं करनी चाहिए ताकि रिश्ते में प्यार और मिठास बनी रहे।

एक्स पार्टनर की बातें करने से बचें

नई शादी के बाद पुराने रिश्तों का जिक्र करना कई बार पार्टनर को असहज महसूस करा सकता है। बार-बार एक्स पार्टनर की तुलना करना या पुरानी यादें शेयर करना रिश्ते में insecurity बढ़ा सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने वर्तमान रिश्ते पर फोकस करें।

परिवार को लेकर न करें कटाक्ष

शादी के बाद दोनों परिवारों का सम्मान करना बेहद जरूरी होता है। पार्टनर के परिवार के बारे में गलत बातें कहना या मजाक उड़ाना रिश्ते में तनाव पैदा कर सकता है। अगर कोई बात पसंद नहीं भी आती, तो उसे शांत तरीके से समझाने की कोशिश करें।

हर समय शिकायत करना पड़ सकता है भारी

अगर आप छोटी-छोटी बातों पर लगातार शिकायत करते हैं, तो इससे रिश्ते में नकारात्मकता बढ़ सकती है। नई शादी में एक-दूसरे की आदतों को समझने में समय लगता है। इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लेना जरूरी है।

दूसरों से तुलना करने की गलती न करें

अपने पार्टनर की तुलना किसी दोस्त, रिश्तेदार या सोशल मीडिया कपल से करना रिश्ते को नुकसान पहुंचा सकता है। हर इंसान और हर रिश्ता अलग होता है। तुलना करने से आत्मविश्वास कम होता है और मनमुटाव बढ़ सकता है।

रिश्ते में स्पेस देना भी है जरूरी

शादी के बाद हर समय सवाल-जवाब या जरूरत से ज्यादा रोक-टोक पार्टनर को परेशान कर सकती है। रिश्ते में प्यार के साथ-साथ personal space भी जरूरी होता है। एक-दूसरे पर भरोसा रखना रिश्ते को मजबूत बनाता है।

सही हेलमेट चुनते समय ध्यान रखें ये जरूरी बातें

रफ्तार के शौकीनों के लिए बाइक की सवारी करना जितना रोमांचक होता है, यह उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है। इसलिए बाइक राइडर को किसी दुर्घटना की स्थिति में निपटने के लिए ज्यादा बचाव की जरूरत होती है। आमतौर पर लोग हेलमेट इसलिए पहनते हैं ताकि वो पुलिस की कार्रवाई और चालान से बच सकें। लेकिन यह धारणा गलत है। हेलमेट बाइक राइडर की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। ज्यादातर दुर्घटनाओं में देखा गया है कि हेलमेट नहीं लगाने के नतीजे ज्यादा गंभीर होते हैं। इसलिए सरकार ने बाइक राइडर के साथ पीछे बैठने वाले सवार के लिए भी हेलमेट लगाना अनिवार्य कर रखा है।

ऐसा देखा गया है कि कई बार लोग हेलमेट पहनने में असहज महसूस करते हैं। या उन्हें लगता है कि हेलमेट के साथ वे अच्छे नहीं दिख रहे हैं। अगर आप भी अपने लिए एक हेलमेट की तलाश में है। तो यहां हम आपको बता रहे हैं, कि हेलमेट खरीदते समय आपको किन जरूरी बातों को ध्यान रखना चाहिए।

हेमलमेट की क्वालिटी चेक करें

नया हेलमेट खरीदते समय सबसे पहले सुरक्षा मानकों की जांच करनी चाहिए। हेलमेट इस पर ISI मार्क होना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हेलमेट अच्छी क्वालिटी का है। हेलमेट खरीदते समय उसकी फिटिंग चेक करना भी बहुत जरूरी है। आपको ऐसा हेलमेट चुनना चाहिए जो आपके सिर पर अच्छी तरह फिट बैठता हो। साथ ही आरामदायक भी हो। हेलमेट में वेंटिलेशन अच्छा होना चाहिए। क्योंकि यह राइडिंग के दौरान आपके सिर को कूल रखेगा।

अच्छी विजिबिलिटी जरूरी

बाइक की सुरक्षित ड्राइविंग के लिए हेलमेट की अच्छी विजिबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके लिए वाइजर अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए। इसका ध्यान रखना चाहिए कि आप काले रंग के वाइजर वाला हेलमेट न खरीदें। दरअसल काले रंग के वाइजर से रात में बाइक चलाने के दौरान काफी दिक्कत हो सकती है। जबकि नॉर्मल वाइजर से किसी भी समय विजिबिलिटी की दिक्कत नहीं होगी। हेलमेट में अगर एंटी-फॉग फीचर हो तो धुंध के समय दोपहिया वाहन चलाना आसान हो जाता है।

हेलमेट वजन में होना चाहिए हल्का

हेलमेट का वजन बहुत मायने रखता है। आपको ऐसा हेलमेट चुनना चाहिए जो आपको पहने के बाद सिर पर ज्यादा भारी न लगे। बाजार में फुल फेस और हाफ फेस हेलमेट दोनों उपलब्ध हैं। कई लोग ज्यादा हवा लगने के लिए हास फेस हेलमेट का चुनाव करते हैं। लेकिन सुरक्षा के लिहाज से फुल फेस हेलमेट खरीदना ज्यादा सही होता है।

स्पोर्ट्स बाइक के लिए हेलमेट

अगर आप स्पोर्ट्स बाइक चलाने के शौकीन हैं तो आपको इसके लिए ट्रैक डे हेलमेट खरीदना चाहिए। यह आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। ये एक फुल फेस हेलमेट है, जो ज्यादा सुरक्षा देता है। इन हेलमेट में सबसे ऊपर एयर वेंट्स होते हैं, जिनसे हवा को अंदर और बाहर होती है। इसकी कीमत रेगुलर हेलमेट की तुलना से थोड़ी ज्यादा होती है, पर ये हेलमेट बेहतर सुरक्षा देते हैं।

एडवेंचर बाइक राइडिंग के दीवानों के लिए एडीवी हेलमेट एक मॉड्यूलर मोटोक्रॉस हेलमेट बेहतर साबित हो सकता है। इसके आलावा कंफर्ट के लिए कुछ हेलमेट में एक्स्ट्रा पैडिंग भी दी जाती है। दुर्घटना के दौरान इन हेलमेट में आपका सिर सेफ पॉजिशन में रहता है, जो आपको चोट से बचता है। वहीं हल्की प्लास्टिक के वाइजर वाले हेलमेटआपके लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

महिलाओं की इन आदतों से आकर्षित होते हैं पुरुष, कई तो हार बैठते हैं दिल

अदाओं का जिक्र हो तो महिलाओं का नाम आना लाजमी है। लेकिन इसी अदा पर फिदा हो जाने वाले पुरुषों का जिक्र भी जरूरी है। यह फिल्मी डायलॉग तो सुना ही होगा?

इसी अदा पर तो दिल हार बैठे हैं...

सवाल है कि आखिर किस अदा पर लोग फिदा हो जाते हैं? हर पुरुष की पसंद अलग-अलग हो सकती है लेकिन महिलाओं की कुछ आदतें ऐसी होती हैं जो ज्यादातर पुरुषों को आकर्षित करती हैं। महिलाओं की ये आदतें सिर्फ बाहरी सुंदरता से नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, व्यवहार और सोच से जुड़ी होती हैं। बाहरी सुंदरता तो कुछ समय के लिए ही आकर्षित करती हैं लेकिन असली खूबसूरती स्वभाव, आत्मविश्वास और सोच में होती है। आइए जानते हैं महिलाओं की उन आदतों या अदाओं के बारे में जो ज्यादातर पुरुषों को इम्प्रेस करती हैं।

विनम्रता और सकारात्मकता

ऐसी महिलाएं जो दूसरों से अच्छा व्यवहार करती हैं, मुस्कुराकर बात करती हैं और उनके व्यवहार में विनम्रता का भाव होता है, वह पुरुषों को काफी आकर्षित करती हैं। जीवन को लेकर महिलाओं का सकारात्मक नजरिया, मुश्किल समय में उनका

पॉजिटिव अप्रोच और साफ दिल नारी का खूबसूरत गुण होता है, जो अधिकतर पुरुषों को इम्प्रेस करता है।

समझदारी और ज्ञान

सुना ही होगा लेकिन किसी पुरुष को इम्प्रेस करने के लिए सिर्फ खूबसूरती ही नहीं, बल्कि दिमाग और समझदारी भी बेहद मायने रखती है। पुरुष ऐसी महिलाओं को पसंद करते हैं जो अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करती हैं। समझदारी से चीजों को संभालती हैं और बुद्धि व विवेक का इस्तेमाल करती हैं। समझदारी से मुश्किलों का हल तलाशने वाली महिलाओं का पुरुष भी सम्मान करते हैं।

आत्मनिर्भरता और सेल्फ केयर

ऐसे महिलाएं जो अपने फैसले लेने में सक्षम हों, दूसरों पर नहीं बल्कि खुद पर निर्भर हों और जीवन को अपने तरीके से जीने में सक्षम हों, वह पुरुषों को पसंद आती हैं। आत्मनिर्भरता एक मजबूत व्यक्तित्व की निशानी है। इसके अलावा जो महिला खुद की केयर करना जानती है, उसे पुरुषों की केयर भी मिलती है। महंगे कपड़े पहनना, घंटों मेकअप करना सेल्फ केयर नहीं, बल्कि खुद को अच्छे से संवारना, फिट रहना और सेहत पर ध्यान देने वाली महिलाएं पुरुषों को इंप्रेस करती हैं।

सपोर्ट करने वाली महिला

पुरुष हमेशा ऐसी महिलाओं से आकर्षित होते हैं जो उन्हें प्रेरित करें। उनके सपनों को समझे और मुश्किल समय में उनका हौसला बढ़ाए। दूसरों की मदद करने वाली महिला भी पुरुषों को पसंद होती हैं। दूसरों की केयर करने वाली , परिवार और दोस्तों के प्रति लगाव रखने वाली और जरूरत पर मदद करने वाली महिला हर किसी को प्रभावित करती हैं।

दूसरों की खुशी के लिए खुद से बेईमानी न करें
अपने वजूद को बचाएं और अभी बदल लें ये आदतें

कई बार हम दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के चक्कर में खुद को ही भूल जाते हैं। उनकी पसंद-नापसंद के हिसाब से खुद को ढालने की कोशिश करते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में हम अपनी पहचान और आत्मसम्मान से समझौता कर बैठते हैं। सच तो ये है कि जो लोग आपसे सच में प्यार करते हैं, वे आपको आपके असली रूप में ही स्वीकार करेंगे। इसलिए, अपनी ये अनमोल आदतें कभी न छोड़ें, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों।

ईमानदारी

ईमानदारी वो गहना है, जो कभी फीका नहीं पड़ता। सच्चाई से बढ़कर कोई ताकत नहीं होती। अगर आप दूसरों को खुश करने के लिए सच बोलने से कतराते हैं या सच को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं, तो धीरे-धीरे आप अपनी आत्मा से ही दूर हो जाएंगे। खुद से झूठ बोलना सबसे बड़ा अपराध होता है। इसलिए, किसी भी स्थिति में अपनी ईमानदारी को बनाए रखें।

स्वाभिमान

स्वाभिमान ही इंसान की असली ताकत है। अगर कोई आपकी इज्जत नहीं करता, तो वहां झुकने की जरूरत नहीं है। सम्मान पाने के लिए दूसरों की शर्तों पर मत चलिए। खुद की इज्जत करना सीखिए, तभी दुनिया आपकी इज्जत करेगी।

अपनी सोच और मूल्य

आपकी सोच और मूल्य आपके व्यक्तित्व की नींव होते हैं। अगर आप दूसरों की राय के अनुसार अपने सिद्धांतों को बदलने लगेंगे, तो अपनी पहचान खो बैठेंगे। अपनी सोच और मूल्यों को बनाए रखें ,चाहे दुनिया कुछ भी कहे।

स्वतंत्रता

आजादी इंसान की सबसे बड़ी पूंजी होती है। किसी भी रिश्ते या परिस्थिति को अपनी आजादी छीनने मत दीजिए। अपनी जिंदगी के फैसले खुद लें और जो सही लगे, वही करें। जो लोग आपसे सच में प्यार करते हैं, वे आपकी स्वतंत्रता का सम्मान करेंगे।

करुणा और दयालुता

दयालुता को कमजोरी समझने की गलती मत कीजिए। यह आपकी ताकत है, कमजोरी नहीं। अगर कोई आपकी भलमनसाहत का गलत फायदा उठाता है, तो ये उसकी गलती है, आपकी नहीं। दयालु बने रहिए , दुनिया में अच्छाई की हमेशा जरूरत होती है।

हर मां अपनी बेटी को जरूर दे ये एक सीख
ताकि वो हर मुश्किल में रहे मजबूत

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी बेटी जिंदगी में सफल, मजबूत और आत्मविश्वासी बने। इसके लिए अच्छी पढ़ाई और संस्कार जरूरी हैं, लेकिन एक ऐसी सीख है जो हर लड़की को अंदर से मजबूत बनाती है और ये सीख है "गलत बात पर बिना डर 'ना' कहना।" अक्सर लड़कियां लोगों को खुश रखने के लिए अपनी इच्छाओं और भावनाओं को दबा देती हैं। धीरे-धीरे यही आदत उनके आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है। ऐसे में मां का सबसे बड़ा फर्ज है कि वह बेटी को बचपन से अपनी बात खुलकर रखने और गलत चीजों का विरोध करना सिखाए। जब लड़की 'ना' कहना सीख जाती है, तब वह रिश्तों, करियर और समाज में खुद की इज्जत करना भी सीखती है। यही एक आदत उसे मानसिक रूप से मजबूत, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती है। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह सीख किसी सुरक्षा कवच से कम नहीं होती।

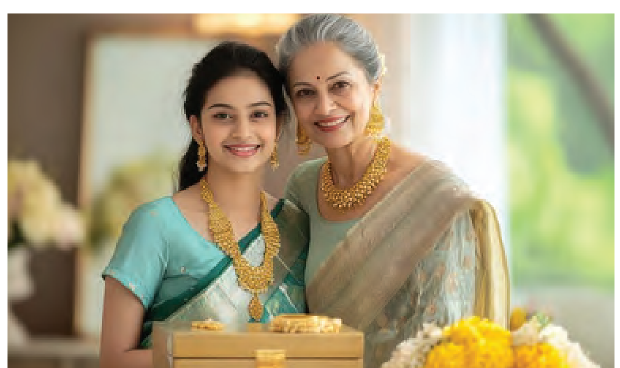

क्यों जरूरी है बेटियों को 'ना' कहना सिखाना?

1. आत्मसम्मान बढ़ता है

जब बेटी अपनी पसंद-नापसंद खुलकर बताती है, तब उसे अपनी अहमियत समझ आती है।

2. गलत लोगों से दूरी बनती है

हर बात मान लेने की आदत कई बार लोगों को फायदा उठाने का मौका देती है। 'ना' कहना सुरक्षा भी देता है।

3. फैसले लेने का आत्मविश्वास आता है

जो लड़की अपनी बात रखने से नहीं डरती, वह जिंदगी के बड़े फैसले भी मजबूती से लेती है।

4. मानसिक दबाव कम होता है

हर किसी को खुश रखने की कोशिश तनाव बढ़ाती है। अपनी सीमाएं तय करना मानसिक शांति देता है।

5. मजबूत व्यक्तित्व बनता है

स्पष्ट सोच और खुलकर बोलने वाली लड़कियां समाज में अलग पहचान बनाती हैं।

मां कैसे सिखाएं ये आदत?

बेटी की हर बात ध्यान से सुनें

उसकी राय को महत्व दें

छोटी-छोटी बातों में उसे निर्णय लेने दें

डांटने के बजाय समझाने की आदत रखें

उसे यह महसूस कराएं कि अपनी बात रखना गलत नहीं है

हमेशा ध्यान रखें कि बेटी को दिया गया सबसे बड़ा उपहार महंगे कपड़े या सुविधाएं नहीं, बल्कि आत्मविश्वास होता है। अगर मां अपनी बेटी को सही समय पर 'ना' कहना सिखा दे, तो वह जिंदगीभर हर परिस्थिति में खुद को मजबूत महसूस करती है।

मुकेश अंबानी का नया दांव चीन की सबसे बड़ी बैटरी कंपनी से डील की तैयारी, बदलने वाला है बिजली का खेल!

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है. भारत को क्लीन एनर्जी का सिरमौर बनाने के लक्ष्य के साथ, रिलायंस अब चीन की दिग्गज बैटरी निर्माता कंपनी सीएटीएल सहित कई अन्य ग्लोबल सप्लायर्स के साथ अहम बातचीत कर रही है. यह बातचीत बड़े बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के पार्ट्स खरीदने को लेकर हो रही है.

जामनगर में बन रहा रिलायंस का एनर्जी स्टोरेज कॉम्प्लेक्स

गुजरात के जामनगर में बन रहा रिलायंस का एनर्जी स्टोरेज कॉम्प्लेक्स भारत का सबसे बड़ा प्लांट होगा. यह प्रोजेक्ट चेयरमैन मुकेश अंबानी के क्लीन एनर्जी विजन का मुख्य केंद्र है. शुरुआत में रिलायंस की योजना लिथियम-आयन बैटरी सेल बनाने की पूरी तकनीक हासिल करने की थी. लेकिन, चीन द्वारा अपनी कोर बैटरी तकनीक के निर्यात पर कड़े नियम लागू करने के बाद यह संभव नहीं हो पाया. इसके बाद रिलायंस ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है. अब कंपनी तकनीक हासिल करने के बजाय, बड़े पैमाने पर बने-बनाए सेल आयात करके उन्हें बड़े बैटरी सिस्टम में पैक करने पर फोकस कर रही है.

पुरानी साझेदारी में अड़चन बनी नए विकल्पों की वजह

रिलायंस अपनी सप्लाई चेन को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा बैकअप विकल्प तैयार रखती है. सूत्रों के मुताबिक, कंपनी ने पहले सीएटीएल के साथ तकनीक ट्रांसफर के लिए बातचीत की थी, जो किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी. इसके बाद रिलायंस ने जियामेन हिथियम एनर्जी को अपना मुख्य साझीदार बनाया. हाल के महीनों में इस डील में कुछ रुकावटें आई हैं. इसी वजह से जामनगर प्लांट के लिए एक मजबूत दूसरा विकल्प तैयार करने के मकसद से सीएटीएल सहित अन्य सप्लायर्स के साथ दोबारा बातचीत शुरू की गई है. हालांकि, रिलायंस के प्रवक्ता ने इसे महज मीडिया की अटकलें बताते हुए कोई भी स्पष्ट टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है.

क्लीन एनर्जी से कैसे बदलेगी उपभोक्ता की जिंदगी

इस बड़ी कॉर्पोरेट डील का सीधा असर देश के पावर ग्रिड पर पड़ेगा, जो सीधे तौर पर आम जनता से जुड़ा है. भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का लक्ष्य रखा है. सौर और पवन ऊर्जा को 24 घंटे इस्तेमाल करने के लिए विशाल बैटरी स्टोरेज की जरूरत होती है ताकि ग्रिड में बिजली लगातार बनी रहे. ब्लूमबर्गएनईएफ की रिपोर्ट के अनुसार, 2035 तक भारत का एनर्जी स्टोरेज बाजार 2025 के मुकाबले 115 गुना बढ़ जाएगा. रिलायंस के इस प्लांट से देश के बिजली ग्रिड को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी, जिसका मतलब है भविष्य में बिना रुकावट के साफ बिजली की आपूर्ति.

भारतीय बाजार में दबदबे की होड़

भारत के इस तेजी से बढ़ते बाजार पर हर बड़ी विदेशी कंपनी की नजर है. सीएटीएल जो पहले से ही यूरोप में प्लांट लगा चुकी है और अमेरिका में पार्टनरशिप के जरिए अपना दबदबा बना चुकी है, अब इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी से आगे निकलना चाहती है. कंपनी की नजर अब भारत के इस मेगा बैटरी सिस्टम मार्केट पर है. सिर्फ रिलायंस ही नहीं, बल्कि अन्य भारतीय दिग्गज भी चीनी विशेषज्ञता का फायदा उठाना चाहते हैं. पिछले साल अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने भी चीन जाकर सीएटीएल के मुख्यालय का दौरा किया था.

सिगरेट पीने वालों को झटका.. 70 रुपये वाली डिब्बी 85 की हुई, दाम बढ़ते ही 20% घटी बिक्री

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। बजट में सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने के बाद सिगरेट कंपनियों ने जिस तेजी से कीमतें बढ़ाईं, उसका सीधा असर अब बाजार के आंकड़ों में दिखने लगा है. अप्रैल-मई के महीनों में आईटीसी और गॉडफ्रे फिलिप्स जैसी दिग्गज सिगरेट कंपनियों की बिक्री में करीब 20 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है. उपभोक्ता के लिए सिगरेट का कश अब पहले से कहीं ज्यादा महंगा हो गया है. इसी बढ़ती महंगाई के चलते लोग अपने ब्रांड बदल रहे हैं, जिससे इन एफएमसीजी कंपनियों के राजस्व पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है.

पॉकेट पैक से लेकर किंग साइज तक बढ़े दाम

सिगरेट के शौकीनों की जेब अब पहले से काफी ज्यादा कट रही है. ब्रोकरेज फर्म बीएंडके सिक्योरिटीज की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों ने चुनिंदा पॉकेट पैक ब्रांड्स की कीमतों में सीधे तौर पर इजाफा किया है. गॉडफ्रे फिलिप्स ने अपने 'पॉकेट मार्लबोरो' के दाम 70 रुपये से बढ़ाकर सीधे 85 रुपये कर दिए हैं. वहीं, आईटीसी ने 'गोल्ड फ्लेक सुपरस्टार' की कीमत 70 रुपये से बढ़ाकर 79 रुपये कर दी है. कंपनियों की कुल बिक्री में इन उत्पादों की हिस्सेदारी लगभग 8 से 12 प्रतिशत तक होती है.

बिक्री में भारी गिरावट का असली कारण

बाजार में आई यह सुस्ती दरअसल 1 फरवरी, 2026 को सरकार द्वारा लागू किए गए एक बड़े फैसले का नतीजा है. सरकार ने सिगरेट पर एक्साइज ड्यूटी में 30-40 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी कर दी थी. इस अतिरिक्त टैक्स के बोझ को कंपनियों ने ग्राहकों की तरफ पास कर दिया. एनडीटीवी प्रॉफिट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल में सिगरेट की बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत की कमी आई है. सबसे तगड़ा झटका 'प्रीमियम किंग-साइज' कैटेगरी को लगा है, जहां बिक्री का ग्राफ सबसे तेजी से नीचे गिरा है.किंग-साइज सिगरेट, जिसमें आईटीसी का 'क्लासिक' या 'गोल्ड फ्लेक किंग्स' और गॉडफ्रे फिलिप्स का 'मार्लबोरो' शामिल है, अब प्रति सिगरेट काफी महंगी हो चुकी है. पहले जो एक सिगरेट 20 रुपये के आसपास मिल जाती थी, अब उसके लिए ग्राहकों को 25 से 28 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं.

सोना 1168 बढ़कर 1.59 लाख पर पहुंचा

इस साल 26 हजार महंगा हो चुका; चांदी 2181 बढ़कर 2.70 लाख किलो हुई

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 19 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1168 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी का दाम 2,181 रुपए बढ़कर 2.70 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 2.68 लाख रुपए पर थी।

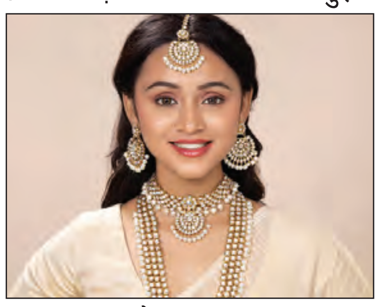

सोना इस साल 26 हजार और चांदी 40 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26 हजार रुपए और चांदी 40 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.59 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.70 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 114 अंक गिरा, निफ्टी 24000 से फिसला

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। मंगलवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। अंतिम समय में एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयरों में बिकवाली देखी गई। रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान सुबह से हासिल बढ़त सत्र समाप्त होने के पहले गंवा बैठा। कारोबारी सत्र के बाद 30 शेयरों का सेंसेक्स 114.19 अंक गिरकर 75,200.85 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 31.95 अंक गिरकर 23,618 पर आ गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 96.52 (अस्थायी) के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।दिन के कारोबार में सेंसेक्स 431.23 अंक बढ़कर 75,746.27 तक पहुंच गया था। यह उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले रोकने की घोषणा के बाद आया था। उन्होंने कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर यह फैसला लिया था। कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन जैसे शेयर गिरावट में रहे। जबकि इंफोसिस, एचसीएल टेक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज बढ़त के साथ बंद हुए।रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.60 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर फिसलकर 96.52 पर बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल 1.80 फीसदी की गिरावट के साथ 110 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 2,813.69 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर के खिलाफ सभी आपराधिक आरोप हटाए जाने के बाद अडानी समूह के अधिकांश शेयरों में तेजी आई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि रुपये के कमजोर होने और आकर्षक मूल्यांकन के कारण सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में मजबूत बढ़त देखी गई। घरेलू शेयर सूचकांकों ने शुरुआती बढ़त गंवा दी। ईरान पर अमेरिकी सैन्य अभियान अस्थायी रूप से रुकने की उम्मीद से बाजार में तेजी आई थी।लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि रुपये की लगातार गिरावट और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बाजार पर दबाव का मुख्य कारण रहीं। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट पर बंद हुए। हालांकि, शंघाई और हांगकांग के सूचकांक बढ़त के साथ समाप्त हुए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	वृष	मे
चंद्र	मिथुन	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	वृष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मिथुन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
वृष----	05-28 बजे
मिथुन--	07-28 बजे
कर्क---	09-41 बजे
सिंह---	11-53 बजे
कन्या---	13-59 बजे
तुला----	16-05 बजे
वृश्चिक--	18-15 बजे
धनु----	20-29 बजे
मकर--	22-35 बजे
कुंभ---	00-25 बजे
मीन---	02-03 बजे
मेष----	03-39 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-46
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -38
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष बुधवार 20 May 2026
तिथि - चतुर्थी 11-07 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - आर्द्रा 06-12 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - शूल 14-10 तक उप गण्ड
करण - विष्टी 11-07 तक उप बव

विशेष: भद्राकाल 11-07 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-13 से 13-50 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	05-46 - 07-21	शुभ
अमृत	07-21 - 08-58	शुभ
काल	08-58 - 10-36	अशुभ
शुभ	10-36 - 12-13	शुभ
रोग	12-13 - 13-50	अशुभ
उत्पात	13-50 - 15-27	अशुभ
चंचल	15-27 - 17-04	शुभ
लाभ	17-04 - 18-38	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-38 - 20-04	अशुभ
शुभ	20-04 - 21-27	शुभ
अमृत	21-27 - 22-50	शुभ
चंचल	22-50 - 00-13	शुभ
रोग	00-13 - 01-35	अशुभ
काल	01-35 - 02-58	अशुभ
लाभ	02-58 - 04-21	शुभ
उत्पात	04-21 - 05-46	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें। आपके मुश्किल समय में आपके प्रिय ने आपको काफी प्रेरणा और आगे बढ़ने की हिम्मत दी है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपका आत्मविश्वास बहुत मज़बूत है, जो आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। तीव्रता और जुनून आपके प्रयासों को आगे बढ़ाते हैं, आपको बड़ी उपलब्धियों की ओर धकेलते हैं। सतर्क रहें और जल्दबाजी से बचें, क्योंकि छोटी-छोटी गलतियाँ हो सकती हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका आत्मविश्वास कार्यस्थल पर आपके प्रदर्शन को बढ़ाता है, जबकि रचनात्मक ऊर्जा समस्या-समाधान को बढ़ावा देती है। आप शारीरिक या भावनात्मक रूप से थका हुआ महसूस कर सकते हैं, इसलिए अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए अपनी समयबद्धता और सहज ज्ञान पर भरोसा करें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप अपने दिन की शुरुआत सूक्ष्म तीव्रता के साथ करते हैं, जिससे आप संसाधन संपन्न तो महसूस करते हैं, लेकिन साथ ही खुद पर थोड़ा दया भी करते हैं। भावनात्मक जोखिम से बचते हुए, रिटायर होने की इच्छा होगी। आप जल्दी से अनुकूलनशील हो जाएंगे, एक दोहरी प्रकृति वाली मानसिकता के साथ जो दृष्टिकोण को बदलती रहती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योंकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्रूड की 'आग' से डरीं भारतीय एयरलाइंस! तेल कंपनियों के सामने फैलाए हाथ, कीमतें न बढ़ाने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमतें आसमान पर हैं। खाड़ी देशों का ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल पर खड़ा दुनिया को चिढ़ा रहा है। वहीं दूसरी ओर देश की एयरलाइन कंपनियों की हालत काफी पतली हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की एयरलाइंस ने सरकारी तेल रिफाइनरियों से कहा है कि वे घरेलू उड़ानों के लिए जेट फ्यूल की कीमतें तब तक न बढ़ाएं जब तक कि मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष खत्म नहीं हो जाता।

एयरलाइंस ऐसा इसलिए चाहती हैं ताकि उन पर बढ़ रहे कॉस्ट के दबाव और बढ़ते नुकसान को कम किया जा सके। आपको बता दें कि एयरलाइन के कुल कॉस्ट में 40 फीसदी हिस्सेदारी फ्यूल की होती है।मामले से जुड़े लोगों ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा कि एयर इंडिया लिमिटेड, इंडिगो और स्पाइसजेट लिमिटेड जैसी एयरलाइंस द्वारा दिए गए इस प्रस्ताव पर रिफाइनरियां विचार कर रही हैं। भारत का तेल और गैस मंत्रालय भी इन चर्चाओं में शामिल है, और हो सकता है कि वह एक बार फिर इसमें दखल दे, जैसा कि उसने अप्रैल और मई में किया था। इस पर कोई फैसला 1 जून से पहले आने की उम्मीद है।भारत में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (जेट फ्यूल) की कीमतें देश की तेल मार्केटिंग कंपनियां तय करती हैं। पेट्रोलियम कंपनियां महीने की पहली तारीख को कीमतों में कोई बदलाव करती हैं। कीमतों को तय करने का काम कई सालों से सरकारी नियंत्रण से मुक्त है, लेकिन अप्रैल में-जब ईरान संघर्ष के कारण वैश्विक तेल की कीमतें अचानक बढ़ गई थीं - तो सरकार ने जेट फ्यूल की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी को 25 फीसदी तक सीमित कर दिया था और तेल कंपनियों से कहा था कि वे मई के महीने में कीमतों को स्थिर रखें।

जेट फ्यूल पर कितना नुकसान?

इस मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि सरकारी तेल रिफाइनरियां -जिनमें इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन शामिल हैं-इस बात पर भी चर्चा कर रही हैं कि क्या जून में घरेलू उड़ानों के लिए जेट फ्यूल की कीमतों में 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी की जाए। इन लोगों ने आगे बताया कि ये रिफाइनरियां घरेलू उड़ानों के लिए जेट फ्यूल लगभग 105,000 रुपए ($1,090) प्रति किलोलीटर की दर से बेच रही हैं, जिससे उन्हें प्रति किलोलीटर 92,000 रुपए का नुकसान हो रहा है।भारत के तेल मंत्रालय, तेल रिफाइनरियों और एयरलाइंस के प्रवक्ताओं की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ये पाबंदियां केवल घरेलू उड़ानों के लिए इस्तेमाल होने वाले फ्यूल पर ही लागू होती हैं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए जेट फ्यूल की कीमतें, जो सरकारी नियंत्रण से मुक्त हैं, अप्रैल में दोगुनी हो गई थीं और मई में बढ़कर $1,511.86 प्रति किलोलीटर तक पहुंच गई थीं। भारत में एयरलाइंस की कुल लागत में तेल का हिस्सा लगभग 40 फीसदी होता है। इस उद्योग ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अगर सरकार ने फ्यूल की कीमतों पर लगाम नहीं लगाई, तो उन्हें उड़ानों को कैंसल करना पड़ सकता है और उनके कारोबार में अन्य तरह की रुकावटें आ सकती हैं। वे टैक्स में कटौती या उसे टालने के लिए भी लॉबिंग कर रहे हैं, और कुछ एयरलाइंस ने मांग में कमी के कारण अपनी उड़ानों का शेड्यूल कम कर दिया है।

रिजर्व बैंक ने दी बड़ी राहत, अब बैंकों को नहीं रखना होगा 'इमरजेंसी बफर फंड'

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए 'निवेश उतार-चढ़ाव रिजर्व' (आईएफआर) बनाए रखने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। यह प्रावधान निवेश के मूल्य में गिरावट के जोखिम से बचाव के लिए अतिरिक्त बफर के रूप में रखा जाता था। केंद्रीय बैंक ने 'वाणिज्यिक बैंक—निवेश पोर्टफोलियो का वर्गीकरण, मूल्यांकन और संचालन (द्वितीय संशोधन) निर्देश, 2026' जारी करते हुए कहा कि बाजार जोखिम और निवेश से जुड़े सतर्कता संबंधी ढांचे में हुए बदलावों को ध्यान में रखते हुए मौजूदा निर्देशों में संशोधन किया गया है। आरबीआई की तरफ से जारी परिपत्र के अनुसार, आईएफआर बनाए रखने की आवश्यकता 18 मई, 2026 से समाप्त हो गई है। आरबीआई ने कहा कि 17 मई, 2026 तक आईएफआर में उपलब्ध शेष राशि को 'लेखा-रेखा के नीचे' (बिलो द लाइन) आधार पर वैधानिक रिजर्व, सामान्य रिजर्व या लाभ-हानि खाते के शेष में स्थानांतरित किया जाएगा। भारत में शाखा मॉडल के तहत संचालित विदेशी बैंकों के लिए यह राशि सीधे भारतीय बही-खातों में रखे वैधानिक रिजर्व या ऐसे हस्तांतरणीय अधिशेष में डाली जाएगी, जिसे बैंक के भारत में संचालन के दौरान देश से बाहर नहीं भेजा जा सकेगा। केंद्रीय बैंक ने सहकारी बैंकों, लघु वित्त बैंकों और भुगतान बैंकों के लिए आईएफआर से संबंधित अलग-अलग परिपत्र भी जारी किए हैं। परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि लघु वित्त बैंकों और भुगतान बैंकों के मामले में आईएफआर में राशि का हस्तांतरण अनिवार्य विनियोजन के बाद शुद्ध लाभ से किया जाएगा।

टमाटर बीज, जो बिकता है सोने से भी महंगा?

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। दुनिया में महंगाई का कोई पैमाना नहीं है लेकिन कई बार कुछ ऐसी आम सी चीजों की कीमत इतनी ज्यादा हो जाती है कि आसानी से यकीन नहीं होता। जैसे हम आपको टमाटर की एक ऐसी किस्म के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बीजों की कीमत 3 करोड़ प्रति किलो है। पहली बार सुनने पर झटका लग सकता है, लेकिन हेजेरा जेनेटिक्स नाम की कंपनी द्वारा बेचा जा रहा 'समर सन' टमाटर झड़ल्ले से बिकता है।1 किलो टमाटर बीज के लिए 3 करोड़ चुकाने पड़ें तो सबसे पहला सवाल यही आता है कि आखिर इसकी खासियत क्या है? आपको बता दें कि 'समर सन' टोमैटो अपने असाधारण स्वाद और हेल्थ बेनिफिट्स के लिए जाना जाता है। इसके अलावा ये टमाटर बहुत ही कम मात्रा में उगाया जाता है जिसके चलते ये आसानी से उपलब्ध भी नहीं होता है। सबसे जरूरी बात ये है कि इस किस्म के टमाटर में बीज नहीं होते हैं। 'समर सन' किस्म के टमाटर का रंग लाल नहीं बल्कि हल्का पीला होता है। ये दिखने में छोटे चेरी टमाटर की तरह लगते हैं। यूरोपियन बाजारों में हेज़ेरा जेनेटिक्स नाम की कंपनी इसके बीज बेचती है और इसकी भारी डिमांड रहती है।

1 बीज से 10 किलो पैदावार

अगर आप 1 किलो बीज खरीदते हैं तो आप बंपर पैदावार भी ले सकते हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार समर सन टमाटर के बीज अच्छी उपज देने के लिए जाने जाते हैं। इनके एक मात्र बीज से 20 किलो तक टमाटर की पैदावार ले सकते हैं। यूरोप देशों में इस किस्म के टमाटर की डिमांड भी बनी रहती है और अच्छी कीमत भी मिलती है, इसलिए इसे उगाने वाले किसानों को भी नुकसान नहीं होता।

पेट्रोल-डीजल में 90 पैसे की बढ़ोतरी और कंपनियों ने बाजार से कमाए 12,400 करोड़

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। बीते करीब एक हफ्ते में पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से दूसरी बार पेट्रोल और डीजल की कीमत में इजाफा कर दिया है. मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में औसतन 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है.

इसका मतलब है कि पांच दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम में 4 रुपए प्रति लीटर का इजाफा देखने को मिला है. खास बात तो ये है इस इजाफे के बाद पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में 3 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त तेजी देखने को मिली है.जिसकी वजह से इन कंपनियों की ओर से ज्वाइंटली कुछ ही घंटों में करीब 12,400 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. इसका मजलब है कि इन कंपनियों की वैल्यूएशन में इजाफा हो गया है. वैल्यूएशन के हिसाब से सबसे ज्यादा फायदा आईओसीएल को हुआ है. आइए आपको भी

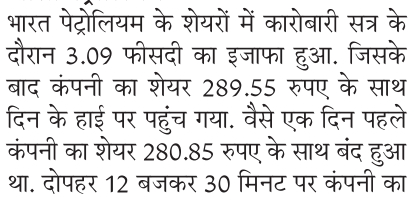

बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार में देश की तीन प्रमुख ओएमसी यानी भारत पेट्रोलियम, आईओसीएल और एचपीसीएल को कितना फायदा हुआ है.

भारत पेट्रोलियम

भारत पेट्रोलियम के शेयरों में कारोबारी सत्र के दौरान 3.09 फीसदी का इजाफा हुआ. जिसके बाद कंपनी का शेयर 289.55 रुपए के साथ दिन के हाई पर पहुंच गया. वैसे एक दिन पहले कंपनी का शेयर 280.85 रुपए के साथ बंद हुआ था. दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर कंपनी का शेयर 2.40 फीसदी की तेजी के साथ 287.60 रुपए पर कारोबार कर रहा था. अगर बात वैल्यूएशन की करें तो एक दिन पहले कंपनी का मार्केट कैप 121,845.90 करोड़ रुपए था, जो कारोबारी सत्र के दौरान बढ़कर 125,620.37 करोड़ रुपए पर आ गया. इसका मतलब है कि कंपनी की वैल्यूएशन में 3,774.47 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है.

आईओसीएल

देश की बड़ी पेट्रोलियम कंपनियों में शुमार आईओसीएल के शेयरों में भी 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है. आंकड़ों के अनुसार कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयर 3.18 फीसदी की तेजी के साथ 136.05 रुपए पर दिन के हाई पर पहुंच गए थे. वैसे एक दिन पहले कंपनी का शेयर 131.85 रुपए पर बंद हुए थे. वैसे दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर कंपनी का शेयर 3.03 फीसदी की तेजी के साथ 135.85 रुपए पर कारोबार कर रहा है. वहीं बात वैल्यूएशन की करें तो एक दिन पहले कंपनी का मार्केट कैप 186,188.53 करोड़ रुपए था, जोकि मंगलवार को कारोबारी सत्र के दौरान 192,119.45 करोड़ रुपए पर आ गया. इसका मतलब है कि कंपनी की वैल्यूएशन में 5,930.92 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है.हिंदुस्तान पेट्रोलियम यानी एचपीसीएल के शेयरों में भी सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली है. कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयरों में 3.52 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 371.85 रुपए के दिन के पीक पर पहुंच गया था. जबकि एक दिन पहले कंपनी का शेयर 359.20 रुपए पर देखने को मिला था.

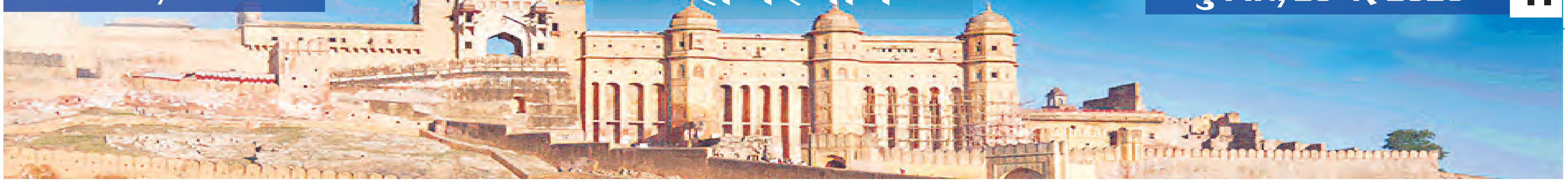

सरकार पर भड़के अशोक गहलोत, कहा 'झूठ बोलना बंद करो'

जोधपुर में 40% पेट्रोल पंप सूखे

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में 'तेल का खेल' अब पूरी तरह से सियासी दंगल में तब्दील हो चुका है। एक तरफ जहां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और राज्य सरकार प्रेस नोट जारी कर दावा कर रहे हैं कि पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, वहीं दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस सरकारी दावे पर सीधे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को आड़े हाथों लिया है। गहलोत ने अपने आवास पर जोधपुर से आए आगंतुकों और मुसाफिरों से मिली जमीनी हकीकत का हवाला देते हुए सरकार की नीतियों और दावों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बेहद तल्ख लहजे में लिखा कि उनके आवास पर जोधपुर से मिलने आए कई लोगों ने ग्राउंड जीरो की जो हकीकत बताई है, वह बेहद डरावनी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा, ₹जोधपुर में पेट्रोल पंपों पर सीमित मात्रा में ही पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है और बहुत से पेट्रोल पंपों पर डीजल-पेट्रोल उपलब्ध ही नहीं है। हालत यह हो चुकी है कि जोधपुर से जयपुर तक (करीब 350 किलोमीटर) की दूरी तय करने में मुसाफिरों को तीन-चार बार पेट्रोल-डीजल भरवाना पड़ रहा है, क्योंकि पंप वाले 1000 से अधिक का फ्यूल एक गाड़ी में डाल ही नहीं रहे हैं। इसके साथ ही घरेलू एलपीजी सिलेंडर भी आम जनता को कई-कई दिनों तक नहीं मिल पा रहे हैं।

अशोक गहलोत ने सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर्विरोध को उजागर करते हुए आरोप लगाया कि पर्दे के पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है।

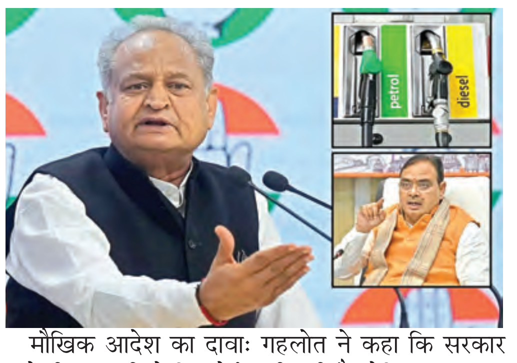

मौखिक आदेश का दावाः गहलोत ने कहा कि सरकार भले ही कह रही हो कि कोई कमी नहीं है, लेकिन जब आम जनता पेट्रोल पंप मालिकों से इसकी जानकारी ले रही है, तो वे बता रहे हैं कि सरकार ने उन्हें मौखिक आदेश देकर सीमित मात्रा में पेट्रोल-डीजल बेचने के लिए कहा है।

पंपों पर कतारेंः इसी गुप्त राशनिंग या लिमिट के कारण ही पूरे राजस्थान के पेट्रोल पंपों पर अचानक लंबी-लंबी लाइनें लगना शुरू हो गई हैं।

अपनी पोस्ट में आंकड़ों का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि मीडिया में आ रही खबरें इस बात की गवाह हैं कि केवल जोधपुर शहर और उसके आस-पास के 40 फीसदी पेट्रोल पंप पूरी तरह से ड्राई हो चुके हैं, यानी वहां तेल खत्म हो चुका है।

उन्होंने सरकार को नसीहत देते हुए कहा, 'यह संकट का समय है, इसलिए सरकार को जनता के सामने असत्य बोलने एवं गुमराह करने की बजाय सच बताना चाहिए, जिससे जनता आने वाली किसी भी बड़ी परेशानी के लिए पहले से तैयार रहे और अपनी कोई वैकल्पिक व्यवस्था कर सके। सरकार की इस अपुष्ट जानकारियों और छुपन-छुपाई से बाजार में अफवाह फैलती है, जिससे जनता भ्रमित होती है और पूरे प्रदेश में उथल-पुथल की स्थिति बनती है।'

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के हवाले से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि आमजन को ईंधन की किल्लत को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है।

राज्य स्तरीय समन्वयक मनोज गुप्ता (कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख, IOCL) ने बताया, ₹राजस्थान में समग्र पेट्रोलियम आपूर्ति स्थिति पूर्णतः स्थिर, सामान्य और पर्याप्त है। हमारे सभी टर्मिनलों और डिपो से लेकर शहरों व गांवों के रिटेल आउटलेट्स (पेट्रोल पंपों) तक संपूर्ण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) सुचारू और बेहद प्रभावी रूप से संचालित हो रही है। पूरे प्रदेश में कहीं भी सप्लाई का किसी प्रकार का व्यवधान नहीं है।₹

गहलोत का यह हमला ऐसे समय में आया है जब महज कुछ घंटे पहले ही इंडियन ऑयल (IOCL) के राज्य प्रमुख मनोज गुप्ता ने प्रेस नोट जारी कर कहा था कि लॉजिस्टिक्स, डिपो और रिटेल आउटलेट्स तक ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है।

क्या वाकई सरकारी कंपनियां स्टॉक छुपा रही हैं और अंदरखाने सप्लाई शॉर्टेज है, जैसा कि पूर्व मुख्यमंत्री दावा कर रहे हैं? या सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां जो पेट्रोल-डीज़ल पर संकट की बातों को दरकिनार करते हुए 'ऑल इज़ वेल' का दावा कर रही हैं।

रेखा गुप्ता पर आपत्तिजनक कमेंट रीपोस्ट कर फंसे अजमेर बीजेपी के अध्यक्ष, केस दर्ज करने के आदेश

अजमेर, 19 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट वायरल करने के मामले में बड़ी अपडेट सामने आई है. अजमेर के बीजेपी जिला अध्यक्ष रमेश सोनी के खिलाफ कोर्ट ने अहम आदेश दिया है. अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 के न्यायाधीश रजनीश ने रमेश सोनी को प्रथम दृष्टया आरोपी माना है. न्यायालय ने गंज थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच करने के ऑर्डर दिए हैं. सुरेश सोनी ने पीयूष सुराणा की विवादित पोस्ट को शेयर किया था, जिसके चलते उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं.

राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज!

प्रकरण में कांग्रेस के पूर्व आईटी सेल पदाधिकारी पीयूष सुराणा जेल की सलाखों के पीछे हैं. पुलिस ने आईटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया था. अदालत के ताजा आदेश के बाद बीजेपी शहर अध्यक्ष के खिलाफ भी कार्रवाई होनी तय है. इससे राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है.

स्याहीकांड में लाइन हाजिर हो चुके हैं 3 पुलिसकर्मी

मामला लगातार ही सुर्खियों में बना हुआ है. विवादित पोस्ट के बाद पुलिस ने पीयूष सुराणा को हिरासत में लिया था. पुलिस कस्टडी में ही कांग्रेस नेता के ऊपर स्याही फेंकी गई थी. इसके बाद तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई. ड्यूटी में लापरवाही मानते हुए तीनों को लाइन हाजिर कर दिया था.

अब रमेश सोनी के खिलाफ होगा एक्शन

परिवादी श्रेयांश सुराणा ने अधिवक्ता वैभव जैन के जरिए अदालत में परिवाद पेश किया था. परिवादी का कहना था कि जिस तरह पीयूष सुराणा के खिलाफ कार्रवाई की गई, उसी तरह रमेश सोनी के खिलाफ भी एक्शन होना चाहिए. अदालत ने सुनवाई के बाद आईटी एक्ट समेत अन्य कई धाराओं में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया.

खाटू श्याम मंदिर कमेटी के नाम दर्ज फॉर्च्यूनर ने मचाया कहर

कार से मिली शराब की बोतलें, एक युवक की मौत

अजमेर, 19 मई (एजेंसियां)। अजमेर-पुष्कर घाटी मार्ग पर आस्था को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया। खाटू श्याम मंदिर कमेटी के नाम से रजिस्टर्ड फॉर्च्यूनर कार ने तेज रफ्तार में तीन बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में चार लोग गंभीर घायल हो गए, जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद कार में सवार लोग पहाड़ी की तरफ भाग निकले। पुलिस ने जब फॉर्च्यूनर की तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में शराब की बोतलें बरामद हुईं।

पुष्कर से अजमेर की ओर आते समय घाटी क्षेत्र में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फॉर्च्यूनर कार बेहद तेज गति में थी और उसने एक के बाद एक तीन बाइकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार कई फीट तक सड़क पर घिसटते चले गए। हादसे के बाद अनियंत्रित फॉर्च्यूनर खाई में गिरते-गिरते बची।

हादसे में नगरा निवासी जितेंद्र और उनका साला रवि कुमार घायल हुए हैं। वहीं शास्त्री नगर निवासी रोहित (22) और उनके चाचा मधुसूदन वैष्णव (29) भी हादसे की चपेट में आए। सभी घायलों को तत्काल जेएलएन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक युवक ने दम तोड़ दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला, एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ सहित पुलिस का भारी जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस ने फॉर्च्यूनर कार आरजे 23 यूबी 7031 को जब्त कर लिया है। जांच में सामने आया कि गाड़ी खाटू श्याम मंदिर कमेटी के नाम पर रजिस्टर्ड है और उसे मंदिर से जुड़ा पुजारी दिग्विजय सिंह चौहान चला रहा था।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि धार्मिक संस्था के नाम से चल रही लग्जरी कार से भारी मात्रा में शराब की बोतलें बरामद हुईं। घटना के बाद शहर में चर्चा है कि आखिर आस्था और धर्म की आड़ में यह कैसा ढोंग चल रहा था। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया, 'पुष्कर घाटी पर कार द्वारा दो से तीन बाइक को टक्कर मारने की सूचना मिली थी। पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में कार तेज रफ्तार में होना सामने आया है। सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया गया है। मामले में अनुसंधान जारी है।' पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि कार में शराब कहां से लाई जा रही थी और हादसे के समय चालक शराब के

हाईकोर्ट ने बदले 126 जज

पोक्सो, फैमिली और कमर्शियल कोर्ट में हुआ भारी बदलाव

जोधपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ और अधिक गतिशील बनाने के लिए एक बहुत बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। हाईकोर्ट प्रशासन ने जिला न्यायाधीश, वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश और सिविल जज कैडर के 126 से अधिक न्यायिक अधिकारियों के बंपर तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। हाईकोर्ट की रजिस्ट्रार जनरल चंचल मिश्रा की ओर से जारी इस भारी-भरकम सूची में प्रदेश की फैमिली कोर्ट, एनडीपीएस कोर्ट, पोक्सो कोर्ट, कमर्शियल कोर्ट, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण और भ्रष्टाचार निवारण अदालतों के जजों को व्यापक स्तर पर इधर से उधर किया गया है। जारी आधिकारिक आदेशों के अनुसार, सोनिया बेनीवाल को जयपुर में विधि विभाग के विशेष सचिव पद की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं आशीष कुमार कुमावत को लॉ एंड लीगल अफेयर्स विभाग, जयपुर में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। भ्रष्टाचार निवारण के मामलों को लेकर भी बड़ा बदलाव हुआ है, जिसके तहत राजेंद्र शर्मा को भ्रष्टाचार निवारण मामलात कोर्ट-1, जयपुर मेट्रो-II का नया न्यायाधीश बनाया गया है। वहीं सतीश चंद्र गोदारा को भ्रष्टाचार निवारण मामला कोर्ट-1, उदयपुर की कमान सौंपी गई है।

भीलवाड़ा में होटल पर रेडः चल रहा था 'फर्जी इलाज' का गंदा खेल

48 ठग अरेस्ट, 78 गाड़ियां जब्त; दिल्ली-यूपी तक फैले तार

भीलवाड़ा, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में पुलिस और टोंक जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई करते हुए फर्जी इलाज और ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने हनुमान नगर थाना क्षेत्र के कोटा रोड पर स्थित 'कानगढ़ पैलेस होटल' पर अचानक छापा मारकर विभिन्न राज्यों से आए 48 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है।

इसके साथ ही मौके से 24 लाख रुपए की नकदी और परिसर में खड़ी 78 चौपहिया (लग्जरी) गाड़ियों को जब्त किया गया है। पकड़े गए सभी आरोपियों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर उनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

टोंक डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि देवली क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों का एक बड़ा गिरोह सक्रिय है, जो लोगों को महंगी दवाइयों और इंजेक्शन के नाम पर झांसा देकर मोटी रकम ऐंठता है।

पुलिस टीम जब इस इनपुट पर जांच करने निकली, तो पता चला कि इन झोलाछाप डॉक्टरों की एक सीक्रेट मीटिंग भीलवाड़ा जिले के हनुमान नगर थाना क्षेत्र के एक होटल में हो रही है। टोंक पुलिस ने तुरंत इसकी सूचना भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक को दी। प्रशासनिक अनुमति मिलने के बाद दोनों जिलों की पुलिस ने मिलकर एक बड़ा जाल बुझाया।

होटल कानगढ़ पैलेस में बिना किसी अनुमति के भारी संख्या में संदिग्ध लोग जुटे हुए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए हनुमान नगर थाना पुलिस के साथ जहाजपुर, पंडेर और शक्करगढ़ थाने के भारी पुलिस जाप्ते ने मिलकर पूरे होटल की घेराबंदी कर दी।

पुलिस की इस अचानक दबिश से होटल के भीतर अफरा-तफरी मच गई और लोग भागने की कोशिश करने लगे। हालांकि, मुस्तैद पुलिसकर्मियों ने दौड़कर 48 संदिग्धों को दबोच लिया, जबकि कुछ लोग भागने में सफल रहे। जहाजपुर पुलिस उपाधीक्षक रेवड़मल मौर्य और हनुमाननगर थानाधिकारी गणेशराम मीणा ने बताया कि पकड़े गए लोग राजस्थान के टोंक के अलावा दिल्ली, नरेला, जहांगीरपुरी, मुरादाबाद और फरीदाबाद (हरियाणा) के रहने वाले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह गिरोह अलग-अलग राज्यों में कैंप लगाकर या गुप्त तरीके से गंभीर बीमारियों के इलाज का दावा करता था और भोले-भले लोगों से लाखों रुपए ऐंठता था।

मौके से बरामद 78 गाड़ियां और 24 लाख रुपए इस बात का सबूत हैं कि इनका नेटवर्क कितना बड़ा और रसूखदार है। पुलिस फिलहाल इन सभी के खिलाफ अन्य थानों से भी पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड जुटा रही है ताकि आगे की कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके।

ताबड़तोड़ चली गोलियांः लहूलुहान होकर गिरे 2 युवक, वारदात के दौरान अचानक बिजली गुल

लाइनमैन पर गहराया शक

भरतपुर, 19 मई (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के बयाना सदर थाना क्षेत्र के अड्डा गांव में शराब कारोबार के आपसी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। बेखौफ बदमाशों ने गांव में सरेआम अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। इस गोलीबारी में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से एक की नाजुक हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद से ही गांव में भारी तनाव का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत अड्डा गांव निवासी भागचंद की किराने की दुकान से हुई। बताया जा रहा है कि भागचंद और दूसरे पक्ष के लोग शराब के कारोबार से जुड़े हैं। रात में किसी बात को लेकर उनके बीच बहस हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झगड़े के कुछ ही देर बाद आरोपी अपने साथ अन्य हथियारबंद बदमाशों को लेकर आए और आते ही दुकान के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस अचानक हुई फायरिंग के दौरान खेतों से काम करके घर लौट रहे लाखन और भागचंद के रिश्तेदार पवन गोलियों की चपेट में आ गए। गोली लगते ही दोनों युवक लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक हुई इस वारदात से मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से भागने लगे। लेकिन ग्रामीणों और पीड़ित परिवार के लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए उनका पीछा किया और एक बदमाश को मौके पर ही दबोच लिया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान शेरगढ़ निवासी दीवान के रूप में हुई है।

गैस एजेंसी गोदाम में लगी आग, कर्मचारी जिंदा जला, मालिक पर जलाकर मारने का आरोप

सीकर, 19 मई (एजेंसियां)। जिले के मूंडरू क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां अरनिया सड़क मार्ग स्थित कुलवाल भारत गैस एजेंसी के गोदाम में आग लगने से एक कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गया। बाद में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक कर्मचारी की पहचान बाबूलाल यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह बाबूलाल यादव एजेंसी संचालक चिंकी कुलवाल के घर से एजेंसी और गोदाम की चाबी लेकर करीब सुबह 8:15 बजे गैस गोदाम पहुंचे थे। कुछ समय बाद एजेंसी संचालक चिंकी कुलवाल केवाईसी संबंधी कार्य के लिए एजेंसी पहुंचीं। इसी दौरान उन्होंने गोदाम की तरफ धुआं उठता देखा।

धुआं देखकर उन्होंने गोदाम का गेट खोलने का प्रयास किया, लेकिन गेट नहीं खुल सका। इसके बाद बाबूलाल यादव के परिजनों को सूचना दी गई। बाबूलाल के पुत्र मौके पर पहुंचे और किसी तरह गोदाम का गेट खोला। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। बाबूलाल गंभीर रूप से आग की चपेट में थे। उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उनका शरीर बुरी तरह झुलस चुका था।

घटना की सूचना पर श्रीमाधोपुर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया और पूरे घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले के बाद मृतक के परिजनों ने गैस एजेंसी संचालक पर गंभीर आरोप लगाते हुए जलाकर मारने की आशंका जताई है। हालांकि पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

राहत की बात यह रही कि घटना के समय गोदाम में भरे हुए गैस सिलेंडर मौजूद नहीं थे। यदि सिलेंडर भरे होते तो बड़ा विस्फोट और भारी जनहानि हो सकती थी। पुलिस घटना के कारणों और परिस्थितियों की गहन जांच में जुटी हुई है। हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इस बीच मृतक का बेटा विलखता रहा और न्याय की गुहार लगाया।

अट्टा-सट्टा प्रथा पर हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बोला- बेटियां 'एक्सचेंज ऑफर' नहीं हैं

जोधपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अट्टा-सट्टा प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथाओं पर सख्त टिप्पणी करते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि बेटियों को पारिवारिक समझौते या लेन-देन का माध्यम नहीं बनाया जा सकता और ऐसी प्रथाएं संविधान, महिला गरिमा तथा बाल अधिकारों के खिलाफ हैं। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस सुनील बेनीवाल की खंडपीठ में पत्नी की ओर से फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी। फैमिली कोर्ट ने पहले उसकी तलाक याचिका खारिज कर दी थी और माना था कि पत्नी ने पारिवारिक विवाद के

कारण स्वेच्छा से ससुराल छोड़ा था। पत्नी ने आरोप लगाया था कि शादी के बाद उसे लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। मोटरसाइकिल और सोने के आभूषणों की मांग की जाती थी तथा उसके साथ मानसिक और शारीरिक क्रूरता की गई। महिला थाना बीकानेर में दर्ज एफआईआर के बाद पति और उसके पिता के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं में चार्जशीट भी पेश की गई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि फैमिली कोर्ट ने अट्टा-सट्टा प्रथा से जुड़े विवाद और वैवाहिक क्रूरता के आरोपों को एक साथ जोड़कर गलत निष्कर्ष निकाला। कोर्ट ने माना कि महिला लंबे समय तक ससुराल में रही, इसका मतलब यह नहीं कि उसके साथ अत्याचार नहीं हुआ। कई महिलाएं सामाजिक दबाव, आर्थिक निर्भरता और बच्चों के कारण प्रताड़ना सहने को मजबूर रहती हैं। खंडपीठ ने अपने फैसले में अट्टा-सट्टा प्रथा को मानव जीवन का आदान-प्रदान बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था लड़कियों की स्वतंत्रता और सहमति को समाप्त करती है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि एक बेटी दूसरे बेटे की शादी की गारंटी नहीं हो सकती।

जिस मां को दूध पिलाना था उस पर लगे तेजाब पिलाने के आरोप, अब वेंटिलेटर पर तड़प रही 8 महीने की मासूम

भिवाड़ी, 19 मई (एजेंसियां)। उद्योग नगरी भिवाड़ी के कैप्टन चौक क्षेत्र से एक मां को कलंकित करने वाली ऐसी खौफनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसे सुनकर हर किसी की रूह कांप जाएगी। यहां एक मां पर अपनी ही आठ महीने की दुधमुंही बच्ची को कथित तौर पर तेजाब पिलाने का गंभीर आरोप लगा है। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात के बाद मासूम बच्ची की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। वह इस वक्त वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच कड़ा संघर्ष कर रही है। पीड़ित परिवार मूल रूप से डीग जिले का रहने वाला है। घटना के समय बच्ची का पिता मोहित रोजाना की तरह अपने काम पर गया हुआ था। घर में केवल मां और आठ महीने की छोटी बेटी ही मौजूद थीं। इसी दौरान अचानक मां ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए अपनी ही कोख से जन्मी मासूम को तेजाब पिला दिया। तेजाब पेट में जाते ही वह बेकसूर बच्ची दर्द से तड़प उठी और जोर-जोर से चीखने-चिल्लाने लगी। देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में मासूम के नाक और मुंह से लगातार खून बहने लगा। बच्ची की चीख-पुकार और खून देखकर आसपास के लोगों और परिजनों में हड़कंप मच गया।

परिजनों और पिता मोहित ने आनन-फानन में खून से लथपथ बच्ची को उठाया और भिवाड़ी के स्थानीय अस्पताल लेकर भागे। वहां डॉक्टरों ने बच्ची की जान जोखिम में देख प्राथमिक उपचार दिया और तुरंत अलवर के शिशु अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल, बच्ची अलवर के शिशु अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर भर्ती है। अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राशि कौशिक के सुपरविजन में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक विशेष टीम बच्ची की सांसें बचाने के लिए पूरी मुस्तैदी से जुटी हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि इंटरनल ऑर्गन के झुलसने के कारण स्थिति बेहद चिंताजनक है।

जयपुर पुलिस ने 1700 किमी पीछाकर गोवा में मौज कर रहे इनामी ड्रग तस्कर को दबोचा

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। जयपुर में एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने वाले 5 हजार रुपए के इनामी और शातिर तस्कर को मानसरोवर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दो महीने से पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। आखिरकार, पुलिस टीम ने करीब 1700 किलोमीटर पीछा करते हुए तकनीकी इनपुट और सोशल मीडिया लोकेशन की मदद से आरोपी को गोवा में मौज-मस्ती करते हुए धर दबोचा। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने बताया कि 19 मार्च 2026 को नारायण विहार थाना पुलिस ने बीकानेर निवासी तस्कर मनोज बिश्नोई को 52.80 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ का रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ में मनोज ने कुबूल किया कि उसे ड्रग्स की यह खेप बीकानेर के नोखा निवासी रामसिंह बिश्नोई ने सप्लाई की थी। इस खुलासे के बाद से ही रामसिंह फरार था और पुलिस ने उस पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित कर विशेष टीम गठित की थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी रामसिंह ने पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि वह इस नशीले पदार्थ की सप्लाई पंजाब में बैठे एक बड़े ड्रग माफिया से लेता था। पुलिस के अनुसार, पंजाब में रहकर इस पूरे सिंडिकेट को चलाने वाला मुख्य तस्कर भी मूल रूप से बीकानेर का ही रहने वाला है। फिलहाल मानसरोवर पुलिस पंजाब के उस सप्लायर को नामजद कर उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है, जिससे इस पूरे ड्रग नेटवर्क की पूरी तरह ध्वस्त किया जा सके।

साइबर ठगों के बड़े नेटवर्क का खुलासा, किराए पर बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले 7 गिरफ्तार

अलवर, 19 मई (एजेंसियां)। जिला पुलिस की ओर से चलाए गए दो दिवसीय 'साइबर संग्राम अभियान 2.0' के तहत साइबर ठगों को म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 8 प्रकरण दर्ज कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 मोबाइल भी बरामद किए हैं। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस थाना रामगढ़, अरावली विहार, वैशाली नगर, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़ और रैणी थाना पुलिस ने साइबर पोर्टल व 1930 समन्वय पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की।

पुलिस ने सचिन (24) पुत्र सोमनाथ ओड राजपूत निवासी तिलवाड़ थाना गोविंदगढ़, हर्षित कुमार सैनी (19) पुत्र गजेन्द्र कुमार सैनी निवासी खडोलान का मोहल्ला राजगढ़, युवराज मीना (21) पुत्र वेदप्रकाश मीना निवासी मांदरीन मोहल्ला राजगढ़, बिजेन्द्र (20) पुत्र रामपाल गुर्जर निवासी बलरामपुर थाना नौगांवा, सीताराम प्रजापत (31) पुत्र गिर्राज प्रसाद प्रजापत निवासी पाली थाना रैणी, मनीष कुमार (20) पुत्र छोटेलाल जाटव निवासी सूरजगढ़ थाना लक्ष्मणगढ़ तथा धर्मेन्द्र यादव (26) पुत्र बृजमोहन यादव निवासी धौला कुआं भाखेड़ा थाना अरावली विहार को गिरफ्तार किया है। वहीं, राजगढ़ थाना पुलिस ने एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया है। वैशाली नगर थाना पुलिस ने साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए कमीशन पर बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पुलिस की ओर से 20 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार आरोपी साइबर ठगों के लिए म्यूल अकाउंट खुलवाकर ठगी की रकम खातों से निकलवाने का काम करता था। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जाहुल (27) पुत्र हनीफ खान निवासी बंजीरका थाना बगड़ तिराहा है। आरोपी साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल होने वाले बैंक खाते उपलब्ध कराकर करीब 20 करोड़ रुपए की ठगी में शामिल रहा है।

पालमुरू सिंचाई परियोजनाओं को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उत्तम कुमार रेड्डी

जूराला परियोजना की क्षमता बढ़ाने और लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा है कि पालमुरू क्षेत्र की ऐतिहासिक पिछड़ेपन और लंबे समय से चली आ रही सूखा समस्या को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने यहां की सिंचाई परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मंगलवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने अविभाजित महबूबनगर जिले की सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव, वाकिटी श्रीहरि, सिंचाई सचिव ई. श्रीधर और इंजीनियर-इन-चीफ जनरल रमेश बाबू समेत कई विधायक और अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि पालमुरू क्षेत्र की परियोजनाओं की प्रगति पर सरकार लगातार नजर रख रही है और कार्यान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को देवदुला, एसएलबीसी और सीतारामा जैसी

प्रमुख योजनाओं के समान प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार पूर्ववर्ती बीआरएस शासन के दौरान पालमुरू क्षेत्र के साथ हुई उपेक्षा को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले पखवाड़े के भीतर पालमुरू परियोजनाओं पर एक और विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन कर कार्यों में तेजी लाई जा सके।

जूराला परियोजना का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि जलाशय में अत्यधिक गाद जमने के कारण इसकी भंडारण क्षमता घटकर आठ टीएमसी से नीचे पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि जूराला परियोजना को डीआरआईपी (डैम रिहैबिलिटेशन एंड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट) के तहत सहायता देने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डीआरआईपी के तहत होने वाले डी-सिल्टेशन कार्यों से बांध की सुरक्षा, जल भंडारण क्षमता और संचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उत्तम कुमार रेड्डी ने बीआरएस के इस दावे को भी खारिज किया कि पालमुरू-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना 90 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। उन्होंने इसे भ्रामक बताते हुए कहा कि पिछली सरकार के दौरान ऑफ-टेक प्वाइंट को जूराला से श्रीशैलम जलाशय में स्थानांतरित किए जाने से परियोजना को बड़ा नुकसान हुआ।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क के लिए जारी किए गए टेंडर भी प्रभावी साबित नहीं हुए, क्योंकि नहर प्रणाली के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में कई बाधाएं उत्पन्न हुईं। बैठक में अधिकारियों को सभी लंबित परियोजनाओं की प्रगति, प्राथमिकता के आधार पर कार्य योजना और समयबद्ध क्रियान्वयन का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मानसून से पहले लघु सिंचाई टैंकों की डी-सिल्टेशन, नहरों की मरम्मत और जल वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश भी जारी किए गए।

आगामी चुनाव लड़ेंगी मौनिका रेड्डी : अभिनेता मंचू मनोज

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता मंचू मनोज ने कहा है कि उनकी पत्नी मौनिका रेड्डी आगामी चुनावों में चुनाव लड़ेंगी। मंगलवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। मंचू मनोज ने हाल ही में शुरू किए गए 'एक्य धैर्य सेना समिति' (एआईकेवाईएस) को लेकर स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक संगठन नहीं है, बल्कि तेलुगु राज्यों में सामाजिक सेवा गतिविधियों को विस्तार देने के उद्देश्य से बनाया गया एक मंच है। उन्होंने कहा कि यह संगठन जनता की समस्याओं को उठाने के लिए बनाया गया है और इसकी गतिविधियों के लिए वह अपने निजी धन का उपयोग करेंगे। अपने पिता मोहन बाबू के साथ मतभेदों को लेकर पूछे गए सवाल पर मंचू मनोज ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया।

पास्को मामले में आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

बाल यौन शोषण मामले में विशेष अदालत का ऐतिहासिक फैसला

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रामगोपालपेट पुलिस स्टेशन को एक पुराने पास्को मामले में बड़ी सफलता मिली है। अदालत ने 2019 के बाल यौन शोषण मामले में आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

यह फैसला हैदराबाद सिटी पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया की प्रभावी कार्यवाही का परिणाम बताया जा रहा है। यह मामला पास्को केस के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें 11 वर्षीय बच्चे के साथ गंभीर अपराध हुआ था। घटना 29 अक्टूबर 2019 की है, जब पीड़ित बच्चा जलविहार क्षेत्र के पास से ऑटो-रिक्शा में रानीगंज जाने के लिए बैठा था। आरोपी ने रास्ता बदलकर उसे बतुकम्मा कुंटा क्षेत्र के पास रेलवे ट्रैक के किनारे

झाड़ियों में ले जाकर अपराध को अंजाम दिया। विरोध करने पर आरोपी ने बच्चे को गंभीर रूप से घायल भी किया। स्थानीय लोगों की सतर्कता से आरोपी को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया था। इसके बाद पीड़ित की मां की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान के रूप में हुई, जो उस समय ऑटो चालक था। मामले की सुनवाई विशेष पास्को सत्र न्यायालय में हुई। न्यायालय ने आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास और 6,000 का जुर्माना तथा पीड़ित को 75,000 का मुआवजा की सजा सुनाई। डीसीपी रक्षिता कृष्णमूर्ति ने जांच टीम के प्रयासों की सराहना की। जांच की शुरुआत तत्कालीन इंस्पेक्टर थोटा चंचला बाबू ने की थी, जब वर्तमान एसएचओ बी. सुरेश कुमार ने मामले की कोर्ट मॉनिटरिंग की। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष सहायक लोक अभियोजक ए. रामादेवी और अतिरिक्त लोक अभियोजक के. प्रताप रेड्डी ने मजबूत दलीलें पेश कीं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और पास्को मामलों में सख्त न्याय व्यवस्था का उदाहरण है।

मी-सेवा व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म पर जोड़ी गईं जीएचएमसी की नई सेवाएं

अब प्रॉपर्टी टैक्स, जन्म-मृत्यु सुधार और ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण समेत 9 सेवाएं व्हाट्सएप के जरिए होंगी उपलब्ध

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने नागरिक सेवाओं को और अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है।

आईटी एवं संचार मंत्री डी. श्रीधर बाबू के नेतृत्व में राज्य की प्रमुख डिजिटल सेवा प्रणाली 'मी-सेवा' के व्हाट्सएप/चैटबॉट प्लेटफॉर्म पर अब ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की कई नई सेवाएं जोड़ी गई हैं। इलेक्ट्रॉनिक सर्विस डिलीवरी (ईएसडी) विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नागरिक अब व्हाट्सएप के माध्यम से जीएचएमसी की नौ महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे। इनमें प्रॉपर्टी असेसमेंट रिवीजन, जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र में सुधार, घर पर जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण, प्रॉपर्टी डोर नंबर सुधार, प्रॉपर्टी नाम सुधार, प्रॉपर्टी टैक्स सेवाएं तथा ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण जैसी सुविधाएं शामिल हैं। सरकार ने बताया कि 'व्हाट्सएप/चैटबॉट मी सेवा' प्लेटफॉर्म को 18 नवंबर 2025 को शुरू किया गया था, ताकि नागरिकों को आवश्यक सरकारी सेवाएं डिजिटल माध्यम से तुरंत उपलब्ध कराई जा सकें। लॉन्च के बाद से इस प्लेटफॉर्म को राज्यभर में व्यापक जनसमर्थन मिला है। व्हाट्सएप के जरिए सेवा प्राप्त करने के लिए नागरिकों को सबसे पहले आधिकारिक मी सेवा व्हाट्सएप नंबर 8096958096 अपने मोबाइल में सेव करना होगा। इसके बाद व्हाट्सएप पर हाय संदेश भेजकर चैटबॉट शुरू किया जा सकता है। फिर आवश्यक सेवा का नाम टाइप कर 'ओपन सर्विस' विकल्प चुनना होगा। मांगी गई जानकारी भरने और भुगतान पूरा करने के बाद आवेदन तुरंत जमा हो जाएगा। सरकार के अनुसार, प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक उपयोग जन्म प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, पुलिस चालान, बिजली बिल और बीआईई रिजल्ट सेवाओं का हुआ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि नागरिक अब दैनिक सरकारी सेवाओं के लिए तेजी से डिजिटल प्लेटफॉर्म और विशेष रूप से व्हाट्सएप आधारित सेवाओं पर भरोसा जता रहे हैं।

अमेरिका में सड़क हादसे में हैदराबाद के युवक की मौत

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य में व्हाइट सैंड्स नेशनल पार्क के पास हुए एक सड़क हादसे में हैदराबाद के एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान पूर्णा गोपी अवला के रूप में हुई है। बताया गया कि परिवार का वाहन आपातकालीन लेन में हैज़र्ड लाइट जलाकर खड़ा था और उसी दौरान एक पिकअप ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में पूर्णा की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के समय परिवार ड्राइवर बदलने के लिए रुका हुआ था। जानकारी के अनुसार, पूर्णा वर्ष 2015 में अमेरिका गए थे और वहीं काम कर परिवार का सहारा बने हुए थे। उनके माता-पिता तीन सप्ताह पहले ही भारत से अमेरिका पहुंचे थे और परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। हादसे में पूर्णा के पिता की गर्दन में फ्रैक्चर, पसलियां टूटने और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें एयरलिफ्ट कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं उनकी मां के हाथ और चेहरे की हड्डियां टूट गईं। उनके भाई मुरली अवला को भी गंभीर चोटें आईं और उन्हें बड़ी सर्जरी से गुजरना पड़ा। इस हादसे के बाद परिवार पर इलाज और अंतिम संस्कार का भारी आर्थिक बोझ आ गया है।

भीषण गर्मी का कहर, आदिलाबाद में तापमान 44.5 डिग्री

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार जारी है और राज्य के उत्तरी जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों में आदिलाबाद में अधिकतम 44.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक है। आईएमडी के अनुसार, राज्य में तापमान का स्पष्ट क्षेत्रीय अंतर देखने को मिल रहा है, जहां उत्तरी जिलों में अत्यधिक गर्मी और मध्य व दक्षिणी हिस्सों में उमस भरी स्थिति बनी हुई है। आदिलाबाद के बाद निजामाबाद में 44.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि मेदक में 42.2 और नलगोंडा में 41.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

अल्पसंख्यक सशक्तिकरण को और मजबूत करने की जरूरत : अजहरूद्दीन

शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता पर दिया जोर

नई दिल्ली/हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरूद्दीन ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित राज्य अल्पसंख्यक आयोगों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरन रिजिजू, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के साथ राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के वरिष्ठ अधिकारी और सदस्य भी मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोहम्मद अजहरूद्दीन ने देशभर में अल्पसंख्यकों की शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार के अवसर, उद्यमिता सहायता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के युवा संविधान के दायरे में शिक्षा, सशक्तिकरण, समान अवसर, सम्मान और बेहतर भविष्य की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने समावेशी विकास और समन्वित कल्याणकारी प्रयासों की जरूरत बताते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर प्रभावी कदम उठाने चाहिए। इस अवसर पर मंत्री ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सराहना करते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार अल्पसंख्यक कल्याण, युवा सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दे रही है।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में शामिल हुए भट्टी विक्रमार्क

> 9,596 इलेक्ट्रिक स्वच्छ ऑटो टिपर्स शुरू करने की घोषणा

नई दिल्ली/हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा बैठक 'स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0' में भाग लिया। बैठक का उद्घाटन केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किया। बैठक का उद्देश्य देशभर में शहरी स्वच्छता, साफ-सफाई और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को मजबूत बनाना था। बैठक में शहरी स्वच्छता, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन, पुराने डंप यार्डों के निस्तारण, वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं, पीपीपी मॉडल और नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। विभिन्न राज्यों और शहरों ने अपने अनुभव और बेहतर कार्यप्रणालियां साझा कीं।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार 'तेलंगाना विजन-2047' के तहत सतत, समावेशी और पर्यावरण अनुकूल विकास की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य 'क्योर, प्योर और रेयर' विकास मॉडल के आधार पर शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के संतुलित विकास को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि अब ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केवल कचरा उठाने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास से भी जुड़ा हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा लागू 'सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026' देश की अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला रहे हैं।

भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि तेलंगाना सरकार कोर अर्बन क्षेत्रों में लगभग 9,596 इलेक्ट्रिक स्वच्छ ऑटो टिपर्स शुरू कर रही है। इन वाहनों में चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण और क्यूआर कोड आधारित निगरानी की सुविधा होगी, जिससे डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण अधिक प्रभावी बनेगा और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को प्राथमिकता दे रही है। गीले कचरे का निस्तारण स्थानीय स्तर पर किया जा रहा है, जबकि सूखे कचरे को वैज्ञानिक तरीके से अलग कर रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकोनॉमी से जोड़ा जा रहा है। इससे लैंडफिल तक पहुंचने वाले कचरे की मात्रा कम होगी।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि हैदराबाद के जवाहरनगर डंप यार्ड के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए आईआईटी बॉम्बे से तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। वहीं, ऑटोनगर डंप साइट पर करीब 22 लाख मीट्रिक टन कचरे का बायोमाइनिंग के माध्यम से निस्तारण किया जा रहा है, जिसमें लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि पुनः प्राप्त भूमि का उपयोग भविष्य में पार्क, खेल परिसर और सार्वजनिक सुविधाओं के विकास के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य डंप यार्डों को विकास केंद्रों में बदलना है। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि '99-दिवसीय प्रजा पालना-प्रगति कार्ययोजना' के तहत राज्यभर में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। इनमें कचरा संवेदनशील स्थलों को हटाना, निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट का निस्तारण, ई-वेस्ट संग्रह अभियान और सार्वजनिक स्थलों की सफाई जैसे कार्य शामिल हैं।

उन्होंने जापान के किटाक्यूशु मॉडल से प्रेरित बंदारवीर्याला और सिद्धापुर में प्रस्तावित इको-टाउन परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह तेलंगाना की सर्कुलर इकोनॉमी यात्रा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री टोकन साहू, सचिव श्रीनिवास कटिकिथला, स्वच्छ भारत मिशन निदेशक रूपा मिश्रा, तेलंगाना नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बीवीआरआईटी के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की एआई प्रतियोगिता जीती

मेदक, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीवी राजू इंस्टीट्यट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीवीआरआईटी) के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की आर्म भारत एआई चैलेंज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता बेंगलुरू में आयोजित की गई थी। प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनी आर्म होल्डिंग्स द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में कॉलेज की एड एस्ट्रा टीम ने समस्या श्रेणी-5 में पहला पुरस्कार जीता। संकाय सदस्य डॉ.यू. ज्ञानेश्वर चारी के मार्गदर्शन में तृतीय वर्ष ईसीई के छात्र चेराला रोहन कुमार और कार्तिक पकाला ने इस परियोजना को तैयार किया। छात्रों ने आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जीत हासिल करने पर छात्रों को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। श्री विष्णु एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष के.वी. विष्णु राजू, उपाध्यक्ष रविचंद्रन राजगोपाल और सचिव आदित्य विस्सम ने छात्रों को बधाई दी।

इंजीनियरिंग छात्र पर सहपाठी से दुष्कर्म का आरोप, गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के इब्राहिमपटनम इलाके में इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष के एक छात्र को अपनी सहपाठी के साथ कथित दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पीड़िता की शिकायत के बाद यह मामला सामने आया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान चौटुप्पल निवासी उदय के रूप में हुई है। बताया गया कि आरोपी छात्रा को चाय पीने के बहाने दिलसुखनगर ले गया। लौटते समय उसने शराब खरीदी और बीडीएल क्षेत्र में छात्रा को शराब पिलाई। आरोप है कि छात्रा के नशे की हालत में होने पर आरोपी उसे इब्राहिमपटनम स्थित एक कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम, परिवारों का प्रदर्शन

मंचेरियल, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के मेदारीपेट गांव में मंगलवार को दो मजदूरों की मौत के मामले में मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के कारण मंचेरियल-जन्नाराम मार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। प्रदर्शन कर रहे परिवारों ने बताया कि मार्च महीने में पेट्रोल पंप पर बिजली का करंट लगने से माधापुर निवासी चल्ला लक्ष्मीनारायण और वेलगनूर निवासी चंदनगिरी नागराज की मौत हो गई थी। उनका आरोप है कि मजदूरों को काम पर रखने वाले एक सीमेंट व्यापारी ने मुआवजा देने का वादा किया था, लेकिन दो महीने बाद भी कोई सहायता नहीं दी गई।

परिजनों ने कहा कि हादसे में परिवार के कमाने वाले सदस्य की मौत हो गई, जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द मुआवजा नहीं मिला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। पुलिस के समझाने और न्याय का भरोसा दिलाने के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया। उल्लेखनीय है कि 9 मार्च को लोहे का स्टैंड ले जाते समय वह हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया था, जिससे दोनों मजदूरों की मौत हो गई थी।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें ट्विटर @SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे- दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर भी उपलब्ध।

निविदा सूचना संख्याः05-एमइसीएच-एलआइएफटी-एल-टीपीटीवाय-26-27, दि.13-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य यांत्रिक अभियन्ता, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति द्वारा अधोलिखित निविदा संख्या, बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते है। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः 05-एमइसीएच-एलआइएफटी-एल-टीपीटीवाय-26-27, दि.13-05-2026, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे पर सीएफ शाप के लिफ्ट & लोवर सेक्शन के पीओएच गतिविधियों की आउटसोर्सिंग।
अनुमानित मूल्य रु.1,88,37,279.90 बोली सुरक्षा रु.3,76,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः24 महिने, बंद करने की तिथिः 04-06-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा की संपूर्ण जानकारी देखने का नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर, का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सीआरएस, तिरुपति

निविदा संख्याः बी/एसजी. निविदा सूचना/05/2026-27, दि.16-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु **दि.11-06-2026 के 15.30 बजे तक** ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन में एक वर्ष की अवधि हेतु आडियो पोर्शन 35 संख्याक सहित मोटोरोला जीएम 338/300 रेडियो उपकरण की 600 संख्याक & 25 वाट्ट वीएचएफ सेट्स के लिए मोटोरोला जीपी 328 (5डब्ल्यू) की 05 वाट्ट वीएचएफ सेट्स की मरम्मत हेतु वार्षिक मरम्मत संविदा या ठेका।
अग्रधन रु.18,900.00, अनुमानित मूल्य रु.9,42,750.50, कार्य पूरा करने की अवधिः **12 महिने, सीटीबी रु. शून्य**

विवरणः बंद करने की तिथि व समयः 11-06-2026 के 15.30 बजे

1. वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्यो का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।
2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।
3. इस निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल&टेलिकाम) का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है।
4. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (एस&टी), विजयवाडा

निविदा संख्याः जीवाय/डीएसएल/12/बोगी फ्रेम (डब्ल्यूएजी9)/2026, दि.13-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियन्ता/गूटी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

कार्य विवरणः डीएलएस/जीवाय पर 2 वर्ष की अवधि के लिए, मुख्य समय सारणियों (आईओएच/टीओएच) हेतु डब्ल्यूएजी 9एच बोगियों की आवधिक समयबध्द ओवरहालिंग गतिविधियों की आउटसोर्सिंग।
अनुमानित मूल्य रु.78,26,795.40 (अठहत्तर लाख छब्बीस हजार सातसौ पिच्यानवे एवं चालीस पैसे मात्र), अग्रधन रु.1,56,500.00 (रु.एक लाख छप्पन हजार पांचसौ मात्र)

बंद करने की तिथि व समयः 08-06-2026 के 12.00 बजे

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियन्ता, डिजेल लोको शेड, गूटी

संख्याःएनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/ निविदा सूचना/2026-27, दि. 15-05-2026

निविदा के विवरण को पहले ही वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम संख्याः1, निविदा संख्याः टी-202627-2-019 प्राधिकरणः को-आर्ड. निविदा मूल्य रु.3,48,10,895.57 अग्रधन रु.6,96,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः एनडिडी स्टेशन पर ट्रिप शेड के शेष कार्य का निर्माण (ट्रैक पोर्शन को छोडकर), **निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य**

क्रम संख्याः2, निविदा संख्याः टी-202627-2-020 प्राधिकरणः को-आर्ड. निविदा मूल्य रु.1,00,02,108.14 अग्रधन रु.2,00,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने, कार्य विवरणः नान्देड डिवीजनः तत्संबंधित नान्देड स्टेशन पर शेष ट्रिप शेड के कार्यों का प्रस्तावित निर्माण **(ट्रैक पोर्शन), निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य**

क्रम संख्याः3, निविदा संख्याः टी-202627-3-021 प्राधिकरणः को-आर्ड. निविदा मूल्य रु.5,22,58,421.75 अग्रधन रु.10,45,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः अठारह महिने, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः अकोला-पूर्णा सेक्शनः एडीइएन/पीएयु क्षेत्राधिकार के तहत पूरी अवधि अठारह (18) महिने) (03) तीन महिने मोबिलाइजेशन अवधि सहित) के लिए, हिन्गोली (एचएनएल) बाल्लास्ट डिपो पर 50एमएम गेज सख्त व टिकाउ मशीन से कुचले हुए स्टोन बाल्लास्ट की आपूर्ति व ढेर लगाना या स्टैकिंग करना तथा यांत्रिक पध्दतियों द्वारा उपरोक्त सामग्री का हापर/ट्राफिक बाल्लास्ट वैगान में लदान करना। **निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य**

क्रम सं.1, निविदा सं.-टी-202627-2-019, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50लाख से अधिक मूल्य के लिए)- कोई भी सिविल अभियांत्रिकी कार्य (ट्रैक कार्यों /झोनल कार्यो को छोडकर)

क्रम सं.2, निविदा सं.-टी-202627-2-020, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50लाख से अधिक मूल्य के लिए)- ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक का कार्य।

क्रम सं.3, निविदा सं.-टी-202627-3-021, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50लाख से अधिक मूल्य के लिए)- ई-1-झोनल रखरखाव कार्य को छोडकर, निम्न से जुडा कोई भी सिविल अभियांत्रिकी कार्य जैसे, ।) मशीन से कुचला हुवा ग्रेडेड स्टोन एग्रीगेट्स या रेलवे ट्रैक बाल्लास्ट की आपूर्ति। (या) ।।) फ्लेक्सीबुल युक्त सडक या रिजिड पेवमेन्ट का निर्माण या ग्रैन्युएल सब-केस (जीएसबी) को बिछाना। (या) ।।।) कान्क्रीट में प्रमुख पुलों की नींव या फाउन्डेशन और सब स्ट्रक्चर या सुपर स्ट्रक्चर का निर्माण।

उपरोक्त निविदाएं दि.12-06-2026 के 15.00 बजे बंद होंगी।

वरिष्ठ विभागीय अभियन्ता/ को-आर्ड./नांदेड
ए318

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , Vimal mother of No 15190633N Gnr (Tlr) Patare Sachin Venunath presently residing at Vill & PO- Karegaon, Teh- Shrirampur, Distt- Ahmednagar, State- Maharashtra, PIN-413717 have changed my name from Vimal to Vimal Venunath Patare vide affidavit dt.15/05/2025 at Hyderabad

I . Venunath father of No 15190633N Gnr (Tlr) Patare Sachin Venunath presen residing at Vill & PO- Karegaon, Teh- Shrirampur, Distt- Ahmednagar, State- Maharashtra PIN-413717, have changed my name from Venunath to Venunath Vishwanath Patare vide affidavit dt.15/05/2025 at Hyderabad

I, Nimbewwa mother of Mr Ramesha Chalawadi presently residing at Vill-Kodaganur, PO- Byalal, Teh- B Bagewadi, Distt- Bijapur (Karnataka), PIN- 586203 have changed my name from Nimbewwa to Nimbevva Shivappa Chalavadi vide affidavit dt .15/05/2026 at Hyderabad

I, Shivapp Chalawadi father of Mr Ramesha Chalawadi presently residing at Vill- Kodaganur, PO- Byalal, Teh- B Bagewadi, Distt- Bijapur (Karnataka), PIN-586203 have changed my name from Shivapp Chalawadi to Shivappa Mallappa Chalawadi vide affidavit dt .15/05/2026 at Hyderabad

I, Padmavathi, W/o, No. 14529061, Ex- Hav, Mamillapalli Koteshwara Rao, R/o,H. No. 1-20-369, Secunderabad, Telangana, changed my name from Padmavathi to Mamillapalli Padmavathi vide Affidavit No. BU 311477 dt. 18.05.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, V Vijaya Lakshmi, W/o, No. 14669001F, Hav, Poliboyina Giri Babu, R/o, Dist : YSR Kadapa , Andhra Pradesh, changed my name from V Vijaya Lakshmi to Poliboyina Vijaya Lakshmi, vide Affidavit No. BU 311470 dt. 18.05.2026 before, Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Swapna, W/o, No. 14657786K, Hav, Paparao Gangula, R/o, Dist: Khammam, Telangana, changed my name from Swapna to Gangula Swapna, vide Affidavit No. BU 311479 dt. 18.05.2026, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

I, Venkateswarlu, Father of No. 14657786K, Hav, Paparao Gangula,R/o, Dist : Khammam, Telangana, changed my name from Venkateswarlu to Gangula Venkataiah, vide Affidavit No. 466760 dt. 16.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Kamalamma Gangula, Mother of No. 14657786K, Hav, Paparao Gangula, R/o, Dist: Khammam, Telangana, changed my name from Kamalamma Gangula to Gangula Kamalamma, vide Affidavit No. 466758 dt. 16.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

प्लेऑफ की टॉप-3 टीमें तय: सनराइजर्स के साथ गुजरात भी पहुंची

खेल डेस्क, 19 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के लीग स्टेज में प्लेऑफ की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बाद सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस ने भी अंतिम-4 में जगह पक्की कर ली है।

हैदराबाद ने चेन्नई को हराकर 2 पॉइंट्स हासिल किए। टीम ने 16 अंक के साथ प्लेऑफ में जगह बनाई। गुजरात टाइटंस को भी इस नतीजे का फायदा मिला।

अब प्लेऑफ के चौथे स्थान के लिए पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच रेस होगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 18 पॉइंट्स और +1.065 नेट रनरेट के साथ पहले स्थान पर है। टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी है और उसका क्वालिफायर-1 खेलना लगभग तय माना जा रहा है। RCB का आखिरी लीग मैच सनराइजर्स हैदराबाद से 22 मई को है।

गुजरात टाइटंस 16 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है। टीम का नेट रनरेट +0.400 है। गुजरात का आखिरी मुकाबला चेन्नई है। क्वालिफायर-1 खेलने के लिए गुजरात को चेन्नई से जीतना ही होगा।

हैदराबाद ने चेन्नई को हराकर 13 मैचों में 16 पॉइंट्स हासिल कर लिए। टीम अब तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। हैदराबाद का आखिरी मुकाबला बेंगलुरु से होगा। अगर SRH यह मैच जीतती है तो टीम टॉप-2 में भी पहुंच सकती है।

पंजाब किंग्स 13 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। टीम लगातार 6 मुकाबले हार चुकी है। पंजाब को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लखनऊ के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

राजस्थान रॉयल्स 12 पॉइंट्स के साथ 5वें स्थान पर है। टीम को अब लखनऊ और मुंबई से मैच खेलने हैं। राजस्थान को अंतिम-4 में पहुंचने के लिए दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

चेन्नई को हैदराबाद से हार के बाद बड़ा झटका लगा। टीम 13 मैचों में 12 पॉइंट्स पर है और उसका नेट रनरेट भी खास नहीं है। चेन्नई को अब गुजरात के खिलाफ आखिरी मैच जीतना होगा। साथ ही दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

कोलकाता नाइट राइडर्स 11 पॉइंट्स के साथ 8वें स्थान पर है। टीम को मुंबई और दिल्ली के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स 12 पॉइंट्स के साथ 7वें स्थान पर है। टीम का नेट रनरेट (-0.871) काफी खराब है। दिल्ली को कोलकाता के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी और बाकी नतीजों का भी इंतजार करना पड़ेगा।

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स 8-8 पॉइंट्स के साथ क्रमशः 9वें और 10वें स्थान पर हैं। दोनों टीमें पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं।

हैदराबाद के हेनरिक क्लासन के 13 मैचों में 555 रन के साथ ऑरेंज कैप होल्डर बन गए हैं। साई सुदर्शन 554 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। शुभमन गिल 552 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 24 विकेट के साथ पर्पल कैप होल्डर बने हुए हैं। गुजरात के कगिसो रबाडा 21 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चेन्नई के अंशुल कम्बोज 20 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर बने हुए हैं।

चेन्नई में हो सकता है बिग बैश का ओपनिंग मैच

ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने चेपॉक स्टेडियम का मुआयना किया, आईपीएल मैच भी देखा

चेन्नई, 19 मई (एजेंसियां)। चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम ऑस्ट्रेलियाई लीग बिग बैश के ओपनिंग मैच की मेजबानी कर सकता है। यह मैच दिसंबर में खेला जा सकता है, हालांकि इसकी घोषणा अब तक नहीं हुई है। पीटीआई के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के 5 अधिकारियों के एक डेलिगेशन ने स्टेडियम का दौरा किया। उसने बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों से मुलाकात की।

हालांकि, सीए के प्रतिनिधि ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करने से इनकार किया। लेकिन, भारतीय बोर्ड से बातचीत चलने की बात मानी। उसने कहा, 'हम अभी किसी बात की पुष्टि नहीं कर सकते। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ साझेदारी में हम चेन्नई की संभावनाओं को तलाश रहे हैं, ताकि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को और मजबूत किया जा सके। अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। हम बीसीसीआई में अपने साथियों के साथ बारीकी से काम कर रहे हैं।' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधि चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान भी स्टेडियम में मौजूद रहे। यह मैच हैदराबाद ने 5 विकेट से जीता। यह पहला मौका नहीं है, जब किसी विदेशी लीग के मैच भारत में हो रहे हैं। भारतीय मैदान एनबीए, इंग्लिश प्रीमियर लीग और ला लिगा के मैच होस्ट कर चुके हैं। 2019 में अमेरिका की मशहूर बास्केटबॉल लीग नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन ने पहली बार भारत में अपने ऑफिशियल प्री-सीजन मैच आयोजित किए थे। तब मुंबई में सैक्रामेंटो किंग्स और इंडियाना पेसर्स के बीच 2 मैच खेले गए थे।

2018 में कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में स्पेनिश लीग ला-लीगा के जिरोना एफसी और ऑस्ट्रेलियाई ए-लीग के मेलबर्न सिटी एफसी ने भारतीय क्लब केरला ब्लास्टर्स के साथ प्री-सीजन टूर्नामेंट खेला था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के 2 अधिकारियों ने फरवरी में भी चेन्नई के मैदान का निरीक्षण किया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया मैच के जरिए भारत के बड़े क्रिकेट बाजार में संभावनाएं तलाश रहा है। भारत में क्रिकेट का सबसे बड़ा फैन बेस है।

दीपिका-अतानु एशियन गेम्स की भारतीय तीरंदाजी टीम से बाहर

रायल्स में अपने-अपने मैच हारे, धीरज-ज्योति सुरेखा टॉप पर रहे

सोनीपत, 19 मई (एजेंसियां)। 4 बार की ओलिंपियन दीपिका कुमारी और उनके पति अतनुदास को एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में जगह नहीं मिली। दोनों सोनीपत के एसएआई सेंटर में आयोजित 3 दिनी ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार गए।

भारतीय तीरंदाजी संघ ने ट्रायल के बाद जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया। रिकर्व कैटेगरी में दीपिका कुमारी और अतानु चौथे स्थान पर रहे, इसलिए वे एशियन गेम्स टीम से बाहर हो गए। कंपाउंड में अभिषेक वर्मा भी एशियाड का टिकट हासिल नहीं कर सके।

तीसरे और आखिरी स्थान के लिए अनुभवी दीपिका कुमारी और युवा ओलिंपियन अंकिता भकत के बीच कांटे की टक्कर हुई। शुरुआती तीन राउंड्स के बाद दोनों 10.75 पॉइंट्स पर बराबरी पर थीं। शूट-ऑफ में अंकिता ने बाजी मारी और एशियन गेम्स टीम का तीसरा व आखिरी बर्थ हासिल किया।

दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में नहीं खेल पाएंगी। वे 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में वे बेटी के जन्म के कारण हिस्सा नहीं ले सकी थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन और कई वर्ल्ड कप मेडल जीतने वाली दीपिका ने 2010 से अब तक तीन एशियन गेम्स खेले हैं, लेकिन वे कभी

इंडिविजुअल मेडल नहीं जीत सकी हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2010 ग्वांगझू गेम्स का टीम ब्रॉन्ज मेडल था। चौथे स्थान पर रहने के कारण दीपिका वर्ल्ड कप सर्किट के तीसरे और चौथे स्टेज के लिए भारतीय टीम में बनी रहेंगी। दरअसल, वर्ल्ड कप के लिए 4 तीरंदाज चुने जाते हैं, जबकि एशियन गेम्स में केवल टॉप-3 को मौका मिलता है।

महिलाओं के रिकर्व सेक्शन में युवाओं ने सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ दिया। 19 साल की तीरंदाज कीर्ति शर्मा ने ट्रायल्स में 13.5 पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं महाराष्ट्र की तीरंदाज कुमकुम मोहोद दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों खिलाड़ियों ने सीधे एशियन गेम्स टीम में जगह पक्की की।

ट्रायल्स में टॉप करने वाली 19 साल की कीर्ति शर्मा की कहानी प्रेरणादायक है। हरियाणा के जींद जिले की रहने वाली कीर्ति के पिता लोहे के गेट बनाने का काम करते हैं। 2022 में कोच उधम सिंह की देखरेख में हुए टैलेंट स्काउटिंग ट्रायल के बाद कीर्ति को झारखंड के साई हजारीबाग सेंटर में चुना गया था। उन्होंने इसी साल फरवरी में बैंकॉक एशिया कप स्टेज-1 से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वे अब तक तीन एशिया कप खेल चुकी हैं और रिद्धि फोर व रूमा बिस्वास के साथ टीम ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। अभिषेक वर्मा और वर्ल्ड नंबर-7 ऋषभ यादव बाहर पिछले एशियन गेम्स में भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी के सभी 5 गोल्ड मेडल जीते थे, लेकिन इस बार टीम बदली नजर आएगी। अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम ही एकमात्र सीनियर खिलाड़ी रहीं, जिन्होंने अपनी जगह बचाई। पुरुषों के वर्ग में बड़ा उलटफेर हुआ। अनुभवी अभिषेक वर्मा का प्रदर्शन खराब रहा और वे टॉप-8 तीरंदाजों में आखिरी स्थान पर रहे।

वहीं, दुनिया के सातवें नंबर के कंपाउंड तीरंदाज ऋषभ यादव चौथे स्थान पर रहकर चूक गए। आंध्र प्रदेश के थिरुमुरु गणेश मणि रत्नम ने उन्हें पछाड़कर टीम में जगह बनाई। एशियन गेम्स इस साल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आईची-नागोया में होंगे।

भारत-श्रीलंका के बीच अगस्त में खेले जाएंगे 2 टेस्ट मैच

15-27 अगस्त के बीच मैचों के लिए विंडो तैयार; टी-20 सीरीज पर संशय बरकरार

कोलंबो, 19 मई (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच अगस्त में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इस सीरीज के लिए 15 से 27 अगस्त के बीच की विंडो तय की है।

श्रीलंका क्रिकेट और बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, इस शेड्यूल की जानकारी भारतीय टीम समेत सभी संबंधित पक्षों को दे दी गई है।

यह टेस्ट सीरीज लंका प्रीमियर लीग के बाद खेली जाएगी, जिसका फाइनल 9 अगस्त को होना है। वहीं, दौरे में प्रस्तावित 3 मैचों की टी-20 सीरीज को लेकर अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

श्रीलंका क्रिकेट में अंतरिम कमेटी का गठन

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस समय आईसीसी के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में श्रीलंका के दौरे पर हैं। वे वहां श्रीलंका क्रिकेट की मौजूदा स्थिति का जायजा लेने गए हैं, जिसे हाल ही में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार ने भंग कर दिया गया था। सरकार ने इसके बाद एक अंतरिम संस्था का गठन किया है, जिसे 'श्रीलंका क्रिकेट ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी' नाम दिया गया है।

टी-20 मैचों के आयोजन में शेड्यूल की चुनौती

श्रीलंका दौरे पर सैकिया की मुलाकात के दौरान ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सदस्य टी-20 सीरीज का मुद्दा उनके सामने उठा सकते हैं। इन 3 टी-20 मैचों को पिछले साल नवंबर में आए चक्रवात 'दित्वह' के पीड़ितों के लिए फंड जुटाने के उद्देश्य से प्रस्तावित किया गया था। लेकिन भारतीय टीम के लिए सितंबर का महीना बेहद व्यस्त होने के कारण इस सीरीज के लिए विंडो निकालना एक बड़ी चुनौती होगी।

सितंबर में बांग्लादेश दौरे का है प्रस्ताव

भारतीय टीम के लिए सितंबर में बांग्लादेश में 6 मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज की योजना बनाई गई है, जिसमें 3 वनडे और 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। अगर यह बांग्लादेश दौरा होता है, तो शेड्यूल बनाने वालों के लिए चीजें काफी मुश्किल हो सकती हैं। सैकिया ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में बांग्लादेश सीरीज के होने या न होने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि ध्यान वर्तमान में तय कार्यक्रमों पर होना चाहिए।

बांग्लादेश का यह दौरा पिछले साल स्थगित हुई सीरीज का हिस्सा है, जिसे दोनों देशों के बीच तनाव के कारण टाल दिया गया था। अब भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों में जमी बर्फ पिघलती हुई दिख रही है, लेकिन यह सीरीज आखिरकार होगी या नहीं, यह अभी भी केवल अनुमान का विषय है।

भारतीय टीम का आगामी इंटरनेशनल शेड्यूल

भारतीय टीम 6 जून से मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच के साथ अपने इंटरनेशनल सीजन की शुरुआत करेगी, जिसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद भारतीय टीम श्रीलंका दौरे से पहले आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है।

40 हजार से ज्यादा रन और दो खेलों का इंटरनेशनल करियर, दिग्गज खिलाड़ी माइक स्मिथ ने ली अंतिम सांस

लंदन, 19 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान माइक स्मिथ का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। वारविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने सोमवार रात को जानकारी दी। वह क्रिकेट के अलावा रग्बी के भी इंटरनेशनल खिलाड़ी रहे हैं। माइक स्मिथ ने 1956 में वेल्स के खिलाफ रग्बी यूनियन के मुकाबले का इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व भी किया था। वह आईसीसी मैच रेफरी भी रह चुके हैं।

माइक स्मिथ ने इंग्लैंड के लिए 50 टेस्ट मैच खेले। साल 1958 से 1972 के बीच माइक ने 25 मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। कुल मिलाकर, स्मिथ ने 2,278 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 11 अर्धशतक शामिल थे। क्रिकेट में शानदार योगदान के लिए उन्हें साल 1976 में ऑर्डर ऑफ द

ब्रिटिश एम्पायर से सम्मानित किया गया था। कप्तान के तौर पर खेले गए उन्हें सिर्फ तीन बार हार का सामना करना पड़ा, जबकि पांच मुकाबलों में जीत मिली और 17 मैच ड्रॉ रहे।

वारविकशायर ने माइक स्मिथ के निधन की खबर की पुष्टि की। ग्लैमरगन के खिलाफ अपने काउंटी चैंपियनशिप मैच के चौथे दिन का खेल शुरू होने से पहले खिलाड़ियों और अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। क्लब ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, 'वारविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को 'बेयर्स' के दिग्गज खिलाड़ी एमजेके स्मिथ के 92 साल की उम्र में निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ है।' साल 1957 से 1967 के बीच स्मिथ ने वारविकशायर की कमान संभाली थी; उन्होंने अपने काउंटी करियर के दौरान 637 मुकाबलों में 39,832 फर्स्ट-क्लास रन बनाए। वारविकशायर आने से पहले, स्मिथ ने 1951 से 1955 तक लीसेस्टरशायर के लिए भी खेला था और दो साल तक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की टीम का भी हिस्सा रहे। लिस्ट ए क्रिकेट में स्मिथ के नाम 3106 रन हैं।

ओडीआई में विकेट चटकाने में संदीप लामिछाने गेंदबाज से तेज कोई नहीं, एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

काठमांडू, 19 मई (एजेंसियां)। वनडे में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी टूट गया है. मिचेल स्टार्क ने 2019 में वनडे में सबसे तेज 150 विकेट चटकाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था, जिसे 7 साल बाद यानी 2026 में नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने ने तोड़ दिया है. मिचेल स्टार्क ने वनडे में 77 मैच खेलकर 150 विकेट लेने का कारनामा किया था. लेकिन, संदीप लामिछाने ने 4 मैच कम खेलकर ही स्टार्क के बनाए वर्ल्ड रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया. लामिछाने ने अपने 73वें वनडे में ही 150वां शिकार किया.

संदीप लामिछाने ने कैसे लिए सबसे तेज 150 विकेट?

संदीप लामिछाने को ये बड़ी

कामयाबी स्कॉटलैंड के खिलाफ क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 के मुकाबले में मिली. इस मैच में नेपाल ने स्कॉटलैंड को 6 विकेट से हराया, जिसमें संदीप लामिछाने ने 10 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए. उन्होंने जॉर्ज मुंशी, ब्रैंडन मैक्मुलेन और मैथ्यू क्रॉस का विकेट चटकाया. वनडे में ब्रैंडन मैक्मुलेन, संदीप लामिछाने के 150वें शिकार बने. स्कॉटलैंड के खिलाफ 3 विकेट लेने के साथ ही लामिछाने के वनडे करियर के 73 मैचों में अब 151 विकेट हो गए हैं.

सबसे तेज 100 विकेट का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड लामिछाने के नाम

वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने का कारनामा करने वाले संदीप लामिछाने इससे पहले क्रिकेट के 50 ओवर फॉर्मेट में सबसे तेज 100 विकेट लेने का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुके हैं. वहां उन्होंने अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान का 2015 में बनाया रिकॉर्ड तोड़ा था. राशिद ने अपने करियर के पहले 44 वनड़े में 100 विकेट लिए थे. लेकिन, 2018 में राशिद से 2 मैच कम खेलकर संदीप लामिछाने ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया. संदीप लामिछाने ने अपने करियर के 42वें वनडे में 100 विकेट झटके थे.

सबसे तेज 50 विकेट लेने में दूसरे नंबर पर

वनडे में सबसे तेज 50 विकेट लेने के मामले में ही सिर्फ संदीप लामिछाने दूसरे नंबर पर रहे हैं. वनडे में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले गेंदबाज श्रीलंका के अजंथा मेंडिस है, जिन्होंने सिर्फ 19 मैचों में ही ये कारनामा किया था. वहीं संदीप लामिछाने ने वनडे में 50 विकेट अपने 22वें मैच में लिए थे.

फुटबॉल वर्ल्डकप : ब्राजील और क्रोएशिया की टीमें घोषित

जूनियर नेमार की 3 साल बाद वापसी

खेल डेस्क, 19 मई (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए ब्राजील और क्रोएशिया की टीमों का ऐलान हो गया है। 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील में 3 साल बाद जूनियर नेमार की वापसी हुई है।

क्रोएशिया ने 40 साल के लुका मोड्रिच को कप्तान बनाया है। वे अपना 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर फर्मिन लोपेज दाएं पैर में फ्रैक्चर के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। जबकि, लैमिन यामल पहला मैच नहीं खेलेंगे।

48 टीमें के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी। जोकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में 16 शहरों में खेला जाएगा। हाल ही में फ्रांस और बेल्जियम ने भी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान किया था।

ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने रियो डी जेनेरियो में टीम का ऐलान किया। उन्होंने कहा- 'हमने पूरे साल नेमार का बारीकी से विश्लेषण किया। पिछले कुछ समय में उन्होंने लगातार फुटबॉल खेला है। उनकी फिटनेस इस बड़े मंच के लिए बिल्कुल दुरुस्त है।'

34 साल के नेमार चोट के कारण 2023 के बाद से ब्राजील के लिए एक भी मैच नहीं खेल पाए। वे करियर का चौथा वर्ल्ड कप (2014, 2018, 2022, 2026) खेलेंगे। ब्राजील को ग्रुप-C में रखा गया है। उसका पहला मैच 13 जून को मोरक्को से होगा। फिर हैती और स्कॉटलैंड से मुकाबले होंगे।

ब्राजील का पूरा वर्ल्ड कप स्क्वॉडः

गोलकीपर्सः एलिसन बेकर (लिवरपूल), एडरसन (फेनरबाश), वेवरटन (ग्रेमियो)।

डिफेंडर्सः एलेक्स सैंड्रो, डैनिलो, लियो परेरा (फ्लेमेंगो), ब्रेमर (जुवेंटस), इबानेज़ (अल-अहली), वेस्ले (रोमा), मार्किन्होस (पेरिस सेंट-जर्मेन), गेब्रियल (आर्सेनल), डगलस सैंटोस (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग)।

मिडफील्डर्सः ब्रूनो गुइमारेस (न्यूकैसल), कैसिमिरो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), डैनिलो सैंटोस (बोटाफोगो), फैबिन्हो (अल-इत्तिहाद), लुकास पाकेटा (फ्लेमेंगो)।

फॉरवर्ड्सः एंड्रिक (लायन), गेब्रियल मार्टिनेली (आर्सेनल), इगोर थियागो (ब्रेंटफोर्ड), मैथ्यूज कुन्हा (मैनचेस्टर यूनाइटेड), राफिन्या (बार्सिलोना), विनिसियस जूनियर (रियल मैड्रिड), लुइज़ हेनरिक (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग), नेमार (सांतोस), रेयान (बॉर्नमाउथ)।

क्रोएशिया के मुख्य कोच ज्लाटको डालिच ने 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें 40 साल के दिग्गज लुका मोड्रिच को चुना गया। वे करियर का 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वे पिछले महीने गाल की हड्डी टूटने की चोट का शिकार हो गए थे। डालिच ने उम्मीद जताई है कि वे 17 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वर्ल्ड कप मैच तक फिट हो जाएंगे। मोड्रिच 200 इंटरनेशनल मैच पूरे कर सकते हैं।

टीम में स्टार फॉरवर्ड इवान पेरिसिच भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले तीनों वर्ल्ड कप में क्रोएशिया के लिए गोल दागे हैं। क्रोएशिया की टीम 2018 वर्ल्ड कप की उपविजेता रही थी, जबकि 2022 वर्ल्ड कप में उसने तीसरा स्थान हासिल किया था। क्रोएशिया को ग्रुप-एल में रखा गया है। टीम 17 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद पनामा और घना से मुकाबले होंगे।

क्रोएशिया का पूरा वर्ल्ड कप स्क्वॉडः

गोलकीपर्सः डोमिनिक लिवाकोविच, डोमिनिक कोटार्स्की, इवोर पांडुर।

डिफेंडर्सः जोस्को ग्वारदियोल, दुये सालेटा-सार, जोसिप सुतालो, जोसिप स्टैनिसिच, मारिन पोंग्रासिच, मार्टिन एर्लिक, लुका वुस्कोविच।

मिडफील्डर्सः लुका मोड्रिच, मातेयो कोवाचिच, मारियो पासालिच, निकोला व्लासिच, लुका सुसिच, मार्टिन बटुरिना, क्रिस्टियन जाकिच, पेटार सुसिच, निकोला मोरो, टोनी फ्रुक।

फॉरवर्ड्सः इवान पेरिसिच, आंद्रेज क्रामारिच, एंटे बुदिमिर, मार्को पासालिच, पेटार मूसा, इगोर माटानोविच।

स्टैंड-बाय खिलाड़ी : लोवरो मायेर, फ्रैंजो इवानोविच, डियोन ड्रेना बेलजो, इवान स्मोलसिच, कार्लो लेटिका, एड्रियन सेगेसिच, लुका स्टोज्कोविच।

लैमिन यामल और फर्मिन लोपेज की चोट ने स्पेन की चिंता बढ़ा दी है। यामल चोट के कारण केप वर्डे 15 जून को होने वाले पहले मैच से बाहर हो गए हैं। जबकि 23 साल के मिडफील्डर लोपेज का वर्ल्ड कप खेलने का सपना टूट गया है।

विनेश फोगाट की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को जारी किया नोटिस

छह जुलाई को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को नोटिस जारी किया है। डब्ल्यूएफआई ने हाल ही में विनेश को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित किया था। विनेश ने इस नोटिस को चुनौती दी थी जिस पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। डब्ल्यूएफआई ने हाल ही में अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर विनेश को नोटिस भेजा था। इतना ही नहीं विनेश जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित की गईं क्योंकि उन्होंने यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियम के तहत संन्यास से वापसी के बाद जरूरी छह महीने का नोटिस पीरियड नहीं दिया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया था कि यदि विनेश दोबारा कुश्ती में वापसी करना चाहती हैं, तो उन्हें आईटीए या इंटरनेशनल फेडरेशन को कम से कम छह महीने पहले सूचना देनी होगी और इस दौरान एंटी-डोपिंग टेस्टिंग के लिए उपलब्ध रहना होगा।

विनेश डब्ल्यूएफआई के इस फैसले से खुश नहीं थीं और उन्होंने कारण बताओ नोटिस जारी करने और आने वाले खेलों के लिए होने वाले ट्रायल में उनका नाम शामिल नहीं करने को चुनौती दी थी। विनेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने फौरी राहत देने से इनकार कर दिया और छह जुलाई को अगली सुनवाई करने का फैसला किया।

लंबित सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए : रेवंत रेड्डी

सीएम ने मंत्रियों और विधायकों के साथ की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंत्रियों और अधिकारियों को पुराने महबूबनगर जिले में सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने का निर्देश दिया है। मंगलवार को एमसीआरएचआरडी में जिले के मंत्रियों और विधायकों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट परियोजना सहित अन्य परियोजनाओं के निर्माण की स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों को युद्धस्तर पर पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए जमीनी निरीक्षण करने और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया गया। रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि अन्य परियोजनाओं के लिए भी भूमि अधिग्रहण का कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार भूमि अधिग्रहण के लिए आवश्यक धनराशि जारी करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि परियोजनाओं से संबंधित सभी लंबित विधेयकों का भुगतान कर दिया जाएगा। जिला मंत्रियों को पालमुरु जिले में सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा करने और इन परियोजनाओं की प्रगति की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे। बैठक में मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव और वाकिटी श्रीहरि, सरकारी सचेतक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, विधायक कासिरेड्डी नारायण रेड्डी, मधुसूदन रेड्डी, मेघा रेड्डी, राजेश रेड्डी, वामसी कृष्णा, वीरलापल्ली शंकरय्या, बंडला कृष्ण मोहन रेड्डी और मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने भाग लिया।

केटीआर ने ईएपीसीईटी राज्य टॉपर मल्लाडी रूशी को बधाई दी, एक लाख का इनाम दिया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने चिलुका नगर डिवीजन की प्रतिभाशाली छात्रा मल्लाडी रुशी को ईएपीसीईटी में 156.63 अंकों के साथ राज्य स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है।

मंगलवार को, रामा राव ने उप्पल से बीआरएस विधायक बंडारू लक्ष्मा रेड्डी द्वारा आयोजित एक समारोह में ऋषि को 1 लाख रुपये का चेक भेंट किया। उप्पल के विधायक रुशी और उनके पिता कोंडल रेड्डी के साथ नानकरामगुडा स्थित रामाराव के आवास पर गए। इस अवसर पर केटी रामाराव ने रुषि की उपलब्धि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली किसी छात्रा के लिए इतनी लगन से पढ़ाई करना और राज्य में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा कि रुषि की सफलता न केवल चिलुका नगर मंडल के लिए बल्कि पूरे उप्पल निर्वाचन क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

कांग्रेस और बीआरएस जनता को कर रहे हैं गुमराह : प्रभाकर

> पूर्व विधायक ने लगाए तीखे आरोप

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक एन.वी.एस.एस. प्रभाकर ने आरोप लगाया है कि तेलंगाना में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) परदे के पीछे एक-दूसरे का सहयोग करते हुए जनता को गुमराह कर रहे हैं। वे हैदराबाद स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। प्रभाकर ने कहा कि दोनों दल जनता के सामने विरोध का दिखावा करते हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर एक-दूसरे को राजनीतिक संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने इसे सुख-संसार करार देते हुए आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां मिलकर राजनीतिक ड्रामा कर रही हैं। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजनीति में पार्टी कमजोर हो रही है और शीर्ष नेतृत्व पर गंभीर कानूनी मामलों का हवाला भी दिया। बीआरएस पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व पर भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं और जांच एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए कानूनी सुरक्षा ली जा रही है। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव, के.टी. रामाराव, कल्वकुंतला कविता और टी. हरीश राव का नाम लेते हुए विभिन्न मामलों का उल्लेख किया और आरोप लगाए कि पार्टी के कई नेता जांच के दायरे में हैं। प्रभाकर ने दावा किया कि राज्य में पहले बीआरएस को कांग्रेस का समर्थन मिला था और अब कांग्रेस को बीआरएस का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों दल जनता के हितों के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा इन कथित गठजोड़ों और भ्रष्टाचार के मामलों को जनता के सामने उजागर करती रहेगी। साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा तेलंगाना में मजबूत विकल्प बनकर उभर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने राज्य में विभिन्न घटनाओं और प्रशासनिक मामलों का उल्लेख करते हुए पिछली सरकारों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

महिला उत्पीड़न के दो मामलों में दोषियों को सजा और जुर्माना

ब्लैकमेल और अश्लील संदेश भेजने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शी टीम ने महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत दो उत्पीड़न मामलों में आरोपियों को सजा और जुर्माना दिलाने में सफलता हासिल की है।

यह कार्रवाई वी.सी. सज्जनार के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस के अनुसार शी टीम को व्हाट्सएप, प्रत्यक्ष शिकायतों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। पहले मामले में आरोपी महिला को अलग-अलग नंबरों से बार-बार फोन कर मानसिक रूप से परेशान कर रहा था और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहा था।

आरोपी की पहचान ओमर बिन अहमद दायनी के रूप में हुई। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 292 तथा हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम की धारा 70(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया। अदालत ने आरोपी को दो दिन के साधारण कारावास और 1,050 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। दूसरे मामले में आरोपी चीतरांबिल वैसाख ने एक महिला के साथ संबंध समाप्त होने के बाद उसकी निजी तस्वीरों के आधार पर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

मामले में आरोपी पर धारा 292 बीएनएस और हैदराबाद सिटी पुलिस एक्ट की धारा 70(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया। अदालत ने आरोपी पर 3,350 रुपये का जुर्माना लगाया। दोनों आरोपियों को XI स्पेशल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने यह फैसला सुनाया। हैदराबाद शी टीम ने महिलाओं और युवतियों से ऑनलाइन उत्पीड़न, पीछा करने, ब्लैकमेलिंग या अश्लील संदेशों से संबंधित किसी भी घटना की तुरंत शिकायत करने की अपील की है।

आरपीएफ हैदराबाद की 'पिंक पेट्रोल' को बड़ी सफलता

याकुतपुरा स्टेशन पर ड्रोन निगरानी से हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल की हैदराबाद मंडल इकाई द्वारा संचालित 'पिंक पेट्रोल' अभियान के तहत याकुतपुरा रेलवे स्टेशन पर ड्रोन निगरानी के जरिए एक हिस्ट्रीशीटर और यात्री सामान चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई 17 मई 2026 को विशेष अभियान के दौरान की गई। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार महिला यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एमएमटीएस सेक्शन में ड्रोन निगरानी और ग्राउंड आधारित डिकॉय चेकिंग के साथ संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान ड्रोन टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को स्टेशन परिसर में यात्रियों के आसपास संदिग्ध गतिविधियां करते हुए देखा। ग्राउंड पर तैनात महिला आरपीएफ कर्मियों की पिंक पेट्रोल टीम ने भी उसकी गतिविधियों की पुष्टि की, जिसके बाद ड्रोन सर्विलांस यूनिट को सतर्क कर समन्वित कार्रवाई की गई। आरोपी को स्टेशन परिसर से बाहर निकलने से पहले ही पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 28 हजार रुपये मूल्य का बिना सिम कार्ड वाला ओप्पो मोबाइल फोन बरामद हुआ। इसके अलावा गांजा और नाइट्रोवेट गोलियां भी मिलीं। जांच में पता चला कि आरोपी हत्या के प्रयास और घर में चोरी जैसे मामलों में पहले से शामिल एक हिस्ट्रीशीटर है। इसके बाद आरोपी और बरामद सामग्री को आरपीएफ काचीगुड़ा पोस्ट लाया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी काचीगुड़ा को सौंप दिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को शुरू की गई 'पिंक पेट्रोल' पहल एमएमटीएस सेवाओं में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। यह पहल सोनाली मिश्रा के मार्गदर्शन में शुरू की गई है। इसके तहत डीजीसीए प्रमाणित महिला आरपीएफ कर्मियों को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देकर संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया है। ड्रोन में थर्मल इमेजिंग, नाइट विजन, एचडी वीडियो ट्रांसमिशन और लॉन्ग रेंज जूम जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। हैदराबाद मंडल में अब तक महिला कोच में अनधिकृत प्रवेश के 388 मामले तथा रेलवे परिसर में अवैध प्रवेश और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े 169 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा दो यात्री सामान चोरी मामलों का खुलासा कर करीब 92,480 रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की गई है। सतोष कुमार वर्मा ने आरपीएफ टीम की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और सक्रिय पुलिसिंग का यह समन्वय यात्री सुरक्षा के लिए नया मानदंड स्थापित कर रहा है। वहीं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त देबाश्मिता सी. बनर्जी ने कहा कि पिंक पेट्रोल के दायरे का लगातार विस्तार किया जा रहा है तथा महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए इंटेलिजेंस आधारित निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्णय का ओयू में स्वागत, चित्र पर दुग्धाभिषेक

सरकारी नौकरी की आयु सीमा 34 से बढ़ाकर 44 वर्ष करने पर बेरोजगारों में उत्साह

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन की अधिकतम आयु सीमा 34 वर्ष से बढ़ाकर 44 वर्ष किए जाने के फैसले का ऑस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) में स्वागत किया गया। इस निर्णय को रेवंत रेड्डी की सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं के हित में उठाया गया कदम बताया गया। इस अवसर पर ओयू परिसर में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और बेरोजगार संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के चित्र पर दुग्धाभिषेक किया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. कोटुरी मानवताराय ने किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार लगभग 40,000 सरकारी पदों की भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने इसे युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर बताया और कहा कि इससे लंबे समय से नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे उम्मीदवारों को लाभ मिलेगा। नेताओं ने यह भी कहा कि कुछ लोग राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों के लिए बेरोजगार युवाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए वास्तविक बेरोजगारों को ऐसे तत्वों से सावधान रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में कोप्पुला प्रताप रेड्डी, राठौड़ रविंद्र नायक, जगन्नाथ यादव सहित कई नेता और छात्र प्रतिनिधि शामिल रहे।

एसीबी ने एचएमडब्ल्यूएसएसबी के महाप्रबंधक के घर छापा मारा

1.05 करोड़ रुपये नकद और सोना जब्त किया

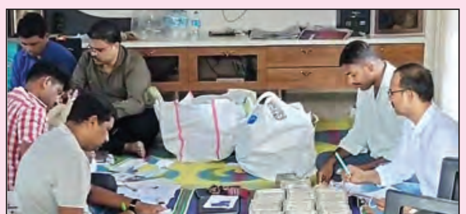

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के महाप्रबंधक कुमार से जुड़ी संपत्तियों पर एक साथ छापेमारी की और कथित तौर पर 1.05 करोड़ रुपये नकद के साथ-साथ भारी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषण जब्त किए। हैदराबाद और आसपास के इलाकों में लगभग आठ स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है। छापेमारी के दौरान, एसीबी अधिकारियों ने संपत्ति संबंधी दस्तावेज भी जब्त किए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुमार पर लगभग 100 करोड़ रुपये की संपत्ति जमा करने का संदेह है, जिसमें हैदराबाद में एक गेटेड कम्युनिटी में तीन फ्लैट, शहर के बाहरी इलाके में छह खुले भूखंड और निजामाबाद में लगभग तीन एकड़ जमीन शामिल है। सिकंदराबाद के मल्लापुर स्थित कुमार के आवास और अन्य संबंधित परिसरों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जांच के तहत अधिकारियों द्वारा जल्द ही बैंक लॉकर भी खोले जाने की संभावना है। यह भी संभव है कि छापेमारी कुमार के रिश्तेदारों के घरों तक बढ़ाई जाए। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी अभी भी जारी है और जब्त की गई संपत्तियों का कुल मूल्य अभी तक आधिकारिक तौर पर निर्धारित नहीं किया गया है।

अवैध संबंध में बाधा बनने पर मां ने बेटी की हत्या की, गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के अलवाल इलाके में छह वर्षीय बच्ची की कथित तौर पर उसकी मां ने हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला रेखा का किसी अन्य व्यक्ति के साथ अवैध संबंध था और उसे लगता था कि उसकी बेटी तनविका उसके रिश्ते में बाधा बन रही है। आरोप है कि महिला ने बच्ची को पानी की टंकी में फेंककर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद महिला ने अपनी बेटी के लापता होने की कहानी बनाकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। जांच के दौरान पुलिस को महिला के बयानों पर शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर बच्ची की हत्या का मामला सामने आया। पुलिस ने बच्ची का शव टंकी से बरामद कर लिया।

किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर हरी खाद बीज : कृषि मंत्री

किसान नेस्तम के 92वें एपिसोड में मृदा स्वास्थ्य संरक्षण पर जोर

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कृषि विभाग द्वारा आयोजित रैतु नेस्तम के 92वें एपिसोड में मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में राज्यभर के लगभग 1,600 केंद्रों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों और कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तुम्मला नागेश्वर राव शामिल हुए। इस अवसर पर कृषि विभाग के सचिव के. सुरेंद्र मोहन, कृषि विभाग के निदेशक डॉ.बी. गोपी, उद्यान विभाग की निदेशक यास्मीन बाशा तथा तेलंगाना सीड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष अन्वेश रेड्डी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने किसानों को सब्सिडी पर हरी खाद के बीज और जिप्सम उर्वरक वितरित किए। साथ ही प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. श्रीदेवी ने किसानों को हरी खाद फसलों की खेती तथा जिप्सम उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने संबंधी तकनीकी जानकारी दी। इस दौरान किसानों ने अपने अनुभव भी साझा किए। खम्मम जिले के किसान महेश रघुनाथपल्ली ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने के बावजूद ऑयल पाम की खेती से हो रहे लाभों की जानकारी दी। वहीं संगारेड्डी जिले के रंजोल गांव के किसान नागेश्वर रेड्डी ने जिप्सम उपयोग से क्षारीय भूमि में हुए सुधार और बागवानी फसलों में बढ़े मुनाफे पर प्रकाश डाला। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य सरकार मृदा स्वास्थ्य संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर उत्पादन के लिए भूमि की उर्वरता अत्यंत महत्वपूर्ण है और किसानों को इस दिशा में विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि जीलुग, जनुमु और पिल्लीपेसरा जैसी हरी खाद फसलों के बीज किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2025 के खरीफ सीजन में 61.27 करोड़ रुपये की सब्सिडी के साथ 0.87 लाख क्विंटल बीज 1.89 लाख किसानों को वितरित किए गए, जिससे 7.05 लाख एकड़ क्षेत्र में हरी खाद फसलों की खेती हुई।

मंत्री ने बताया कि खरीफ 2026 के लिए 113.27 करोड़ रुपये की सब्सिडी के साथ 1.39 लाख क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिससे लगभग 11.22 लाख एकड़ क्षेत्र में खेती कराई जाएगी। इसके अलावा सॉयल हेल्थ एंड फर्टिलिटी योजना के तहत क्षारीय भूमि सुधार के लिए किसानों को 90 प्रतिशत सब्सिडी पर जिप्सम उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य के 22 जिलों में 11,456 मीट्रिक टन जिप्सम वितरण की योजना बनाई गई है, जिसमें से 10 जिलों में 3,523 मीट्रिक टन जिप्सम पहले ही उपलब्ध कराया जा चुका है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न जिलों के किसानों द्वारा पूछे गए खेती संबंधी सवालों के जवाब कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के अधिकारियों ने दिए।

'प्रतिभा पुरस्कार-2026' समारोह में मेधावी छात्रों का सम्मान

रवींद्र भारती में आई फाउंडेशन द्वारा सरकारी स्कूल छात्रों को प्रोत्साहन

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्कूलों में 10वीं कक्षा की सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आई फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'प्रतिभा पुरस्कार-2026' समारोह का भव्य आयोजन रवींद्र भारती में किया गया। इस कार्यक्रम में भुवनगिरी सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के बल पर उत्कृष्ट परिणाम हासिल कर रहे हैं, जो गर्व की बात है। उन्होंने छात्रों से भविष्य में और अधिक परिश्रम कर उच्च लक्ष्य प्राप्त करने की अपील की। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके मार्गदर्शन में योगदान देने वाले प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कोदंडराम और वर्रा वेंकटेश्वरलु उपस्थित रहे। वक्ताओं ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उन्होंने आई फाउंडेशन की पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रोत्साहन कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रेरणा बढ़ाते हैं। कार्यक्रम में सुत्तारापु अनिल, रमेश, शिवचरण नायडू, अवार्ड प्राप्त छात्र, उनके माता-पिता, शिक्षक और आई फाउंडेशन के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

रामगोपालपेट पुलिस की तत्परता से 1.20 लाख रुपये से भरा बैग बरामद

ऑटो में छूटा बैग सुरक्षित लौटाया, ऑटो चालक सम्मानित

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रामगोपालपेट पुलिस स्टेशन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नागरिक का ऑटो-रिक्शा में छूटा 1.20 लाख रुपये नकदी से भरा बैग कुछ ही घंटों में बरामद कर सुरक्षित वापस लौटाया। पुलिस के अनुसार 18 मई 2026 को साई कुमार नामक युवक ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने पिता की सर्जरी के लिए दोपहर करीब 2 बजे किम्स हास्पिटल पहुंचा था। इस दौरान घबराहट में वह ऑटो-रिक्शा में अपना बैग भूल गया। बैग में इलाज के लिए रखी गई 1,20,000 रुपये की नकदी थी। शिकायत मिलते ही रामगोपालपेट थाने के एसएचओ बी. सुरेश कुमार ने तुरंत विशेष क्राइम स्टाफ टीम को जांच में लगाया। टीम में हेड कांस्टेबल जी. सुरेश, कांस्टेबल एस. प्रमोद कुमार और कांस्टेबल बी. नरसिम्हा शामिल थे। पुलिस टीम ने मार्ग के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच कर ऑटो-रिक्शा का नंबर ट्रेस किया और चालक का पता लगा लिया। पुलिस की तत्परता के बाद ऑटो चालक स्वयं थाने पहुंचा और 1.20 लाख रुपये सहित पूरा बैग सुरक्षित पुलिस को सौंप दिया। बैग वापस मिलने पर शिकायतकर्ता साई कुमार ने रामगोपालपेट पुलिस का आभार जताते हुए कहा कि संकट की घड़ी में पुलिस ने बेहद तेजी और संवेदनशीलता के साथ मदद की। ईमानदारी का परिचय देने वाले ऑटो चालक को एसएचओ बी. सुरेश कुमार ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही पुलिस टीम की कार्यकुशलता और ऑटो चालक की सत्यनिष्ठा की सराहना की गई।

कुएं के धंसने से दो मजदूरों की मौत, एक घायल

पेद्दापल्ली, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पलकुर्थी मंडल के जयराम गांव में मंगलवार को एक पुराना कृषि कुआं धंसने से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, मजदूर पुराने कुएं के अंदर सीमेंट के घेरे बनाने का काम कर रहे थे, तभी अचानक कुआं धंस गया और तीनों मजदूर मलबे में दब गए। इस हादसे में रेचावानी राजैया और बिमोजू अंजैया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सागर घायल हो गया। घायल सागर को तुरंत पेद्दापल्ली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद एक मजदूर का शव कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीएचईएल BHEL

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
रामचंद्रपुरम, हैदराबाद - 502032
मानव संसाधन प्रबंधन

विज्ञापन सं. : अपरेंटिस / 2026 / 01

बीएचईएल, एचपीईपी, हैदराबाद प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के तहत रामचंद्रपुरम स्थित बीएचईएल जनरल अस्पताल में एक वर्ष के व्यावसायिक शिक्षुता (एमएलटी / एमपीएचडब्ल्यू) के लिए सभी पात्र और इच्छुक उम्मीदवारों से एमएलटी-16 पद, एमपीएचडब्ल्यू-09 पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

चयनित व्यावसायिक शिक्षुता उम्मीदवारों को शिक्षुता दिशानिर्देशों के अनुसार मासिक वजीफा दिया जाएगा।

इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आवेदन जमा करने और अन्य विवरणों से संबंधित संपूर्ण जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट https://hpep.bhel.com पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देख सकते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.